

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 66 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 02 नवम्बर 2026(सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

दिल्ली में प्रदूषण पर नई पाबंदियां लागू, सरहौल सीमा पर एक किलोमीटर लंबा जाम



नई दिल्ली। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए 1 नवंबर से नई पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। इसके तहत दिल्ली के बाहर पंजीकृत बीएस-6 से कम उत्सर्जन मानक वाले वाहनों के राजधानी में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। नए नियमों के लागू होते ही रविवार सुबह दिल्ली-गुरुग्राम सरहौल सीमा पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर दिल्ली की ओर जाने वाली मुख्य सड़क और सेवा मार्ग पर करीब एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया। इससे वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदूषण नियंत्रण के लिए सरकारी और निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों को घर से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा दिल्ली की कई सार्वजनिक पार्किंग में वाहन खड़ा करने का शुल्क दोगुना कर दिया गया है। इन कदमों का उद्देश्य निजी वाहनों की आवाजाही कम करना और राजधानी की हवा को स्वच्छ बनाना है। हालांकि, राहत की बात यह है कि अक्टूबर के दौरान दिल्ली की वायु गुणवत्ता पिछले नौ वर्षों में सबसे बेहतर दर्ज की गई। इस महीने औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 166 रहा।

महाराष्ट्र के नंदुरबार में कानून व्यवस्था ध्वस्त !

नवापुर के विसरवाड़ी में चल रहा है सबसे बड़ा अवैध जुआ और ड्रग्स का साम्राज्य

नवापुर हफ़्ते के फेर में अंधी हुई पुलिस? विसरवाड़ी में डी-कंपनी की शह पर चल रहा अवैध नेटवर्कके विसरवाड़ी में चल रहा है सबसे बड़ा अवैध जुआ और ड्रग्स का साम्राज्य

सुपर इन्वेस्टिगेशन : हर रात जुटते हैं कई राज्यों के हाई-प्रोफाइल जुआरी; नशा, जिस्मफरोशी और वांटेड अपराधियों के जमावड़े से थर्राया विसरवाड़ी इलाका

शिकायत करने पर भी बड़े अफसरों ने मूंदी आंखें!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नंदुरबार। जिले के नवापुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विसरवाड़ी इलाके में अपराधियों और भ्रष्ट तंत्र का ऐसा खतरनाक खेल चल रहा है, जिसे जानकर राज्य की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। सूत्रों के हवाले से मिली बेहद सनसनीखेज और खतरनाक जानकारी के अनुसार, पप्पू रईस शेख और सूरज जायसवाल द्वारा एक विशाल शेड का निर्माण कराकर यहाँ खुलेआम बड़े पैमाने पर अवैध जुए का कारोबार चलाया जा रहा है। यह अड्डा किसी गुप्त स्थान पर नहीं, बल्कि प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की नाक के नीचे खुलेआम संचालित हो रहा है।

प्रतिदिन करोड़ों का जुआ और अंतर-राज्यीय अपराधियों का जमावड़ा

इस अवैध जुए के अड्डे का दायरा सिर्फ स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका नेटवर्क कई राज्यों तक फैला हुआ है। हर रात गुजरात, नासिक, दमन, पालघर और मुंबई (बॉम्बे) से लगभग 120 से 150 हाई-प्रोफाइल लोग और शातिर जुआरी यहाँ पहुंचते हैं। रात ढलते ही इस शेड के अंदर करोड़ों रुपये दांव पर लगते हैं और हर रोज हार-जीत का यह खेल करोड़ों के नोटों के आदान-प्रदान के साथ सुबह तक चलता है।



सबसे खतरनाक बात यह है कि इस अड्डे पर केवल जुआ ही नहीं खेला जाता, बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों से भागे हुए और वांटेड अपराधी भी शरण लेते हैं। सूत्रों का दावा है कि इस पूरे नेटवर्क में कुख्यात डी-कंपनी की भी हिस्सेदारी और सीधी संलिप्तता है। गुजरात और मुंबई से जुड़े वांटेड अपराधी यहाँ बेखौफ होकर आते हैं और जुए के साथ-साथ एमडी ड्रग्स का अवैध धंधा भी धड़ल्ले से चला रहे हैं। युवा पीढ़ी को खोखला करने वाला यह नशीला पदार्थ इस इलाके में खुलेआम सप्लाई हो रहा है।

जिस्मफरोशी का काला कारोबार और खाकी की खामोश मिलीभगत

मामला सिर्फ जुए और ड्रग्स तक ही सीमित नहीं है, बल्कि विसरवाड़ी इलाके में इसके साथ-साथ जिस्मफरोशी (प्रॉस्टिट्यूशन) का गंदा धंधा भी पूरी सरगर्मी से चलाया जा रहा है। रोज़ाना रात के वक्त विसरवाड़ी में गाड़ियों और बाहरी लोगों का भारी तांता लग जाता है, सैकड़ों लोग एक साथ इकट्ठा होते हैं, लेकिन इसके बावजूद स्थानीय पुलिस यह नाटक करती है कि उसे इस बात की कोई जानकारी नहीं है। सवाल यह उठता है कि क्या पैसों की चमक ने पुलिस की आंखें पूरी तरह अंधी कर दी हैं? रात के वक्त एक साथ सैकड़ों बाहरी लोग और संदिग्ध वाहन उस इलाके में पहुंचते हैं, तो क्या खाकी को इसकी भनक तक नहीं होती? यह असंभव है। सच्चाई यह है कि यह सब कुछ स्थानीय पुलिस और प्रशासन की पूरी जानकारी और मिलीभगत से हो रहा है।

सिस्टम की मिलीभगत और हफ़्ते का खुला खेल

इस पूरे महा-घोटाले और अपराध के साम्राज्य के पीछे संरक्षण का एक मजबूत चक्रव्यूह है। सूत्रों के मुताबिक, नवापुर पुलिस थाने के पुलिस इंस्पेक्टर, जिले के एसपी और रेंज के आईजी तक इस अवैध कारोबार की पूरी जानकारी है। इसके बावजूद आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इसकी सीधी वजह लाखों रुपये की वो अवैध रकम है जो हर महीने 'हफ़्ते' के रूप में इन जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचती है। भ्रष्टाचार की इस दीमक ने पूरी व्यवस्था को अंदर से खोखला कर दिया है। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि जब पीड़ित या जागरूक नागरिक इन मामलों की शिकायत करने के लिए जिले के एसपी और रेंज आईजी को फोन करते हैं, तो वे फोन तक उठाना मुनासिब नहीं समझते। यह प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि अपराधियों के साथ सीधी साठगांठ का स्पष्ट प्रमाण है। यदि इस खबर के बाद भी प्रशासनिक नींद नहीं टूटी, तो यह मान लिया जाएगा कि खाकी और अपराधियों का यह गठजोड़ अब कानून से भी ऊपर हो चुका है।

राज्य के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री को खुली चुनौती

नंदुरबार जिले के इन भ्रष्ट अधिकारियों ने राज्य सरकार के मुखिया यानी मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के आदेशों को ठेंगा दिखा दिया है। खुलेआम चल रहा यह जुआ, ड्रग्स और जिस्मफरोशी का कारोबार सीधे तौर पर सरकार और शासन प्रणाली को एक खुली चुनौती दे रहा है। जब देश और राज्य के कड़े कानून अपराधियों पर शिकंजा कसने की बात करते हैं, तब नंदुरबार के ये अधिकारी अपनी जेबें भरने में व्यस्त हैं। महानगर मेट्रो न्यूज़ पेपर की इस घातक और विस्फोटक रिपोर्ट के बाद अब पूरा सिस्टम हिलना तय है। क्या महाराष्ट्र शासन और गृह विभाग इन भ्रष्ट अधिकारियों पर कोई कड़ा एक्शन लेगा या फिर हफ़्ते के दम पर यह आपराधिक साम्राज्य यूँ ही फलता-फूलता रहेगा? जनता की निगाहें अब सरकार के अगले कदम पर टिकी हैं।

समाजवादी पार्टी का प्रदर्शन: मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी, कार्यकर्ताओं की पुलिस से धक्का-मुक्की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को समाजवादी पार्टी ने मोर्चा खोल दिया। अखिलेश यादव ने दिल्ली में विरोध जताया, वहीं लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर ज्ञानेश कुमार को जेल भेजने और पद से हटाने की मांग की। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को जबरन उठाकर वाहनों में बैठाया। इस दौरान एक दो फीट के कार्यकर्ता को दरोगा गोद में उठाकर ले जाता नजर आया। प्रदर्शनकारी गणेश ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर लोकतंत्र की हत्या करने और भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि 35 करोड़ से अधिक वोटों की चोरी कर अलग-अलग राज्यों और केंद्र में भाजपा की सरकार बनवाने में चुनाव आयोग की भूमिका रही है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि आयोग बिहार और पश्चिम बंगाल के बाद अब उत्तर प्रदेश में भी चुनावी गड़बड़ी की तैयारी कर रहा है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते, उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि आयोग के मौजूदा रवैये के बीच उत्तर प्रदेश में चुनाव नहीं होने देंगे। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर अभद्रता करने का भी आरोप लगाया।



हयात होटल में विदेशी महिला का वीडियो बनाकर 5 लाख की फिरौती मांगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के मशहूर हयात होटल में फिलीपीनी महिला का बिना अनुमति वीडियो बनाने और होटल प्रबंधन से 5 लाख रुपए की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। आरोप है कि 29 अक्टूबर को शुभ शाह नाम का व्यक्ति महिला के पीछे उसके कमरे तक पहुंचा और वीडियो बना लिया। इसके बाद दो लोगों ने होटल मैनेजर को वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर रकम मांगी। मैनेजर ने पैसे देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद भ्रामक संदेश के साथ वीडियो वायरल कर दिया गया। मामले में चार लोगों के खिलाफ महिला अपराध पश्चिम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। पश्चिमी महिला अपराध पुलिस ने शुभ शाह और संकेत प्रजापति समेत चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल चारों आरोपी फरार हैं, जिनके घरों और दफ्तरों की पुलिस जांच कर रही है।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात 'मुरासु' ने पकड़ी रफ्तार, आंध्र प्रदेश के तट से टकराने का खतरा

गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल सकता है मुरासु, 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है हवा की रफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव रविवार को चक्रवाती तूफान 'मुरासु' में तब्दील हो गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने तूफान को देखते हुए आंध्र प्रदेश और उत्तरी तमिलनाडु के आसपास के तटीय इलाकों के लिए चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, यह चक्रवात सोमवार सुबह तक गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। इसके 2 नवंबर की आधी रात से 3 नवंबर की सुबह के बीच आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका जताई गई है। तूफान के प्रभाव से तटीय क्षेत्रों में तेज हवाएं चलने और मौसम में बड़ा बदलाव आने की संभावना है। मौसम विभाग की ओर से रविवार दोपहर जारी बुलेटिन के मुताबिक, चक्रवाती तूफान 'मुरासु' दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर



सक्रिय है। रविवार सुबह 11:30 बजे यह चेन्नई से लगभग 560 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व और विशाखापत्तनम से करीब 660 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में केंद्रित था। विभाग के अनुसार, तूफान लगातार पश्चिम-उत्तरपश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसके और अधिक शक्तिशाली होने की संभावना है। अनुमान है कि गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने के बाद यह उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ेगा। इसके आंध्र प्रदेश के नेल्लोर और नरसापुर के बीच तट पार करने की आशंका है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है, जबकि तेज झोंकों के साथ इसकी गति 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को मौसम विभाग की चेतावनियों पर ध्यान देने और प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की जरूरत होगी। 'मुरासु' एक सप्ताह से भी कम समय में आंध्र प्रदेश के तट से टकराने वाला दूसरा चक्रवाती तूफान होगा। इससे पहले भीषण चक्रवाती तूफान 'अरनब' 28 अक्टूबर की सुबह नरसापुर के पास आंध्र प्रदेश के तट से टकराया था। उस दौरान हवा की अधिकतम रफ्तार 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई थी, जबकि तेज झोंकों की गति 150 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई थी। पिछले चक्रवात 'अरनब' ने राज्य के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई थी। इसके कारण सात लोगों की मौत हुई थी। तटीय जिलों में कृषि, सड़क, बिजली और दूरसंचार व्यवस्था को व्यापक नुकसान पहुंचा था। हजारों एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हो गई थी। इसके अलावा बिजली के सैकड़ों खंभे और बड़ी संख्या में पेड़ उखड़ गए थे। अब नए चक्रवात 'मुरासु' के संभावित खतरे को देखते हुए तटीय क्षेत्रों में सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

महादेव सट्टा ऐप का मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर गिरफ्तार, ओमान से भारत लाया गया



महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने मुख्य आरोपी और प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को गिरफ्तार कर लिया है। उसे ओमान में पकड़ा गया और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भारत लाया गया है। अब आरोपी को रायपुर की विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया जाएगा। सीबीआई के अनुसार, सौरभ चंद्राकर के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था। इसी आधार पर ओमान की रॉयल पुलिस ने उसे हिरासत में लिया। इसके बाद सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भारत सरकार के माध्यम से ओमान को उसके प्रत्यर्पण का औपचारिक प्रस्ताव भेजा। इसमें आरोपी के खिलाफ जुटाए गए साक्ष्य भी शामिल किए गए थे। भारत सरकार की एजेंसियों, इंटरपोल और ओमान के अधिकारियों के बीच बातचीत के बाद प्रत्यर्पण को मंजूरी मिली। इसके बाद सीबीआई की टीम मस्कट पहुंची और आरोपी को भारत लेकर आई। महादेव सट्टा ऐप से जुड़े मामलों की जांच सीबीआई कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस प्रकरण से संबंधित 13 एफआईआर जांच के लिए सीबीआई को सौंपी थीं। वहीं, ईडी के मामले में भी सौरभ चंद्राकर के खिलाफ अभियोजन शिकायत दाखिल की जा चुकी है।

दिवाली से पहले जयपुर में 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप 2.0', ढाई हजार सफाईकर्मियों ने रातभर चमकाया परकोटा

मेयर सुनील कोठारी ने ख़ुद थामी झाड़ू, 1000 संसाधनों के साथ बाजारों और गलियों में चला सफाई अभियान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। दिवाली से पहले राजधानी को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगर निगम ने शनिवार रात परकोटे में विशेष सफाई अभियान चलाया। 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप 2.0' के तहत रात 12 बजे से सुबह तक प्रमुख बाजारों, सड़कों और अंदरूनी गलियों की सफाई की गई। अभियान में करीब ढाई हजार सफाईकर्मी और 1000 संसाधन लगाए गए। मेयर सुनील कोठारी ने खुद झाड़ू थामकर सफाई की, वहीं निगम कमिश्नर ओम कसेरा भी मौके पर मौजूद रहे। मेयर ने कहा कि दीपावली पर लोग अपने घरों की विशेष सफाई करते हैं, उसी तरह नगर निगम सार्वजनिक स्थानों और बाजारों को स्वच्छ बनाने में जुटा है। उन्होंने सफाई व्यवस्था और आवारा पशुओं की समस्या को गंभीर बताते हुए कहा कि इनके समाधान के लिए निगम के साथ आमजन का सहयोग भी जरूरी है। वार्ड स्तर पर युवाओं को जोड़कर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। कमिश्नर ओम कसेरा ने बताया कि दिन में बाजारों में यातायात और लोगों की आवाजाही अधिक रहती है, इसलिए रात का समय चुना गया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि सड़क पर कचरा नहीं फेंकें और घरेलू कचरा निगम की संग्रहण गाड़ियों में ही डालें। निगम और आमजन के संयुक्त प्रयासों से ही शहर को लंबे समय तक स्वच्छ रखा जा सकता है।



मध्यप्रदेश का 71वां स्थापना दिवस: भोपाल में मोहन यादव ने दीप जलाकर किया समारोह का शुभारंभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्यप्रदेश का 71वां स्थापना दिवस रविवार को प्रदेशभर में उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 71 बच्चों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। समारोह में बॉलीवुड गायिका मोनाली ठाकुर मुंबई के कलाकारों के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगी। स्थापना दिवस समारोह में 165 किसानों को ट्रैक्टर, बुलेट और ई-स्कूटर वितरित किए जाएंगे। वहीं, 102 मेधावी विद्यार्थियों को एक-एक लाख रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इंदौर, उज्जैन और जबलपुर सहित प्रदेश के सभी जिलों में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर मंडला में मंत्री संपतिया उइके ने ग्रामीण महिलाओं के साथ कबड्डी खेलकर उत्सव में भाग लिया। बुरहानपुर में सांसद, विधायक और कलेक्टर आदिवासी कलाकारों के साथ थिरकते नजर आए। झाबुआ में लोकतंत्र सेनानी और शहीद की पत्नी का सम्मान किया गया। भोपाल में समारोह देखने पहुंचे लोगों ने व्यवस्थाओं को लेकर सुझाव भी दिए। कुछ दर्शकों ने वीआईपी और सामान्य दर्शकों के लिए समान सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही। वहीं, नॉन-वीआईपी दीर्घा में बैठे लोगों ने मंच साफ दिखाई देने के लिए स्टेज की ऊंचाई और रेलिंग में बदलाव की जरूरत बताई। लोगों ने उम्मीद जताई कि स्थापना दिवस का आयोजन प्रदेश की उपलब्धियों और सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित करेगा।



दिवाली की खरीदारी के लिए गुजरात के बाजारों में उमड़ा जनसैलाब

भद्रा, चौटा और मंगल बाजार में ग्राहकों की भारी भीड़, कहीं आकर्षक छूट तो कहीं जाम से परेशानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दिवाली का त्योहार नजदीक आते ही गुजरात के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और राजकोट सहित प्रदेशभर के प्रमुख बाजारों में रविवार को खरीदारी के लिए लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। छुट्टी का दिन होने के कारण भद्रा बाजार, चौटा बाजार और मंगल बाजार में इतनी भीड़ रही कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया।

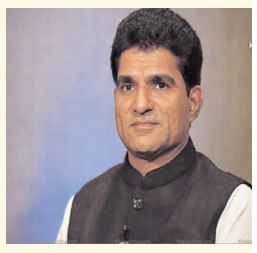


कपड़ों, सजावटी सामान, रोशनी और घरेलू वस्तुओं की दुकानों पर ग्राहकों की लंबी कतारें लगी रहीं। अहमदाबाद के भद्रा और लाल दरवाजा बाजार में आखिरी दौर की खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। दुकानदार ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विशेष छूट और सस्ते ऑफर दे रहे हैं। हालांकि, एक व्यापारी ने पिछले साल की तुलना में कारोबार में करीब 60 प्रतिशत गिरावट आने की बात कही। भीड़ के चलते लाल दरवाजा और आसपास की सड़कों पर यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई। वडोदरा के मांडवी, मंगल बाजार, नवा बाजार, सदर बाजार और मदन मार्केट में भी खरीदारों की भीड़ रही। मांडवी से लाहिड़ीपुरा गेट तक वाहनों की लंबी कतारें लगीं। दुकानदारों के अनुसार रविवार और दिवाली नजदीक होने से कारोबार में तेजी आई है। उधर, सूरत के चौटा बाजार में कपड़ों, झुमकों और फैशन एक्सेसरीज की जमकर खरीदारी हो रही है। व्यापारियों ने विशेष ऑफर भी दिए हैं। हालांकि, बाजार में दुकानों के बाहर अतिक्रमण, संकरी सड़कें और अव्यवस्थित पार्किंग परेशानी का कारण बनी हुई हैं। चौटा रोड से भागल तक लंबा जाम लगने से लोगों को दस मिनट का सफर तय करने में आधा घंटा लग रहा है। भीड़ को देखते हुए सूरत पुलिस ने विशेष गश्त और जागरूकता अभियान शुरू किया है। महिला पुलिसकर्मी ग्राहकों को पर्स, मोबाइल और नकदी सुरक्षित रखने की सलाह दे रही हैं। साथ ही छोटे बच्चों को भीड़भाड़ वाले बाजारों में विशेष निगरानी में रखने की अपील की गई है। पुलिस ने लोगों से खरीदारी के दौरान सतर्क रहने और कीमती सामान संभालकर रखने का आग्रह किया है।

किसानों का कर्ज माफ करे गुजरात सरकार, तो पैर छूकर करूंगा सम्मानः इसुदान गढ़वी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में किसानों की कर्ज माफी का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गया है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता इसुदान गढ़वी ने राज्य सरकार को किसानों का कर्ज माफ करने की खुली चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि यदि गुजरात सरकार किसानों का कर्ज माफ कर देती है तो वे सरकार के सामने झुककर उसके पैर छूने के लिए भी तैयार हैं। गढ़वी ने किसानों की आर्थिक स्थिति का मुद्दा उठाते हुए कहा कि प्रदेश के किसान बढ़ती खेती की लागत, महंगे खाद-बीज, बेमौसम बारिश और सूखे जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इसके अलावा फसल बीमा और उपज का उचित मूल्य नहीं मिलने जैसी परेशानियां भी किसानों के सामने हैं। इन परिस्थितियों में किसानों पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ रहा है। आप नेता ने सवाल उठाया कि जब बड़े उद्योगपतियों और कारोबारियों को आर्थिक राहत दी जा सकती है, तो किसानों के कर्ज माफ करने में सरकार को परेशानी क्यों होती है? उन्होंने कहा कि किसान दिन-रात मेहनत करके देश का पेट भरते हैं, लेकिन आर्थिक संकट के समय उन्हें अपेक्षित राहत नहीं मिलती। गढ़वी के इस बयान के बाद गुजरात की राजनीति में किसानों की कर्ज माफी को लेकर बहस तेज होने की संभावना है। अब देखना होगा कि राज्य सरकार इस चुनौती और किसानों की कर्ज माफी की मांग पर क्या प्रतिक्रिया देती है।



अहमदाबाद के वटवा में पति ने पत्नी की हत्या की, 40 साल पुरानी शादी का दुखद अंत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के वटवा इलाके में घरेलू विवाद के चलते हत्या का गंभीर मामला सामने आया है। यहां वसंत गजेंद्र गडकरनगर स्थित चार मंजिला आवासीय परिसर में 68 वर्षीय पति ने अपनी 60 वर्षीय पत्नी की चाकू से हमला कर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी की शादी को करीब 40 साल हो चुके थे और पिछले दो वर्षों से दोनों के बीच घरेलू बातों को लेकर अक्सर विवाद होता रहता था। जानकारी के अनुसार, महमूद भाटी और उनकी पत्नी मेहराज बानो के बीच सोमवार सुबह किसी मामूली बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और गुस्से में आकर महमूद ने घर में रखे चाकू से पत्नी पर हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और वटवा पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मृतका के भाई इकबाल शेख ने अपने बहनोई महमूद भाटी के खिलाफ हत्या की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 68 वर्षीय आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि दंपति के दो बेटे और एक बेटी हैं। घटना से परिवार के सदस्य गहरे सदमे में हैं। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। जांच में घरेलू विवाद के कारणों और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।



अहमदाबाद के ओढव में 34 लाख रुपये की लूट का खुलासा, तीन संदिग्ध गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के ओढव इलाके में हुई 34 लाख रुपये की बड़ी लूट के मामले में पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। स्थानीय अपराध शाखा क्षेत्र-8 की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लूट की वारदात में शामिल तीन मुख्य संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने मामले की आगे की जांच तेज कर दी है। वहीं, लूटी गई रकम की बरामदगी के प्रयास भी किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले ओढव पुलिस थाना क्षेत्र में अज्ञात लोगों ने करीब 34 लाख रुपये की लूट की वारदात को अंजाम दिया था। इतनी बड़ी रकम की लूट के बाद इलाके के व्यापारियों और स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल बन गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें लगाई गई थीं। जांच के दौरान स्थानीय अपराध शाखा क्षेत्र-8 की टीम ने गुप्त सूचनाओं, सीसीटीवी कैमरों की तस्वीरों और तकनीकी जानकारी के आधार पर संदिग्धों का पता लगाया। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि लूट की वारदात में अन्य लोग भी शामिल थे या नहीं और लूटी गई 34 लाख रुपये की रकम कहां रखी गई है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ के दौरान मामले से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण तथ्य भी सामने आ सकते हैं।



गोटा में निर्माण कार्य के दौरान बड़ा हादसा, आवासीय परिसर की सुरक्षा दीवार गहरे गड्ढे में गिरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के पॉश इलाके गोटा में वंदे मातरम रोड पर निर्माण कार्य के दौरान बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां स्थित शायोना तिलक-3 आवासीय परिसर की सुरक्षा दीवार अचानक पास की निर्माणाधीन इमारत के लिए खोदे गए गहरे गड्ढे में गिर गई। घटना के बाद परिसर में रहने वाले 100 से अधिक परिवारों में हड़कंप मच गया। अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित लोग तुरंत घरों से बाहर निकल आए। जानकारी के अनुसार, आवासीय परिसर के पास नई इमारत के निर्माण के लिए नींव की खुदाई की जा रही थी। आरोप है कि गहरी खुदाई के दौरान आसपास की इमारतों की नींव और जमीन को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी इंतजाम नहीं किए गए। इसके चलते परिसर के नीचे की मिट्टी खिसक गई और सुरक्षा दीवार ढहकर गड्ढे में जा गिरी। गनीमत रही कि घटना के समय दीवार के आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि नहीं हुई। हालांकि, दीवार गिरने के बाद परिसर के पार्किंग क्षेत्र और मुख्य इमारत की नींव की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। घटना के बाद स्थानीय निवासियों ने निर्माण कार्य कराने वाले बिल्डर और ठेकेदार के खिलाफ नाराजगी जताई। लोगों का आरोप है कि निर्माण में सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर निवासियों की जान जोखिम में डाली गई। स्थानीय पुलिस और नगर निगम को भी मामले की जानकारी दी गई है। निवासियों ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने, निर्माण स्थल की जांच कराने और तत्काल मजबूत सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है।



साधु के पवित्र वेश के पीछे छिपे पाखंड का पर्दाफाश

महानगर मेट्रो स्पेशल इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट

वायरल चैट और कॉल रिकॉर्डिंग ने खोली पोल

ट्रस्टियों और दलालों की मिलीभगत से चल रहा है पाखंड का काला कारोबार

कुसाधु सागरचंद्र सागर के काले कारनामों और करोड़ों की संपत्ति के खिलाफ जैन समाज में भारी रोष!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद / उज्जैन / पालिताना। अहिंसा, संयम, त्याग और पवित्रता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाले महाप्रभु भगवान श्री महावीर स्वामी के पवित्र उपदेशों और सिद्धांतों को आजकाल कुछ ढोंगी और कुसाधुओं ने अपनी लालसा संतुष्ट करने का साधन बना लिया है। धर्म और आस्था की आड़ में किए जाने वाले पापों की हद अब पार हो चुकी है। हाल ही में जैन समाज से एक बेहद शर्मनाक, झकझोर देने वाली और सनसनीखेज जानकारी सामने आई है, जिसमें साधु के पवित्र वेश में छिपे 'सागरचंद्र सागर' नामक कुसाधु के अनगिनत महिलाओं और साध्वियों के साथ कथित अनैतिक संबंधों एवं भ्रष्टाचार के काले पन्नों का पर्दाफाश हुआ है।

पवित्र वेश की आड़ में अनीति का खेलः अनगिनत जिंदगियां बर्बाद करने का गंभीर आरोप

साधु या संत का जीवन यानी सर्वस्व त्याग और पवित्रता का प्रतीक। परंतु सागरचंद्र सागर ने साधु के वेश को कलंकित करते हुए न जाने कितनी भोली महिलाओं और साध्वियों के साथ अनैतिक संबंध स्थापित किए होने के गंभीर और विस्फोटक आरोप लग रहे हैं। धर्म की ताकत और भोली जनता की श्रद्धा का दुरुपयोग करके इस कुसाधु ने कई परिवारों और युवतियों की जिंदगी बर्बाद कर दी है। इतने बड़े और गंभीर आरोप लगने के बावजूद आज दिन तक सागरचंद्र सागर खुद मीडिया या जनता के सामने आकर स्पष्टीकरण देने की हिम्मत नहीं जुटा पाए हैं, जो उनकी अपराध भावना और आपराधिक मानसिकता की गवाही देता है।

वायरल कॉल रिकॉर्डिंग और फोटो का सचः 'अगर फोटो फेक थे, तो बातचीत करने की क्या जरूरत थी?'

यह घोटाला तब और उजागर हुआ जब इस कुसाधु की एक महिला मित्र के साथ कथित कॉल रिकॉर्डिंग और अशील फोटो-व्हाट्सएप चैट के सबूत वायरल हुए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि ये सभी फोटो और बातें बिल्कुल गलत या फेक थीं, तो उस महिला के साथ सागरचंद्र सागर को बात करने की जरूरत ही क्यों पड़ी? 'फोटो कैसे वायरल हो गए?' ऐसा सवाल पूछने वाले इस कुसाधु के शब्द ही साबित करते हैं कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। फोन सेक्स और आपत्तिजनक न्यूज़-फोटो की खबरें सामने आने के बाद भी उसका धर्मगुरु होने का मुखौटा उतर गया है, फिर भी वह जरा भी शर्म महसूस नहीं कर रहा है।

ट्रस्टियों की मिलीभगत और दान के करोड़ों रुपयों की काली कमाई

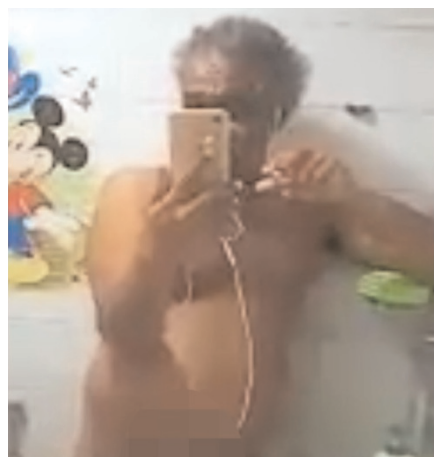
ऐसे कुसाधुओं को बचाने और पनाह देने का पाप कुछ स्वार्थी तत्व कर रहे हैं। सागर समुदाय से जुड़े कुछ विशेष संघों और अहंकारी जिनालयों के ट्रस्टी इस पाखंड में पूरी तरह भागीदार हैं। धर्मस्थलों में श्रद्धालुओं द्वारा दिए जाने वाले दान और भेंट-उपहारों के करोड़ों रुपयों का हिसाब-किताब गोलमाल करके इन ट्रस्टियों और सागरचंद्र सागर के बीच बांटा जाता है। दान के इन पवित्र पैसों से इस कुसाधु ने ऐशो-आराम और अय्याशी भरी जिंदगी शुरू की है। धर्म के नाम पर जनता को लूटकर करोड़ों रुपए की बेनामी संपत्ति और साम्राज्य खड़ा किया गया है। इस पूरे काले कारोबार को छुपाने के लिए मीडिया कन्वीनर 'अभय चोपड़ा' और उनके जैसे कुछ दलाल तथा स्वार्थी लोग सक्रिय रूप से काम में लगे हुए हैं, जो पैसों के लालच में इस कुसाधु के महापापों पर पर्दा डालने का काम कर रहे हैं।

भगवान महावीर के उपदेशों का अपमानः मंदसौर में चल रहे प्रवचनों का बहिष्कार करो!

फिलहाल यह कुसाधु मध्य प्रदेश के मंदसौर इलाके में अपने प्रवचन चला रहा है। जिस मंच से सत्य और अहिंसा के पाठ पढ़ाने चाहिए, वहां बैठकर यह कुसाधु प्रवचन में सामने बैठी भोली महिलाओं और श्रद्धालुओं को किस नजर से देखता होगा, यह कल्पना करने मात्र से भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। प्रवचन देने वाला खुद चरित्रहीन हो, तो वह समाज को क्या दिशा दे सकता है? जैन समाज और धर्मप्रेमियों के लिए यह बेहद आत्मचिंतन का समय है। जो व्यक्ति समाज और संत परंपरा को कलंकित कर रहा है, उसे पनाह देने वाले ट्रस्टियों और संगठनों को भी बेनकाब करना अनिवार्य है।

समरे जैन समाज को सिंहगर्जना जैसा आह्वानः अब मौन धारण करने का समय नहीं!

'महानगर मेट्रो' के माध्यम से समस्त जैन समाज, युवा वर्ग और धर्मप्रेमियों से एक सख्त और सीधी अपील है किः जहां कहीं भी इस कुसाधु सागरचंद्र सागर के प्रवचन या शिविर आयोजित हों, वहां उसका उग्र विरोध करें और उसका पूर्ण बहिष्कार करें। ऐसे पाखंडियों को किसी भी प्रकार का दान या आर्थिक सहायता देना तुरंत बंद करें। इस कुसाधु को तत्काल प्रभाव से साधु का पवित्र वेश त्याग देना चाहिए और आम इंसान की तरह जिंदगी बितानी चाहिए, क्योंकि इसे साधु कहना असली संतों का अपमान है। जो ट्रस्टी या मीडिया कन्वीनर (अभय चोपड़ा जैसे लोग) इस कुसाधु को बचाने का प्रयास कर रहे हैं, उन्हें भी समाज से बहिष्कृत किया जाना चाहिए। यदि अब भी हम चुप रहे, तो आने वाली पीढ़ी हमें कभी माफ नहीं करेगी। भगवान महावीर के शुद्ध और पवित्र धर्म को इस कलंक से मुक्त कराने के लिए अब हर सच्चे जैन को सड़कों पर उतरकर ऐसे कुसाधुओं के खिलाफ बुलंद आवाज उठानी ही होगी!



अंधविश्वास या कोई बड़ी साज़िश?

कंकू, चावल और गेहूं के पैकेट फेंकने के बाद चाय की केतली में सिलेंडर ब्लास्ट!

बाजवा-करचिया रोड पर मची अफ़रा-तफ़री, टला बड़ा हादसा; अज्ञात युवक की तलाश तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर से एक बहुत ही चौंकाने वाली और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शहर के बाजवा-करचिया रोड पर एक साधारण चाय की केतली में हुई इस घटना से पूरे इलाके में भारी हंगामा और सनसनी फैल गई है। केतली जलकर राख हो गई है और आसपास के लोगों में डर का माहौल फैल गया है।

क्या है पूरी रहस्यमयी घटना?

मिली जानकारी के मुताबिक, बाजवा-करचिया रोड पर एक चाय की केतली के पास अचानक कुछ संदिग्ध हरकत देखी गई। किसी अनजान आदमी ने वहां पूजा का पानी या पूजा का सामान जैसे कंकू, चावल और गेहूं के पैकेट फेंके थे। इस अंधविश्वास या संदिग्ध हरकत के कुछ ही पलों में चाय की केतली पर रखा गैस सिलेंडर फट गया। सिलेंडर ब्लास्ट इतना भयानक था कि पूरी केतली में पल भर में आग लग गई और वह पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। धमाके की आवाज़ सुनकर आस-पास के लोग अपने घरों से बाहर भागे और सड़क पर भारी ट्रैफिक और हंगामा हो गया।



खुशकिस्मती से, एक बड़ा हादसा टल गया, लेकिन कई सवाल अभी भी बाकी हैं!

इस भयानक धमाके में चाय की केतली और उसमें रखा सामान पूरी तरह से जल गया, लेकिन अच्छी बात यह है कि इस भयानक धमाके में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। अगर यह घटना रात में या ज़्यादा भीड़-भाड़ वाले समय में हुई होती, तो बड़ी जान-माल का नुकसान हो सकता था। फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

CCTV फुटेज जांच में अहम

क्या यह घटना सिर्फ एक आम हादसा थी या कोई सोची-समझी साज़िश या अंधविश्वास की आड़ में किया गया जानलेवा काम? इसे लेकर कई बहसें शुरू हो गई हैं। जब घटनास्थल के आसपास लगे CCTV कैमरों की जांच की गई, तो एक अनजान युवक संदिग्ध तरीके से चावल और एक थैला फेंकता हुआ दिखा। इस गंभीर मामले की गंभीरता को देखते हुए, वडोदरा पुलिस ने तुरंत CCTV फुटेज के आधार पर अनजान युवक की गहन जांच शुरू कर दी है। लेकिन इस रहस्यमयी घटना ने वडोदरा के लोगों को हिलाकर रख दिया है।

सूरत नगर निगम की बैठक में 750 रुपये किलो के 'बिना तेल वाले भजिये' पर विवाद

महापौर के बयान से बढ़ी चर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। हीरे और कपड़ा उद्योग के लिए प्रसिद्ध सूरत शहर में इन दिनों नगर निगम की एक बैठक में परोसे गए भजिये चर्चा का विषय बने हुए हैं। मामला 750 रुपये प्रति किलोग्राम की कीमत वाले बिना तेल के भजियों से जुड़ा है। आरोप है कि नगर निगम की महत्वपूर्ण बैठक के दौरान इन भजियों का ऑर्डर दिया गया और इसका भुगतान सरकारी खजाने से किया गया। मामला सामने आने के बाद नगर निगम के खर्च और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, बैठक में परोसे गए भजियों की कीमत 750 रुपये प्रति किलो बताई गई है। आमतौर पर बाजार में भजिये इससे काफी कम कीमत पर उपलब्ध होते हैं। ऐसे में इतनी अधिक कीमत पर भजिये मंगवाने को लेकर लोगों ने सवाल उठाए हैं। विवाद बढ़ने पर महापौर ने सफाई देते हुए कहा कि ये बिना तेल वाले भजिये थे और अच्छी गुणवत्ता का भोजन परोसना कोई अपराध नहीं है। हालांकि, महापौर के इस जवाब के बाद विवाद थमने के बजाय और चर्चा में आ गया। लोगों का कहना है कि मुद्दा भोजन की गुणवत्ता का नहीं, बल्कि सरकारी धन से किए गए खर्च की उचित दर और पारदर्शिता का है। यदि वास्तव में इतनी कीमत चुकाई गई है तो इसका स्पष्ट हिसाब सार्वजनिक किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया पर भी इस मामले को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। लोग व्यंग्य करते हुए पूछ रहे हैं कि आखिर इन बिना तेल वाले भजियों में ऐसा क्या खास था कि उनकी कीमत 750 रुपये किलो पहुंच गई।

राजकोट के सराज़ा होटल शराबकांड में नया मोड़, जमानत पर छूटे आरोपियों के वीडियो वायरल होने से मचा हंगामा

कालावाड़ रोड स्थित होटल में जन्मदिन की पार्टी के दौरान पकड़े गए थे 76 से अधिक लोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। गुजरात के राजकोट में कालावाड़ रोड स्थित सराज़ा होटल में सामने आए शराबकांड का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। इस मामले में जमानत पर रिहा हुए आरोपियों के कुछ वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित होने के बाद विवाद बढ़ गया है। इन वीडियो को लेकर स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई है और पुलिस की कार्रवाई तथा जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सराज़ा होटल में छापेमारी की थी। बताया गया कि जन्मदिन की पार्टी की आड़ में होटल में शराब और हुक्के की महफिल चल रही थी। कार्रवाई के दौरान आयोजकों, मेहमानों और होटल कर्मचारियों सहित 76 से अधिक लोगों को पकड़ा गया था। पुलिस ने संबंधित लोगों की चिकित्सकीय जांच भी करवाई थी और रक्त के नमूने लिए थे। मामले में कानूनी कार्रवाई के बाद कुछ आरोपियों को जमानत मिल गई। इसके बाद उनके वीडियो सामने आने से मामला फिर गरमा गया। लोगों का सवाल है कि इतनी बड़ी कार्रवाई के बावजूद आरोपियों के व्यवहार में कानून का भय दिखाई क्यों नहीं दे रहा है। फिलहाल, आरोपियों के वायरल वीडियो और पुलिस की भूमिका को लेकर मामला चर्चा में है। लोगों की नजर अब पुलिस के आगामी रुख और जांच की प्रगति पर टिकी हुई है।



नरोल में होमगार्ड जवान पर युवक की पिटाई का आरोप, पुलिस ने दर्ज किया मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के नरोल पुलिस थाना क्षेत्र में होमगार्ड जवान पर वर्दी और पद का रौब दिखाकर एक युवक के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि युवक और होमगार्ड जवान के बीच आर्थिक लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद को सुलझाने के बहाने जवान ने युवक को मिलने के लिए बुलाया और कथित तौर पर उसके साथ मारपीट कर दी। मामले में नरोल पुलिस ने अपने ही थाने में तैनात होमगार्ड जवान के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, आर्थिक विवाद को लेकर होमगार्ड जवान युवक पर लगातार दबाव बना रहा था। आरोप है कि उसे परेशान करने के साथ धमकियां भी दी जा रही थीं।



उमेटा पुल जानलेवा छलांगों का 'केंद्र' बन गया है

एक और युवक नदी में कूदा; सिर्फ एक हफ्ते में तीन लोगों की मौत ने सुरक्षा पर खड़े किए गंभीर सवाल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। जिले के कुख्यात उमेटा पुल पर एक और बेहद दुखद और चौंकाने वाली घटना घटी है। एक और युवक द्वारा पुल से नदी में कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की खबर से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि सिर्फ एक हफ्ते के भीतर, इस पुल से कूदकर तीन लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। इस स्थिति ने लोगों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है और प्रशासन की कार्यप्रणाली तथा पुल पर मौजूद सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिर्फ सात दिनों में तीन युवाओं की आत्महत्या से पूरा इलाका स्तब्ध

रिपोर्टों के अनुसार, उमेटा पुल आत्महत्या के लिए एक 'प्रमुख स्थान' के रूप में कुख्यात होता जा रहा है। पिछले एक हफ्ते में यह तीसरी ऐसी घटना है, जहां किसी ने पुल से नदी में कूदकर अपनी जान दे दी है। इन लगातार हो रही गंभीर घटनाओं ने स्थानीय निवासियों, प्रशासन और पुलिस को गहरी चिंता में डाल दिया है। इन त्रासदियों ने मृतकों के परिवारों को गहरे सदमे और दुख में धकेल दिया है, और पूरा इलाका शोक में डूबा हुआ है। इस तरह की गंभीर घटनाओं के लगातार होने के बावजूद, न तो स्थानीय प्रशासन और न ही सड़क एवं भवन विभाग ने कोई सख्त कदम उठाया है। अब तक, पुल पर लोहे की रेलिंग की ऊंचाई बढ़ाने या सुरक्षा जाली लगाने जैसा कोई ठोस काम नहीं किया गया है। इस पुल से हर दिन हजारों वाहन और पैदल यात्री गुजरते हैं, लेकिन यहां सुरक्षा के नाम पर कुछ भी नहीं है– जिसके कारण लोगों को अपनी जान जोखिम में डालकर यहां से गुजरना पड़ता है। प्रशासन के इस लापरवाह रवैये के कारण स्थानीय नागरिकों और समुदाय के नेताओं में भारी गुस्सा और नाराजगी है। लोग पूछ रहे हैंः क्या प्रशासन किसी और बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है? अगर उमेटा पुल पर तुरंत पुलिस की सख्त तैनाती, सीसीटीवी कैमरे, और ऊंची सुरक्षा दीवारें या सुरक्षा जाली नहीं लगाई गई, तो आने वाले दिनों में और भी बेगुनाह लोगों की जान जा सकती है। घटना की जानकारी मिलने पर, स्थानीय पुलिस और तैराकों की एक टीम ने तुरंत नदी में कूदे युवक की तलाश शुरू कर दी; हालाँकि, इस घटना ने पूरे जिले में सुरक्षा व्यवस्था की भारी कमियों को उजागर कर दिया है।



वलसाड में पैसों की बारिश और धन दोगुना करने का झांसा देकर 19 लाख की ठगी, तीन आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



वलसाड। गुजरात के वलसाड जिले में अंधविश्वास और धन दोगुना करने का लालच देकर ठगी करने का मामला सामने आया है। नकली अघोरी बाबा बनकर आए एक गिरोह ने बुजुर्ग को पैसों की बारिश कराने और कुछ ही समय में उनकी रकम दोगुनी करने का झांसा देकर 19 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली। मामले में वलसाड साइबर अपराध पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महीसागर जिले से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें गिरोह का मुख्य आरोपी महबूब भी शामिल है। जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने बुजुर्ग से संपर्क कर चमत्कार के जरिए धन प्राप्त कराने और विशेष पूजा-पाठ से उनकी रकम दोगुनी करने का दावा किया। धीरे-धीरे उन्होंने बुजुर्ग का विश्वास जीत लिया और पूजा सामग्री, धार्मिक अनुष्ठान तथा अन्य प्रक्रियाओं के नाम पर अलग-अलग किश्तों में रुपये मांगने शुरू कर दिए। आरोपियों के झांसे में आकर बुजुर्ग ने ऑनलाइन माध्यम से 19 लाख रुपये से अधिक की रकम उनके बताए बैंक खातों में भेज दी। काफी समय बीतने के बाद भी जब न तो रकम दोगुनी हुई और न ही आरोपियों ने पैसे लौटाए, तब बुजुर्ग को ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद उन्होंने साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और तकनीकी साक्ष्यों की जांच शुरू की। इसके बाद महीसागर जिले में कार्रवाई कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से मोबाइल फोन और सिम कार्ड सहित अन्य सामग्री जब्त की है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि पैसों की बारिश, चमत्कार या धन दोगुना करने के दावों पर भरोसा न करें और अनजान लोगों के खातों में रुपये जमा न करवाएं।

नाबालिग के अपहरण मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार, गांधीधाम पुलिस ने बनासकांठा से दबोचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



गांधीधाम। पूर्वी कच्छ के गांधीधाम में नाबालिग लड़की के अपहरण के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गांधीधाम 'बी' डिवीजन पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे 22 वर्षीय आरोपी विजय सुरेशभाई श्रीमाली को बनासकांठा जिले के भिलड़ी से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने मामले की आगे की जांच तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार, 20 सितंबर 2026 को गांधीधाम के कार्गो क्षेत्र स्थित बापा सीतारामनगर झुग्गी बस्ती से एक शिकायतकर्ता की नाबालिग बेटी का अपहरण हो गया था। घटना के संबंध में गांधीधाम 'बी' डिवीजन पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया गया था। शिकायत मिलते ही पुलिस ने तलाश शुरू की और नाबालिग लड़की को सुरक्षित बरामद कर लिया, लेकिन मुख्य आरोपी विजय श्रीमाली पुलिस की पकड़ से बाहर था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस निरीक्षक जे.एम. वाला और उपनिरीक्षक एल.एन. वधिया के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी निगरानी और मुखबिरों से मिली सूचनाओं के आधार पर आरोपी की तलाश जारी रखी। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी बनासकांठा जिले के डीसा तालुका के भिलड़ी क्षेत्र में छिपा हुआ है। इसके बाद पुलिस टीम ने वहां पहुंचकर निगरानी की और कार्रवाई करते हुए विजय श्रीमाली को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि अपहरण की घटना में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था या नहीं।

नरोल में होमगार्ड जवान पर युवक की पिटाई का आरोप, पुलिस ने दर्ज किया मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। पिछले कुछ सालों से राजकोट और राज्य के दूसरे बड़े शहरों की हाई-प्रोफाइल शराब पार्टियों और होटल कल्चर में एक नई और खतरनाक चीज़ चर्चा के सेंटर में आ गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए कुछ वीडियो और अफवाहों के बाद दावा किया जा रहा है कि लड़कियों और लड़कों में 'फीमेल जेली' नाम के एक प्रोडक्ट का क्रेज़ तेज़ी से बढ़ रहा है। शराब पार्टियों में सेक्स बढ़ाने वाली इस जेली के इस्तेमाल को लेकर अब कई सवाल उठने लगे हैं।

इस 'फीमेल जेली' के पीछे असली मैथ क्या है?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, नाइट पार्टियों और होटलों में प्राइवेट तौर पर बेची जाने वाली इस जेली को लड़कियों की सेक्सुअल अराउज़ल या फिजिकल एबिलिटी बढ़ाने वाली दवा बताकर सर्व किया जाता है। लेकिन इसके पीछे का कड़वा सच कुछ और ही है। डॉक्टरों और साइंस एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बिना किसी मेडिकल सलाह के ऐसे सप्लीमेंट्स या जेली का इस्तेमाल करना जान से खेलने जैसा है। ब्लड प्रेशर में अचानक बड़े उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। दिमाग की नसों पर ज़्यादा दबाव पड़ने से बेहोशी या स्ट्रोक आ सकता है। लिवर और किडनी पर परमानेंट साइड इफ़ेक्ट हो सकते हैं। शराब के साथ इस तरह का मिक्सचर इंसान का शारीरिक और मानसिक संतुलन खो देता है, जो सुरक्षा के लिहाज़ से भी बहुत खतरनाक है। युवाओं और पेरेंट्स के लिए रेड लाइट जब राजकोट जैसे शहरों में होटल कल्चर और प्राइवेट पार्टियों का क्रेज़ बढ़ गया है, तो ऐसी वायरल चीज़ों के पीछे आँख बंद करके भागना किसी बड़ी मुसीबत को न्योता देने जैसा है। पार्टी भले ही मज़े के लिए हो, लेकिन अनजान वायरल चीज़ों के पीछे अंधाधुंध भागना युवाओं का भविष्य और सेहत बर्बाद कर रहा है। समय की मांग है कि सिस्टम भी ऐसे गैर-कानूनी केमिकल और जेली बेचने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन ले।



उत्तर प्रदेश को बड़ी सौगातः दिल्ली-गुवाहाटी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को मंजूरी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया ऐलान; बोले- बुलेट ट्रेन का किराया हवाई यात्रा से भी कम होगा, यह अमीरों के साथ-साथ गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए भी...

महानगर मेट्रो ब्यूरो



वाराणसी/कानपुर। उत्तर भारत के रेल बुनियादी ढांचे में एक नया अध्याय जोड़ते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली से गुवाहाटी तक जाने वाले नए 'उत्तरी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर' को मंजूरी दे दी है। इसके शुरू होने से उत्तर प्रदेश में बुलेट ट्रेन की कनेक्टिविटी मिलेगी। काशी रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों और नमो गंगा रेल सह सड़क पुल के निरीक्षण के दौरान रेल मंत्री ने बताया कि उत्तरी कॉरिडोर बनने के बाद दिल्ली से आगरा की दूरी महज 59 मिनट, दिल्ली से कानपुर 1 घंटा 59 मिनट, दिल्ली से लखनऊ 2 घंटे 12 मिनट और काशी से दिल्ली का सफर केवल 3 घंटे 35 मिनट में पूरा होगा। वहीं काशी से पटना का सफर महज 1 घंटे का रह जाएगा। विपक्ष के दावों को खारिज करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि बुलेट ट्रेन सिर्फ अमीरों के लिए नहीं, बल्कि गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए है, और इसका किराया फ्लाइट्स (हवाई यात्रा) से भी कम होगा।

यूपी की पहली 'वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस' को हरी झंडी

रेल आधुनिकीकरण के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संयुक्त रूप से बनारस रेलवे स्टेशन से बनारस-नई दिल्ली 'वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह देश की दूसरी और उत्तर भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन है।

कानपुर सेंट्रल पर हुआ भव्य स्वागत

कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेन के आगमन पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहाँ राज्य मंत्री राकेश सचान, राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला और सांसद रमेश अवस्थी समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने ट्रेन का स्वागत किया।

व्यापार को मिलेगी गतिः कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा कि कानपुर में इस ट्रेन के ठहराव से उद्यमियों और व्यापारियों को दिल्ली और वाराणसी के बीच सीधी व आधुनिक कनेक्टिविटी मिलेगी। उन्होंने कानपुर को बुलेट ट्रेन रूट में शामिल करने के लिए धन्यवाद दिया। महिलाओं व **परिवारों के लिए आरामदायकः** राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला और सांसद रमेश अवस्थी ने इसे कानपुर के लिए बड़ी सौगात बताते हुए कहा कि यह रात्रिकालीन यात्रा को अधिक सुरक्षित और आरामदायक बनाएगी। अपर मंडल रेल प्रबंधक (सामान्य) दीपक कुमार ने बताया कि यह वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस आधुनिक तकनीक, आरामदायक स्लीपर बर्थ, बेहतर इंटीरियर, सुरक्षा उपकरणों और आपातकालीन संचार व्यवस्था से लैस है, जो रात्रिकालीन यात्रियों के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी।

36 से अधिक ऐप, 19 विषयों की जानकारी और अनगिनत ऑनलाइन जिम्मेदारियां... आखिर बच्चों को पढ़ाएगा कौन?

महानगर मेट्रो ब्यूरो



साल्हेवारा। शिक्षा व्यवस्था को डिजिटल और आधुनिक बनाने की पहल अपनी जगह उचित है, लेकिन जब एक शिक्षक का अधिकांश समय बच्चों को पढ़ाने के बजाय तरह-तरह के ऐप, पोर्टल, ऑनलाइन एंट्री और सर्वे कार्यों में बीतने लगे, तो शिक्षा की गुणवत्ता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। शिक्षकों की व्यथा है कि वर्तमान में उन्हें लगभग 36 प्रकार के ऐप और पोर्टल पर अलग-अलग जानकारियां अपलोड करनी पड़ रही हैं। इनमें एमडीएम, वीएसके, दिव्यांग बच्चों की जानकारी, बीटीसी पाठ्यपुस्तक, गणवेश, खेलकूद, इको क्लब, नेलनार, छात्रवृत्ति पोर्टल, यू-डाइस, सीजी स्कूल, आधार एवं अपार आईडी, वीर गाथा, स्वच्छ भारत, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक सहित अनेक गतिविधियों की रिपोर्टिंग शामिल है। इतना ही नहीं, विद्यालय की भौगोलिक स्थिति, जलवायु, पेयजल, किचन गार्डन, प्रार्थना सभा, मोर बिजली, स्वच्छता सप्ताह, चिरायु टीम, स्वास्थ्य विभाग, हाथीपांव एवं एल्बेंडाजोल जैसी गतिविधियों की जानकारी भी समय-समय पर ऑनलाइन दर्ज करनी होती है। वहीं एफएलएन के अंतर्गत लगभग 19 विषयों की जानकारी, दो शिक्षकों से संबंधित विवरण, न्योता भोज, मध्यान्ह भोजन की संपूर्ण जानकारी, रसोइया एवं स्वीपर का रिकॉर्ड भी शिक्षकों की जिम्मेदारियों में शामिल है। इसके अतिरिक्त गांव-गांव में अलग-अलग सर्वे, समतुल्यता, साक्षर भारत, निपुण भारत अभियान जैसे कार्य भी लगातार संचालित होते रहते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इन तमाम जिम्मेदारियों के बीच पाठ्यक्रम पूरा करना, बच्चों का व्यक्तिगत शैक्षणिक मूल्यांकन करना, कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देना और अभिभावकों से संवाद करना भी उन्हीं की जिम्मेदारी है। ऐसे में सवाल उठता है कि शिक्षक आखिर बच्चों को पढ़ाने के लिए समय कब निकालें? अब समय आ गया है कि शिक्षा विभाग इस गंभीर विषय पर संवेदनशीलता से विचार करे और शिक्षकों को डिजिटल औपचारिकताओं के बोझ से मुक्त कर वास्तविक शिक्षण कार्य के लिए पर्याप्त समय दे।

दीवाली पर गुजरात सरकार का फैसला, 143 कैदियों को मिलेगी 15 दिन की विशेष पैरोल

महानगर मेट्रो ब्यूरो



गांधीनगर। दीपावली के त्योहार को देखते हुए गुजरात सरकार ने जेलों में सजा काट रहे कैदियों को लेकर विशेष फैसला किया है। सरकार ने राज्य की विभिन्न जेलों में बंद 143 पात्र कैदियों को 15 दिन की विशेष पैरोल देने का निर्णय लिया है। इस फैसले के तहत कैदी त्योहार के दौरान अपने परिवार के साथ समय बिता सकेंगे और दीपावली सहित अन्य पर्व घर पर मना सकेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, पैरोल के लिए चयनित कैदियों को 6 नवंबर 2026 को धनतेरस के अवसर पर जेल से रिहा किया जाएगा। उन्हें 15 दिन की अवधि के बाद निर्धारित समय पर संबंधित जेल में वापस उपस्थित होना होगा। इस फैसले का लाभ पाने वालों में 103 पुरुष और 40 महिला कैदी शामिल हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पुरुष कैदियों में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के कैदियों को शामिल किया गया है। वहीं, 40 महिला कैदियों को भी परिवार के साथ त्योहार मनाने का अवसर मिलेगा। हालांकि, यह सुविधा सभी कैदियों के लिए नहीं है। गंभीर और जघन्य अपराधों में दोषी ठहराए गए कैदियों को इस विशेष पैरोल से बाहर रखा गया है। इनमें आतंकवादी गतिविधियों, देशद्रोह, पॉक्सो अधिनियम के तहत अपराध, सामूहिक हत्या और अन्य गंभीर संगठित अपराधों से जुड़े दोषी शामिल हैं। इसके अलावा, कैदियों का जेल में आचरण और निर्धारित पात्रता शर्तें भी ध्यान में रखी गई हैं। सरकार के इस फैसले से पात्र कैदियों को अपने परिवारों के साथ दीपावली मनाने का अवसर मिलेगा। साथ ही, इसे कैदियों के पुनर्वास और सामाजिक जीवन से दोबारा जुड़ने की दिशा में एक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा की भारत यात्रा का राजनांदगांव में भव्य स्वागत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



राजनांदगांव। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा की ओर से सामाजिक एकता, जागरूकता और संगठनात्मक मजबूती के उद्देश्य से निकाली गई भारत यात्रा का राजनांदगांव पहुंचने पर भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। सात राज्यों में सात संकल्पों के साथ निकली 12 दिवसीय इस यात्रा का समापन 31 अक्टूबर को नागपुर में हुआ। यात्रा के दौरान विभिन्न राज्यों में सामाजिक एकता और संगठन के विस्तार का संदेश दिया गया। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष श्री प्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में यात्रा सारथी आनंद गुप्ता जी,जितेंद्र साहू ,सुनील गुप्ता के साथ यह यात्रा निकाली गई। यात्रा दल 30 अक्टूबर को सुबह रायपुर और शाम को राजनांदगांव पहुंचने पर समाजजनों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया। राजनांदगाँव में स्वागत समारोह राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष रेखा दिनेश साहू जिला अध्यक्ष श्रद्धा नीरज साहू सचिव रोशनी आनंद साहू कोषाध्यक्ष कीर्ति गिरीश साहू एवं समस्त कार्यकारिणी समिति के सहयोग से यह कार्यक्रम ढोल नगाड़े के साथ पूरे हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इसके पश्चात यात्रा दल नागपुर के लिए रवाना हुआ जहां 31 अक्टूबर को यात्रा का विधिवत नागपुर में समापन हुआ। राजनांदगांव में आयोजित स्वागत समारोह का विशेष मानव मंदिर वैश्य साहू परिवार एवं सीताराम वैश्य साहू परिवार की संयुक्त सहभागिता रही। दोनों परिवारों की महिला समितियों ने मिलकर कार्यक्रम का आयोजन किया और यात्रा में शामिल पदाधिकारियों एवं सदस्यों का पारंपरिक तरीके से अभिनंदन किया।

आदिवासी फंड में गड़बड़ी करने वाले महलों में रह रहे, चैतर वसावा जेल में बंदः प्रवीण राम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में आदिवासी समुदाय के अधिकारों और विधायक चैतर वसावा की गिरफ्तारी को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश नेता प्रवीण राम ने सत्ताधारी भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि आदिवासी समुदाय के विकास के लिए आने वाले करोड़ों रुपये के अनुदान में गड़बड़ी करने वाले लोग आज आलीशान महलों में रह रहे हैं, जबकि आदिवासियों के अधिकारों की आवाज उठाने वाले विधायक चैतर वसावा जेल में बंद हैं। प्रवीण राम ने कहा कि आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए मिलने वाले सरकारी धन के कथित दुरुपयोग पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों पर आदिवासी विकास के लिए आए फंड में गड़बड़ी करने के आरोप हैं, उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। दूसरी ओर, जल, जंगल और जमीन पर आदिवासियों के अधिकारों की आवाज उठाने वाले चैतर वसावा को कानूनी मामलों में फंसाकर जेल भेज दिया गया है।

डाकोर में पुलिस से बचने के लिए पुल से कूदा बकरी चोरी का संदिग्ध, गंभीर रूप से घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डाकोर। खेड़ा जिले के तीर्थनगरी डाकोर में बकरी चोरी के संदेह में पुलिस कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति के पुल से छलांग लगाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि पुलिस से बचने के प्रयास में उसने यह कदम उठाया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में हलचल मच गई। जानकारी के अनुसार, डाकोर पुलिस की टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को एक संदिग्ध वाहन दिखाई दिया, जिसके बकरी चोरी से जुड़े होने की आशंका थी। पुलिस ने वाहन को रोकने का प्रयास किया तो उसमें सवार लोग घबरा गए। इसी दौरान गिरफ्तारी के डर से एक व्यक्ति ने पुल से छलांग लगा दी। ऊंचाई से गिरने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके से दो संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया और उनसे पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वाहन का बकरी चोरी की घटनाओं से क्या संबंध है और इस मामले में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं। मामले की जांच जारी है।

जामनगर में 13 वर्षीय बच्ची के साथ यौन शोषण का मामला, दो बुजुर्ग आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जामनगर। शहर में 13 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ यौन शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में दो बुजुर्गों पर बच्ची का बार-बार यौन शोषण करने का आरोप है। मामले का खुलासा उस समय हुआ, जब बच्ची ने एक बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद परिवार को पूरी घटना की जानकारी मिली और उन्होंने पुलिस से शिकायत की। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, दोनों आरोपी बच्ची के ही इलाके में रहते।

अहमदाबाद में नकली पुलिस अधिकारी बनकर ठगी, तीन लोगों से 47,500 रुपये ऐंठे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में पुलिस अधिकारी बनकर लोगों से ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने पुलिस की पहचान का गलत इस्तेमाल कर व्यापारियों और आम नागरिकों को अपना शिकार बनाया। खोखरा पुलिस थाने में अल्केश परमार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि उसने तीन अलग-अलग लोगों से करीब 47,500 रुपये की ठगी की है।

दिवाली से पहले भद्रकाली मंदिर के पास निगम की कार्रवाई का विरोध, रेहड़ी-पटरी वालों के समर्थन में उतरे पार्षद

अहमदाबाद नगर निगम के एस्टेट विभाग की कार्रवाई पर जताई नाराजगी, जमालपुर और खाडिया वार्ड के पार्षदों ने अधिकारियों को घेरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। दिवाली के त्योहार से पहले शहर के भद्रकाली मंदिर के पास सड़क किनारे दुकान लगाकर आजीविका चलाने वाले छोटे व्यापारियों और रेहड़ी-पटरी वालों पर अहमदाबाद नगर निगम के एस्टेट विभाग की कार्रवाई को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विभाग की टीम द्वारा दुकानदारों को हटाने और उनका सामान हटाने की कार्रवाई शुरू किए जाने के बाद स्थानीय स्तर पर विरोध तेज हो गया। दुकानदारों की रोजी-रोटी प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए जमालपुर और खाडिया वार्ड के पार्षद भी उनके समर्थन में मौके पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार, दिवाली के दौरान भद्र इलाके में कई छोटे दुकानदार अस्थायी दुकानें और ठेले लगाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। आरोप है कि त्योहार से ठीक पहले एस्टेट विभाग की टीम ने इन दुकानदारों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। इससे व्यापारियों में नाराजगी फैल गई और मौके पर विरोध की स्थिति बन गई। मामले की जानकारी मिलने पर जमालपुर वार्ड के पार्षद मुस्ताकभाई खादीवाला, सानिया नौमान पठान और डॉ. नजनीन ठाकोर तथा खाडिया वार्ड की पार्षद बिरजूबेन अल्पेशभाई ठक्कर और मीनाबेन संजयभाई नायक मौके पर पहुंचे। पार्षदों ने एस्टेट विभाग के अधिकारियों के सामने कार्रवाई का विरोध दर्ज कराया। पार्षदों का कहना था कि दिवाली के समय कई गरीब परिवारों की आजीविका इन्हीं छोटी दुकानों पर निर्भर रहती है। ऐसे में त्योहार से ठीक पहले उन्हें हटाने से परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने मांग की कि दुकानदारों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, ताकि त्योहार के दौरान वे अपना कारोबार कर सकें। पार्षदों और स्थानीय लोगों के विरोध के बाद मौके पर कार्रवाई रुकने की जानकारी सामने आई है। दुकानदारों की मांग है कि नगर निगम त्योहार के दौरान उन्हें राहत दे और उनकी आजीविका को ध्यान में रखते हुए उचित व्यवस्था करे। वहीं, पार्षदों ने चेतावनी दी है कि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो निगम के खिलाफ आगे भी विरोध किया जाएगा।

पाली जिले में 21 साल की स्टूडेंट बनी सरपंचः60 साल के बुजुर्ग भी जीते; कहीं 3 वोटों के अंतर से मिली जीत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। जिले की पाली, रोहट, देसूरी और बाली पंचायत समितियों की ग्राम पंचायतों में नवनिर्वाचित सरपंचों ने अपने समर्थकों के साथ शनिवार को जुलूस निकाला। इस दौरान कई पंचायतों में बंपर जीत दर्ज हुई तो वहीं कई जगह वोटों का अंतर इतना कम रहा कि मतगणना कक्ष में आखिरी समय तक सांसें थमी रहीं।पाली के रूपावास में सुगना बंजारा ने 5 वोटों से जीत दर्ज की। सुगना बंजारा को 957 वोट और श्रीदेवी पटेल को 952 वोट मिले। भारला (बाली) में वसु बाई मात्र 5 वोटों और दिवाण (रोहट) में विक्रम 7 वोटों से जीते।



21 साल की भावना बनीं सरपंच

पाली जिले की देसूरी पंचायत समिति के नवसृजित ग्राम पंचायत गांथी गांव की भावना मेघवाल 225 वोटों के अंतर से जीतकर सरपंच बनीं। भावना की उम्र 21 साल 1 महीना हैं। वह जिले की सबसे कम उम्र की सरपंच बनी हैं, जो बीएससी की स्टूडेंट हैं। उन्होंने कहा कि गांव का विकास करना ही उनका लक्ष्य है।

पर्यटकों के लिए नगरपालिका ने नक्की झील परिसर में नई सुविधाएं शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। नक्की झील किनारे लगाए डस्टबिन और बेंचमाउंट आबू दीपावली से पहले माउंट आने वाले पर्यटकों के लिए नगरपालिका ने नक्की झील परिसर में नई सुविधाएं शुरू की हैं।



पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य और आयुक्त त्रिकमदान चारण के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत झील क्षेत्र में जगह-जगह बेंचें लगाई हैं। स्वच्छता बनाए रखने के लिए डस्टबिन भी रखे गए हैं। झील किनारे बेंचें लगने से यहां घूमने आने वाले बुजुर्गों, परिवारों और अन्य पर्यटकों को आराम करने के लिए जगह मिलेगी। वहीं, डस्टबिन की सुविधा से पर्यटक कचरा निर्धारित स्थान पर डाल सकेंगे। इससे झील परिसर को साफ-सुथरा रखने में मदद मिलेगी। त्योहारी सीजन को लेकर तैयारियां : पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य और आयुक्त त्रिकमदान चारण ने बताया कि दीपावली के दौरान माउंट आबू में पर्यटकों की भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रमुख पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। आने वाले दिनों में पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा सहित अन्य नागरिक सुविधाओं को भी दुरुस्त किया जाएगा।

कर्मयोग से प्रशासनिक उत्कृष्टता का पाठ पढ़ेंगे अधिकारी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। प्रशासनिक कार्यों में नैतिकता, कार्यकुशलता और मानवीय मूल्यों के साथ आध्यात्मिक सोच का समावेश करने के उद्देश्य से ब्रह्माकुमारी संस्थान के मानसरोवर परिसर में चार दिवसीय 'कर्मयोग से प्रशासनिक उत्कृष्टता' रिट्रीट एवं प्रशिक्षण शुरू हुआ। प्रशासनिक सेवा प्रभाग की ओर से आयोजित इस प्रशिक्षण में भारत और नेपाल से आए प्रशासनिक अधिकारी एवं प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं।शुभारंभ समारोह में राजस्थान सरकार की पीडब्ल्यूडी, महिला एवं बाल विकास तथा बाल अधिकारिता विभाग की मंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने कहा कि प्रशासक की उत्कृष्टता केवल कार्यकुशलता से नहीं, बल्कि निष्पक्षता, संवेदनशीलता, नैतिकता और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता से तय होती है।मुख्य अतिथि डॉ. मंजू बाघमार ने कहा कि कर्मयोग सिखाता है कि पद से अधिकार मिलता है, जबकि सम्मान आचरण से कमाया जाता है। प्रशासन में व्यक्तिगत हित के बजाय सार्वजनिक हित, पारदर्शिता और निष्काम सेवा को प्राथमिकता देनी चाहिए।उन्होंने अपने 25 साल के अध्यापन अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रशासन की सफलता केवल नियमों और संसाधनों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उसे संचालित करने वाले लोगों की सोच और कार्य संस्कृति भी महत्वपूर्ण होती है।वंचित व्यक्ति को अवसर मिलना ही विकास का पैमाना डॉ. बाघमार ने कहा कि समाज की प्रगति का वास्तविक पैमाना यह है कि वंचित व्यक्ति को कितने अवसर मिल रहे हैं। प्रशासन में सामाजिक न्याय, लैंगिक संवेदनशीलता और समावेशी विकास को प्राथमिकता देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रशासन को तेज और पारदर्शी बना सकते हैं,

जयपुर में स्मैक की सप्लाई करने जा रहे दो युवक गिरफ्तार, कब्जे से 18 लाख का माल बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 लाख रुपए कीमत की स्मैक जब्त की है। जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने निवाई सदर थाना क्षेत्र में कार्रवाई कर दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 92 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में खुलासा हुआ कि दोनों आरोपी स्मैक की खेप लेकर जयपुर के सांगानेर में सप्लाई करने जा रहे थे। पुलिस अब इस तस्करी के पीछे सक्रिय नेटवर्क और सप्लाई चेन का पता लगाने में जुटी है।डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश के अनुसार, जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत डीएसटी टीम निवाई सदर थाना क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही थी। इस दौरान टीम ने एनबीसी फैक्ट्री के सामने निगरानी और नाकाबंदी के दौरान दो युवकों को संदिग्ध अवस्था में देखा। पुलिस टीम ने दोनों को घेरकर तलाशी ली तो उनके पास से 92 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जयराज बैरवा (23) पुत्र रामकिशन और विकास बैरवा (22) पुत्र बनवारी लाल के रूप में की है। दोनों आरोपी अलीपुरा गांव, थाना मेहंदवास क्षेत्र के निवासी हैं।



आबूरोड के ठेका सफाई कर्मचारियों की हड़तालः
मजदूरी बढ़ाने, छुट्टी और सुरक्षा उपकरणों की मांग

रविवार को पूरी छुट्टी, त्योहारों पर वेतन नहीं कटने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। नगर पालिका में ठेके पर काम करने वाले सफाई कर्मचारी मांगों पर सहमति नहीं बनने से 1 नवंबर से हड़ताल पर चले गए। इससे शहर की सफाई व्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका है। संगठन ने रोजाना 500 रुपए मजदूरी सहित कई मांगें रखी हैं।



हड़ताल की चेतावनी के बाद रविवार को काम बंद

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस ने पहले कहा था कि ठेकेदार सभी मांगें मानता है तो कर्मचारी काम जारी रखेंगे। सहमति नहीं बनने पर 1 नवंबर से हड़ताल की चेतावनी दी गई थी। इसके बाद कर्मचारी रविवार को हड़ताल पर चले गए। संगठन ने महंगाई को देखते हुए अस्थायी सफाई कर्मचारियों की मजदूरी और सुविधाओं को लेकर मांगें रखी थीं। संगठन ने प्रतिदिन 500 रुपए मजदूरी देने की मांग की है। इसमें PF और ESI की राशि शामिल करने की बात कही गई है। संगठन ने PF और श्रस्ठ की नियमित कटौती करने की मांग की है। कर्मचारियों को इसकी पूरी जानकारी देने की मांग भी रखी है। इसके साथ ही कर्मचारियों को हर महीने 1 से 5 तारीख के बीच वेतन देने की मांग रखी गई है।

रविवार को पूरी छुट्टी, त्योहारों पर वेतन नहीं कटने की मांग

अन्य मांगों में रविवार को पूरी छुट्टी शामिल है। सरकारी छुट्टी और त्योहारों की छुट्टी के दौरान वेतन नहीं काटने की मांग भी रखी गई है। वाल्मीकि समाज के सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ समाज में किसी की मृत्यु होने पर भी छुट्टी देने की मांग की गई है। कर्मचारियों ने मौसम के अनुसार सुरक्षा उपकरण देने की मांग भी रखी है।

कर्मचारियों ने कहा है कि हड़ताल होने पर उस अवधि का वेतन नहीं काटा जाए। संगठन के अनुसार नगर पालिका को हड़ताल की अवधि का भुगतान ठेकेदार को करना चाहिए। इससे कर्मचारियों को उनका वेतन मिल सके।

पालिका अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी से हस्तक्षेप की अपील

संगठन ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी और पालिका अध्यक्ष से जल्द हस्तक्षेप करने की अपील की है। संगठन ने मांगों पर जल्द फैसला लेने के लिए भी कहा है।

101 साल की सतरी बाई का लोकतंत्र के प्रति गजब का जज्बा, 2 दिन के कठिन पहाड़ी रास्ते को पार कर किया मतदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। आबूरोड पंचायत समिति के अंतर्गत माउंट आबू क्षेत्र की ओरिया ग्राम पंचायत में शनिवार को सरपंच और वार्डपंच पदों के लिए मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। इस दौरान युवाओं के साथ बुजुर्गों ने भी उत्साह से मतदान किया। लोकतंत्र के प्रति जज्बा ऐसा कि दुर्गम जंगल में बसे शेरगांव के मतदाता करीब 20 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर गुरु शिखर पहुंचे। इसके बाद वाहन से ओरिया मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। शेरगांव की 101 वर्षीय सतरी बाई सहित कुछ बुजुर्ग मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचने में दो दिन लगे।शेरगांव की 101 वर्षीय सतरी बाई पत्नी छतर सिंह ठीक से चलने और देखने में असमर्थ हैं, लेकिन मतदान करने की इच्छा ऐसी कि परिजनों ने उन्हें पालकी में बैठाकर दुर्गम वन मार्ग पार कराया और मतदान केंद्र तक पहुंचाया। सतरी बाई की यह यात्रा लोकतंत्र के प्रति उनकी अटूट आस्था की मिसाल बन गई। परिजनों के अनुसार, सतरी बाई ने मतदान करने की इच्छा जताई तो उनके पड़पौत्र देवी सिंह ने उन्हें मतदान केंद्र तक पहुंचाने की व्यवस्था की रविवार को घर के लिए निकलेंगी सतरी बाई शुक्रवार को सतरी बाई को पालकी में बैठाकर घने और दुर्गम जंगल से उतरज गांव ले जाया गया। वहां रात रुकने के बाद शनिवार सुबह फिर यात्रा शुरू की। दोपहर तक पालकी से गुरुशिखर पहुंचाया गया। इसके बाद वाहन से ओरिया ग्राम पंचायत के मतदान केंद्र तक लाया गया, जहां उन्होंने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। परिजन रात ओरिया में रुककर रविवार सुबह शेरगांव लौटने की तैयारी में हैं।दो दिन की यात्रा कर पहुंचे मतदाताशेरगांव के अन्य मतदाताओं ने भी मतदान के लिए दो दिन की यात्रा की। इनमें विजय सिंह, लाल सिंह , हरि सिंह, शंकर सिंह, मुकेश सिंह, तुलसी देवी, भूता सिंह, मोहन सिंह, धन सिंह, पप्पू सिंह उम्मेद सिंह और गुमान सिंह सहित अन्य मतदाता शामिल रहे।ओरिया उच्च माध्यमिक विद्यालय स्थित मतदान केंद्र पर सुबह से ही मतदाताओं की कतारें लगी रहीं। प्रत्याशियों के समर्थक और कार्यकर्ता दूरदराज के ग्रामीण इलाकों से मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने के प्रयास में जुटे रहे। पहली बार मतदान करने वाले युवाओं से लेकर बुजुर्गों और दिव्यांगजनों तक में मतदान को लेकर उत्साह दिखाई दिया।



बिलाड़ा के भावी में फर्जी वोटिंग विवाद के बाद बवाल

दोषियों के खिलाफ होगी कार्रवाई, SIT गठित; कई पुलिस अधिकारी-कॉन्स्टेबल घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जोधपुर के बिलाड़ा तहसील के भावी में मतदान प्रक्रिया स्थगित करने और शनिवार रात को हुए विवाद के बाद पुलिस एक्शन मोड में है। पुलिस ने मामले में भीड़ का नेतृत्व कर रहे छात्रनेता सुनील चौधरी सहित कई लोगों को हिरासत में लिया है। मामले में पुलिस मतदान केंद्र के फुटेज चेक कर रही है। वहीं मामले की जांच के लिए स्ट्रक्चर का गठन भी किया है।इसे लेकर ग्रामीण SP पंकज यादव ने खास बातचीत की। SP पंकज ने बताया- इस मामले में भीड़ का नेतृत्व कर रहे सुनील चौधरी और अन्य को डिटेन किया है। कई पुलिस अधिकारी और कॉन्स्टेबल को भी चोट लगी है, जिनका इलाज किया जा रहा है।ग्रामीण SP पंकज यादव ने कहा- जिन लोगों ने ऐसा किया है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का ग्रामीण सहयोग करें और यदि किसी मतदाता के पास कोई भी जानकारी भावी गांव में हुई घटना के संबंध में है तो वह पुलिस को दे सकता है।वहीं 2 नवंबर को होने वाले मतदान को लेकर उन्होंने बताया- पुलिस ने STF, रिजर्व जाब्ता के अलावा पाली से भी टीमें बुलाई हैं। RAC भी तैनात की जाएगी। घटनाक्रम में पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रहा है। फ्लैग मार्च भी निकाला जाएगा। इसमें प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल रहेंगे। साथ ही कहा- मतदान प्रक्रिया में बाधा पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।



जयपुर के गोविंद देव जी मंदिर के प्रधान महंत अंजन कुमार गोस्वामी का देवलोकगमन, भक्तों में शोक की लहर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर । जयपुर के आराध्य देव ठाकुर श्री गोविंद देव जी मंदिर से दुखद खबर सामने आई है। विश्व प्रसिद्ध ठिकाना मंदिर श्री गोविंददेवजी (गौड़ीय संप्रदाय) के प्रधान महंत और मुख्य सेवाधिकारी महंत अंजन कुमार गोस्वामी का आज, 1 नवंबर 2026 रविवार को देवलोकगमन हो गया है। उनके अचानक निधन की खबर से पूरे जयपुर शहर, मंदिर परिवार और देश-विदेश में फैले उनके लाखों श्रद्धालुओं व अनुयायियों में गहरी शोक की लहर दौड़ गई है।

कैसे हुआ निधन और क्या रहे स्वास्थ्य से जुड़े घटनाक्रम?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर करीब 12 बजे महंत अंजन कुमार गोस्वामी जी की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें गंभीर रूप से साइलेंट हार्ट अटैक आया था। परिवार और मंदिर के लोगों द्वारा तुरंत उन्हें संतोषबा दुर्लभजी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के डॉक्टरों ने उनकी जान बचाने के लिए कड़े प्रयास किए, लेकिन वे उन्हें बचा नहीं सके और महंत जी ने वहीं अपनी अंतिम सांस ली। उनके निधन की पुष्टि होते ही अस्पताल और मंदिर परिसर में शोक संतप्त भक्तों का तांता लग गया।कौन थे महंत अंजन कुमार गोस्वामी? महंत अंजन कुमार गोस्वामी जयपुर के धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक ताने-बाने का एक बेहद गौरवशाली और प्रमुख हिस्सा थे। वे गौड़ीय संप्रदाय के अंतर्गत आने वाले जयपुर के आराध्य श्री गोविंद देव जी मंदिर के प्रधान महंत और मुख्य सेवाधिकारी के रूप में लंबे समय से सेवारत थे। उन्होंने दशकों तक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ ठाकुर जी की अनन्य सेवा-पूजा की तथा मंदिर के धार्मिक आयोजनों, उत्सवों और व्यवस्थाओं को अत्यंत सुव्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाया। उनके मिलनसार और मृदुभाषी स्वभाव के कारण संत समाज और आमजन में उनका बेहद आदर था।अंतिम यात्रा और अंतिम संस्कार का कार्यक्रम महंत अंजन कुमार गोस्वामी के पार्थिव शरीर को उनके अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है, जिसके बाद आज शाम उनकी अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। आज रविवार शाम 4:30 बजे सुभाष चौक क्षेत्र स्थित पानों के दरीबे में उनकी पुश्तैनी हवेली से अंतिम यात्रा रवाना होगी। यह अंतिम यात्रा पानों के दरीबे से शुरू होकर जलमहल के सामने स्थित समाज बाड़ी पहुंचेगी, जहाँ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।



वेडिंग लहंगे में जयपुर एयरपोर्ट पर दिखी एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट पर रविवार को अभिनेत्री मल्लिका शेरावत और सानिया चंडोक नजर आईं। दोनों जयपुर से मुंबई के लिए रवाना हो रही थीं। मल्लिका शेरावत पिंक लहंगे में वेडिंग अटायर पहने एयरपोर्ट पर पहुंचीं। वे जयपुर में एक शादी समारोह में शामिल होने आई थीं। एयरपोर्ट पर उनका बिंदास अंदाज देखने को मिला। वहीं, सानिया चंडोक भी कुछ दिनों से जयपुर में थीं और एक फंक्शन में हिस्सा लेने के बाद मुंबई लौट रही थीं। एयरपोर्ट पर उन्होंने फैंस के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं।मल्लिका शेरावत हिंदी फिल्मों की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हैं। उनका फिल्मी सफर 2002 में फिल्म 'जीना सिर्फ मेरे लिए' से शुरू हुआ। 2003 में आई फिल्म 'ख्वाहिश' में मुख्य भूमिका निभाने के बाद उन्हें पहचान मिली। 2004 की फिल्म 'मर्डर' ने उन्हें काफी लोकप्रियता दिलाई। इसके बाद वे 'प्यार के साइड इफेक्ट्स', 'वेलकम', 'डबल धमाल' और 'डर्टी पॉलिटिक्स' जैसी फिल्मों में नजर आईं।मल्लिका ने हिंदी फिल्मों के साथ अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स में भी काम किया। वे जैकी चैन के साथ चीनी फिल्म 'द मिथ' में दिखाई दीं।सानिया चंडोक क्रिकेटर अर्जुन तेंदुलकर की पत्नी और पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बहू हैं। वे बिजनेसमैन है और मुंबई में पालतू जानवरों की देखभाल और ग्रूमिंग से जुड़ा बिजनेस चलाती हैं। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई की है।

रात 12 बजे अचानक उतरी सफाईकर्मियों की 'फौज':पुराने शहर की हर गली में घूमे मेयर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। रात 12 बजे अचानक उतरी सफाईकर्मियों की 'फौज':पुराने शहर की हर गली में घूमे मेयर-कमिश्नर, झाड़ू लगाई; अब सफाई के लिए होगी 'दौड़'घर की तरह शहर की भी करें सफाईमेयर सुनील कोठारी ने कहा- दीपोत्सव पर जिस तरह हर व्यक्ति अपने घर की विशेष सफाई करता है, उसी तरह नगर निगम शहर के प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई कर रहा है। इसके लिए करीब 2 हजार अतिरिक्त कर्मचारियों और संसाधनों को लगाया गया।शहर की बिगड़ती सफाई व्यवस्था और आवारा पशुओं की समस्या को लेकर पूछे गए सवाल पर मेयर ने कहा- ये दोनों गंभीर मुद्दे हैं।इनके समाधान के लिए नगर निगम को अपनी कमियों को दूर करने के साथ ही आमजन का सहयोग भी बढ़ाना होगा। सभी मिलकर प्रयास करेंगे तो इसका सकारात्मक परिणाम सामने आएगा।उन्होंने कहा- शहर को स्वच्छ बनाने के लिए वार्ड स्तर पर युवाओं को जोड़कर जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जिस तरह इंदौर के लोग अपने शहर को गंदा नहीं होने देते, उसी तरह जयपुर के नागरिकों में भी अपने शहर के प्रति जिम्मेदारी और स्वच्छता का भाव विकसित करना है।दिन में ट्रैफिक, इसलिए रात में सफाई अभियाननगर निगम कमिश्नर ओम कसेरा ने बताया- कुछ महीने पहले नगर निगम ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप अभियान शुरू किया था। इसके तहत रातों-रात शहर के प्रमुख हिस्सों की विशेष सफाई की गई थी। उसी कड़ी में अब ऑपरेशन क्लीन स्वीप 2.0 आयोजित किया है। उन्होंने कहा- इस बार अतिरिक्त कर्मचारी और संसाधन लगाकर परकोटे में रातभर सफाई कराई जा रही है। दिन में बाजारों में ट्रैफिक और आमजन की आवाजाही अधिक रहती है ऐसे में बड़े स्तर पर सफाई अभियान चलाने से लोगों को परेशानी हो सकती है। इसलिए रात का समय चुना गया, ताकि आमजन की आवाजाही प्रभावित किए बिना दिवाली के दौरान निकलने वाले अतिरिक्त कचरे को हटाया जा सके।सड़क पर कचरा नहीं फेंकें, निगम की गाड़ी में ही डालें नगर निगम कमिश्नर ने कहा- नगर निगम शहर को स्वच्छ बनाने के लिए अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है, लेकिन इसमें आमजन की भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है। लोगों को सड़कों पर कचरा फेंकने से बचना चाहिए। घरों का कचरा नगर निगम की कचरा संग्रहण गाड़ी में ही डालना चाहिए।उन्होंने कहा- केवल नगर निगम के प्रयासों से शहर को लंबे समय तक स्वच्छ नहीं रखा जा सकता। जब तक नागरिक अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक सफाई व्यवस्था में स्थाई सुधार मुश्किल है। शहर को साफ रखने के लिए निगम और आमजन को मिलकर काम करना होगा।अब स्वच्छता मैराथन की तैयारीनिगम कमिश्नर ओम कसेरा ने बताया- आमजन की भागीदारी और सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद नगर निगम ने 'रंग दे गुलाबी 2.0' अभियान आयोजित किया था। अब दीपोत्सव से पहले ऑपरेशन क्लीन स्वीप 2.0 चलाया गया। जल्द ही स्वच्छता मैराथन आयोजित किया जाएगा।उन्होंने कहा- इन अभियानों का उद्देश्य केवल कुछ दिनों तक सफाई करना नहीं, बल्कि शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनाना है।नगर निगम चला रहा अलग-अलग अभियानजयपुर नगर निगम शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए अलग-अलग अभियान चला रहा है। 'रंग दे गुलाबी', स्वच्छता मैराथन और ऑपरेशन क्लीन स्वीप जैसे अभियानों के जरिए सफाई के साथ आमजन की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। रंग दे गुलाबी और ऑपरेशन क्लीन स्वीप का दूसरा चरण पूरा हो चुका है। अब स्वच्छता मैराथन की तैयारी है।



पुलिस ने फरार आरोपी को पकड़ा:टैक्सी से बैटरी चोरी कर भागा था, 5 केस दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। जालोर में पुलिस ने फरार आरोपी को पकड़ा:टैक्सी से बैटरी चोरी कर भागा था, कई जिलों में पहले से 5 केस दर्जजालोर में टैक्सी से बैटरी चोरी के मामले में फरार चल रहे आरोपी को कोतवाली थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी एफसीआई गोदाम निवासी हितेश कुमार (28) पुत्र सोनाभाई माली को दस्तयाब कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि 16 सितंबर 2026 की रात राजेंद्र नगर में खड़ी एक टैक्सी से बैटरी चोरी हुई थी। इस मामले में शैतान सिंह की रिपोर्ट पर कोतवाली थाने में 30 अक्टूबर को मामला दर्ज किया गया था।

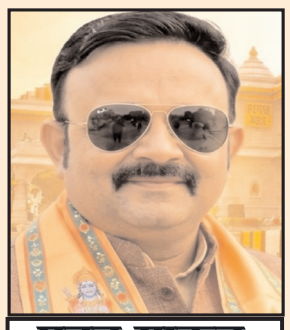


आरोपी के खिलाफ पहले भी 5 मामले दर्ज

पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पहले भी चोरी के 5 मामले दर्ज हैं। इनमें बागरा थाने में साल 2020, जालोर थाने में साल 2023 और 2024 और पाली जिले के तखतगढ़ और सुमेरपुर थानों में साल 2025 और 2026 के मामले शामिल हैं। कार्रवाई थानाधिकारी रामेश्वर भाटी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने की। टीम में एएसआई बाबूलाल, कांस्टेबल राकेश कुमार, विजय कुमार और सुरेंद्र कासनियां शामिल रहे।

दीवारों पर अमीरी का शो या बेटी के भविष्य का दीया?

कहानी-डायर में पैसे उड़ाने की प्रथा के खिलाफ लाल बत्ती!



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

राजकोट समेत पूरे गुजरात की संस्कृति, परंपरा और त्योहारों के स्वरूप में संत कथाओं, भव्य लोकडायर और धार्मिक या सामाजिक आयोजनों का हमेशा से खास स्थान रहा है। यहां धर्म और लोककथाओं के प्रति प्रेम अद्भुत है, लेकिन पिछले कुछ सालों में जिस तरह इन त्योहारों में पैसे उड़ाने का चलन हद से आगे बढ़ रहा है, वह अब गंभीर सामाजिक बहस का विषय बन गया है। मंच पर बैठे कलाकारों पर नोटों की बारिश करना, अपनी आर्थिक प्रतिष्ठा या शौक के लिए लाखों रुपये हवा में उछालना अब सिर्फ शौक नहीं बल्कि स्टेटस सिंबल बन गया है। कलाकारों के मंच पर पैसों की चादरें बिछाई जाती हैं, नोटों की गड्डियां उड़ती हैं, लेकिन इस भव्यता और चकाचौंध के पीछे की कड़वी सच्चाई यह है कि यह प्रथा अब आस्था के बजाय अहंकार, दिखावे और धन के प्रदर्शन का रूप लेती जा रही है। इस संदर्भ में, सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक बहुत ही सटीक, चौंकाने वाली और सोचने पर मजबूर करने वाली लाइन हर किसी के ज़मीर को झकझोर रही है: 'कहानियों या डायरियों पर पैसे खर्च करने के बजाय, बिन पिता की बेटी की स्कूल फीस भर दो, ज़िंदगी जन्नत बन जाएगी।' यह छोटा सा वाक्य आज की सबसे बड़ी सामाजिक सच्चाई और इंसानियत के सही मतलब को बहुत सटीक तरीके से बताता है।

आस्था या सिर्फ़ अहंकार और दिखावा?

हमारी संस्कृति का मुख्य आधार धर्म, आस्था और कला के प्रति सम्मान है। कहानीकार या लोकगीतकार हमें जीवन के सच्चे मूल्य देते हैं, हमारी सनातन संस्कृति को ज़िंदा रखते हैं और डायरियाँ हमारे लोकगीत, संगीत और विरासत को सामने लाती हैं। कलाकारों का सम्मान करने, उनकी कला की कद्र करने और अपनी पूरी क्षमता से तोहफ़े देने में कुछ भी गलत या ग़लत नहीं है। सदियों से कलाकारों को राजा-महाराजा भी तोहफ़े देते थे। लेकिन, जैसे-जैसे समय बदला, इस तरीके का मकसद भी बदल गया। जब यह सम्मान सिर्फ़ दिखावे, अहंकार और 'कौन कितने लाख रुपये उड़ा सकता है' की अंधी होड़ या दौड़ में बदल जाता है, तो इसकी असली आत्मा और पवित्रता मर जाती है। जिस स्टेज से भक्ति, दया, परोपकार, क्षमा और इंसानियत का पाठ पढ़ाया जाता है, उसी के सामने हज़ारों-लाखों रुपए हवा में उड़ते और धूल में लोटते देखकर हैरानी होती है कि क्या सच में यही सच्ची आस्था है? क्या भगवान या कलाकार ऐसे अंधे दिखावे से खुश होते हैं?

पिता का साया खो चुकी बेटियों का खामोश और बेबस संघर्ष

जहां एक तरफ पार्टियों और डायरियों में पैसा पानी की तरह बहता है, वहीं दूसरी तरफ हमारे ही समाज में कई ऐसे संघर्षरत परिवार हैं जहां अंधेरा ही अंधेरा है। जिस परिवार से अचानक पिता का साया छिन गया हो, वहां मां और जवान बेटियों की ज़िंदगी कितनी मुश्किल हो जाती है, इसका अंदाज़ा लगाना भी मुश्किल है। पैसों की तंगी की वजह से बिना पिता की बेटियों को अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए हर दिन मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। एक बेबस मां अपनी बेटी को अच्छे स्कूल में भेजने और उसके सपने पूरे करने के लिए लोगों के घरों में दिन-रात काम करती है, सिलाई करती है या मज़दूरी करती है, लेकिन कभी-कभी महीने के आखिर में स्कूल की फीस भरने के लिए दो-तीन हज़ार रुपए भी न होने की वजह से उस बेटी की पढ़ाई बीच में ही रुक जाती है या उसे स्कूल छोड़ने पर मजबूर होना पड़ता है। आज के कॉम्पिटिटिव ज़माने में, हर बच्चे के सुनहरे भविष्य के लिए पढ़ाई ही एकमात्र बुनियाद है। अगर किसी ज़रूरतमंद या बिना पिता की बेटी को समय पर पैसे की मदद मिल जाए, तो उसका पूरा भविष्य सुरक्षित हो सकता है। एक बेटी की पढ़ाई सिर्फ़ एक इंसान का नहीं, बल्कि आने वाली पूरी पीढ़ी और परिवार का उद्धार करती है। पढ़ाई और ज़रूरतमंदों की मदद करना ही भगवान की सच्ची भक्ति है। ज़रा सोचिए, जो इंसान किसी दीये या कहानी में अपनी वाहवाही पाने के लिए हज़ारों या लाखों रुपये हवा में उड़ा देता है, वही रकम या उसका थोड़ा सा हिस्सा किसी गरीब, होनहार बेटी, जिसके सिर से पिता का साया उठ गया हो, की सालाना स्कूल फीस, किताबें, पैम्फलेट या यूनिफॉर्म पर खर्च कर दे, तो उससे बड़ा पुण्य या धार्मिक काम क्या हो सकता है? कहानी या दीये में पैसे खर्च करने से वहाँ बैठी भीड़ से कुछ देर के लिए तालियाँ बज सकती हैं, आपका नाम कुछ देर के लिए अखबारों या सोशल मीडिया में चमक सकता है, लेकिन किसी ज़रूरतमंद बेटी के आँसू पोंछने और उसके चेहरे पर मुस्कान लाने से जो अंदरूनी खुशी मिलती है, उसकी तुलना दुनिया की किसी भी भौतिक खुशी या आराम से नहीं की जा सकती। सच्चा स्वर्ग, सच्चा स्वर्ग या परम शांति सातवें आसमान में नहीं, बल्कि धरती पर ही है - जब हम सच में किसी बेसहारा या लाचार इंसान की मदद करते हैं। आइए, वायरल हो रही उस सटीक पंक्ति को अपने जीवन का मंत्र बनाएं और सही मायने में किसी जरूरतमंद परिवार की बेटी के जीवन में शिक्षा का दीप जलाएं और दिखाएं कि सच्चाई क्या है और क्या नहीं।

पूर्व वाइस चांसलर नीरजा गुप्ता का एक और बड़ा स्कैम

'गरीब स्टूडेंट स्ज़ बसों में धक्के खाकर कॉलेज जाते हैं, और दूसरी तरफ ये बेरहम नेता और अधिकारी गरीब यूनिवर्सिटी स्टूडेंट की फीस पर अपना पैसा खर्च करते हैं और बिजनेस क्लास में फ्री विदेश यात्रा का मज़ा लेते हैं!

अहमदाबाद में गुजरात यूनिवर्सिटी से एक बहुत ही शर्मनाक और सनसनीखेज बात सामने आई है जो एजुकेशन की दुनिया को हिलाकर रख देगी। गुजरात यूनिवर्सिटी की पूर्व वाइस चांसलर नीरजा गुप्ता का एक और बड़ा और गंभीर स्कैम सामने आया है, जिससे पूरे राज्य के एजुकेशनल और पॉलिटिकल हलकों में बड़ा भूचाल आ गया है। चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि नीरजा गुप्ता और उनके साथियों ने 'स्टडी अब्रॉड' प्रोग्राम के फंड से करोड़ों रुपये का गलत इस्तेमाल किया है और सरकारी नियमों को पूरी तरह से ताक पर रखकर बहुत ज़्यादा खर्च करके बैंकॉक और जापान की विदेश यात्राएं की हैं। सरकार की साफ मनाही के बावजूद जापान की यात्रा के लिए 14 लाख रुपये दिए गए! मिली जानकारी और अंदरूनी रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी ग्रांट और यूनिवर्सिटी फंड के इस्तेमाल पर सरकार की साफ गाइडलाइंस और रोक के बावजूद, नीरजा गुप्ता और उनकी टीम ने नियमों को ताक पर रखकर काम किया। जापान की विदेश यात्रा के लिए सीधे सरकारी खजाने से 14 लाख रुपये दिए गए। इतना ही नहीं, यह भी



गंभीर आरोप लग रहे हैं कि इन यात्राओं के लिए टिकट बुक करने में नियमों का पालन करने के बजाय, ब्लैकलिस्टेड कंपनियों के मालिकों को कॉन्ट्रैक्ट और टिकट दिए गए। विदेश जाने के बाद, बेंगलुरु और दूसरी जगहों पर 'ताज' जैसे शानदार फाइव स्टार होटलों में रहकर जनता और स्टूडेंट्स की मेहनत की कमाई पानी की तरह बर्बाद की गई है। आम परिवारों से आने वाले स्टूडेंट्स दो-तीन घरों में मजदूरी करने या अपनी फीस भरने के लिए लोन लेने को मजबूर हैं। यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के लिए एजुकेशनल फैसिलिटी, लाइब्रेरी या हॉस्टल के डेवलपमेंट के लिए हमेशा पैसे की कमी का रोना रोया जाता है, लेकिन सत्ता के नशे में चूर पदाधिकारियों के लिए यूनिवर्सिटी फंड को ऐसे उड़ाया गया है जैसे वह उनकी अपनी जागीर हो। 'अगर आप अपनी यूनिवर्सिटी में किसी को जानते हैं, तो आप भी साथ रह सकते हैं' और करप्ट सिस्टम ने शिक्षा के पवित्र मंदिर को कलंकित कर दिया है।

जनता का सवाल: इन करप्ट लोगों के खिलाफ सख्त एक्शन कब होगा?

लाखों स्टूडेंट्स की मेहनत की कमाई विदेश यात्राओं पर बर्बाद करने वाले इन जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सरकार और बड़े अधिकारी कब और कैसे सख्त एक्शन लेंगे? यह एक बड़ा सवाल है। एजुकेशन सिस्टम को कलंकित करने वाले इस बड़े स्कैम के खिलाफ पूरे राज्य में स्टूडेंट्स और जनता में बहुत गुस्सा है। आप क्या सोचते हैं? ऐसे करप्ट अधिकारियों के खिलाफ क्या सख्त कानूनी एक्शन लिया जाना चाहिए जो स्टूडेंट्स के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं और यूनिवर्सिटी का पैसा लूट रहे हैं?

इंडस्ट्रीज़ को राहत देने के लिए किसानों की कुर्बानी?

कॉटन इंपोर्ट ड्यूटी माफ़ करने के फ़ैसले से गुजरात के किसान गुस्से में हैं!



गुजरात के फ़ूड सप्लायर और कॉटन की फ़सलों पर निर्भर लाखों किसानों के सिर पर एक बार फिर बड़ा आर्थिक संकट मंडरा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बनासकांठा के भीलडी में हाल ही में दिए गए बयानों और उसके बाद केंद्र सरकार के पॉलिसी फ़ैसलों के ख़िलाफ़ किसान समुदाय में बहुत गुस्सा है। विपक्षी पार्टियों और किसान संगठनों के मुताबिक, सरकार की पॉलिसी हमेशा से ही उद्योगपतियों और बड़े कॉर्पोरेट घरानों को फ़ायदा पहुँचाने वाली रही हैं, जबकि मेहनत करने वाले किसानों को सिर्फ़ मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

क्या है पूरा विवाद और सरकार का नया आदेश?

शुरुआत में, फाइनेंस मिनिस्ट्री ने पहले एक नोटिफिकेशन जारी करके 1 जून, 2026 से 31 अक्टूबर, 2026 तक कॉटन इंपोर्ट पर सभी कस्टम ड्यूटी पूरी तरह से माफ कर दी थी। जैसे यह काफी नहीं था, 30 अक्टूबर, 2026 को नोटिफिकेशन नंबर 35/2026-कस्टम्स जारी करके इस इंपोर्ट छूट की अवधि को सीधे 31 दिसंबर, 2026 तक बढ़ा दिया गया है। यानी, अब विदेशों से बड़ी मात्रा में कॉटन 31 दिसंबर तक 0' ड्यूटी पर भारत आएगा।

सरकार का तर्क-टेक्सटाइल इंडस्ट्री को बचाने का बहाना?

केंद्र सरकार और टेक्सटाइल मिलों का कहना है कि इस साल देश में कॉटन का प्रोडक्शन कम हुआ है। देश की सालाना ज़रूरत लगभग 328 से 330 लाख बेल्स की है, जबकि दूसरी ओर, इस साल प्रोडक्शन घटकर सिर्फ़ लगभग 291 लाख बेल्स रह गया है। टेक्सटाइल इंडस्ट्री और मिलों ने सरकार को बताया था कि कच्चे माल की कमी है, घरेलू बाज़ार में कीमतें बढ़ी हैं और स टैरिफ जैसी वजहों से एक्सपोर्ट ऑर्डर पूरे करना मुश्किल हो गया है। इंडस्ट्री की इसी बात के आधार पर सरकार ने कॉटन पर इंपोर्ट ड्यूटी हटाने का फैसला किया है। लेकिन, असलियत कितनी भयानक है और किसानों को इससे कितना नुकसान होगा? ड्यूटी माफी के इस फैसले से बाज़ार में विदेशी कॉटन की बाढ़ आ जाएगी। अनुमान के मुताबिक, इंपोर्ट बढ़कर 60 से 65 लाख बेल हो सकता है (पिछले साल यह आंकड़ा 72 लाख बेल था)। जब सस्ता विदेशी कॉटन बाज़ार में आएगा, तो गुजरात समेत देश भर के लोकल किसान अपनी फसल बहुत कम कीमत पर बेचने को मजबूर होंगे। हालांकि सरकार दावा करती है कि किसानों को मिनिमम सपोर्ट प्राइस से सुरक्षा मिली हुई है और इस सीजन के लिए MSP 8,110 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है, लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। APMC मार्केटिंग यार्ड में फैले भ्रष्टाचार और कम मात्रा में सरकारी खरीद के कारण, MSP का पूरा फायदा आम किसान तक कभी नहीं पहुंच पाता। अक्टूबर से दिसंबर के बीच जब किसानों का नया कॉटन बिकने के लिए मार्केट में आने लगता है, तो उस सेंसिटिव समय पर 0' ड्यूटी-फ्री इंपोर्ट बढ़ाने से मार्केट प्राइस गिर जाता है और किसानों को मार्केट में MSP से भी कम प्राइस मानने पर मजबूर होना पड़ता है।

पहले के फैसले भी किसान विरोधी रहे हैं

यह पहली बार नहीं है। पहले भी किसानों के साथ खिलवाड़ किया गया है। पिछले साल भी, जब कॉटन का प्रोडक्शन मार्केट में आने वाला था, तो मोदी सरकार ने कॉटन इंपोर्ट पर 11' ड्यूटी घटाकर 0' कर दी थी। यह छूट 19 अगस्त 2025 से 30 सितंबर 2025 तक दी गई थी, फिर इसे 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ाया गया और फिर 1 जनवरी 2026 से फिर से 11' ड्यूटी लगा दी गई। इस साल भी यही पैटर्न दोहराया जा रहा है।

किसान कलेक्टर का आरोप: 'इंडस्ट्रियलिस्ट प्यारे हैं, किसान लाचार'

किसान नेताओं और यूनियनों का सीधा और आक्रामक आरोप है कि चुनाव फंड और फाइनेंशियल मदद पाने वाले इंडस्ट्रियलिस्ट रूलिंग पार्टी के बहुत प्यारे हैं, जबकि अनाज पैदा करने वाले किसान किसी भी पॉलिटिकल पार्टी को फंड नहीं देते, इसलिए उनका दर्द सरकार को दिखाई नहीं देता। 'इंडस्ट्रियलिस्ट को राहत देने के लिए किसानों की बलि देने' की इस पॉलिसी से ग्रामीण इलाकों में भारी गुस्सा है। अगर सरकार ने तुरंत इस किसान विरोधी इंपोर्ट पॉलिसी को वापस नहीं लिया, तो यह तय है कि आने वाले दिनों में गुजरात के किसान सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

'बोरवेल में पानी नहीं है, मूंगफली सूख रही है! हमें कच्ची मूंगफली तोड़नी पड़ती है और मवेशी (जानवर) भी उन्हें नहीं खाते, वे ज़हर जैसी कड़वी होती हैं!' - द्वारका के एक फ़ूड वेंडर का दिल दहला देने वाला सच!

देवभूमि द्वारका ज़िले के दुनिया के किसान आज खून के आँसू रो रहे हैं क्योंकि वे अपनी आँखों के सामने फसलों को बर्बाद होते देख रहे हैं। 'बोरवेल या कुओं में पानी नहीं है, इसलिए मैं उन्हें सींच नहीं सका और मूंगफली सूख रही है। मूंगफली कच्ची होने के बावजूद, मैं उन्हें तोड़ रहा हूँ। मवेशी (जानवर) भी उन्हें नहीं खाते। वे कड़वी होती हैं, वे ज़हर जैसी होती हैं।' - द्वारका के एक बेबस और पीड़ित किसान के ये दुख भरे शब्द आज पूरे गुजरात के एग्रीकल्चर सिस्टम और सिंचाई के बड़े-बड़े दावों की पोल खोल रहे हैं। यह सोचना मुश्किल है कि एक किसान के मन में क्या चल रहा होगा जब वह अपनी मेहनत की फसल को अपने हाथों से कच्ची तोड़ने के लिए मजबूर हो। सिंचाई की मांग के बीच रेगिस्तान जैसे हालात: बोर और कुएं सूख रहे हैं! देवभूमि द्वारका जिले के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई के पानी की बहुत कमी है। ठीक उसी समय जब मानसून का मौसम खत्म होने के बाद



मूंगफली की फसल को आखिरी और सबसे ज़रूरी सिंचाई की ज़रूरत थी, बोर और कुओं में पानी का लेवल या तो कम हो गया है या सूख रहा है। नहरों से पानी न मिलने और कुदरत के भी साथ न देने से किसान अपनी फसल बचाने में लाचार हो गए हैं। पानी के बिना खेतों में मूंगफली के पौधे सूख रहे हैं। मूंगफली की फसल अभी पूरी तरह पकी भी नहीं थी और बीज भी कच्चे थे, फिर भी अगर फसल खेत में ही रह जाती, तो वह पूरी तरह जलकर राख हो जाती। ऐसे में किसान भारी मन से कच्ची मूंगफली उठाने को मजबूर हैं। कच्ची मूंगफली उठाने से उन्हें बाज़ार में कोई सही दाम नहीं मिलेगा। व्यापारी इन कच्ची मूंगफली का दाम पानी के भाव पर लगाएंगे, जिससे किसान के लिए बीज, खाद और मेहनत का खर्च निकालना नामुमकिन हो जाएगा। जानवरों के लिए भी बेकार हुई फसल: 'मलयालम लोग भी इन्हें नहीं खाते, ये ज़हर जितनी कड़वी होती हैं!' किसान के लिए सबसे बड़ा दुख यह है कि इन सूखे मूंगफली के पौधों (पालो) का इस्तेमाल जानवरों के चारे या चारे के तौर पर नहीं हो रहा है। बिना पानी के सूखकर बीमार हो चुके इन पौधों का स्वाद इतना कड़वा हो गया है कि पशुपालकों के मवेशी भी इन्हें नहीं खाते। किसानों का कहना है कि ये पौधे जानवरों के लिए ज़हर जैसे हो गए हैं। यानी, न तो मूंगफली बाज़ार में बेचने लायक बची है, न ही इनकी फसल जानवरों को खिलाने लायक! कर्ज के पहाड़ तले जूझ रहा द्वारका का एक किसान: सिस्टम कब जागेगा? द्वारका के किसानों ने बीज, खाद, दवाइयों और ट्रैक्टर किराए के लिए लाखों रुपये का कर्ज लेकर मूंगफली की खेती की थी। लेकिन आज हालात ऐसे आ गए हैं कि उनके हाथ में जो मुखौटा था, वह भी छिन गया है। अब किसानों के सामने बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि वे कर्ज चुकाएं या अपने परिवार का पेट पालें। सरकार और कृषि विभाग बड़े-बड़े सर्वे और मदद की बात करते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि द्वारका का कमाने वाला आज अपनी रोजी-रोटी खो रहा है और दिवालिया हो रहा है। डर है कि अगर अधिकारियों ने तुरंत द्वारका के नुकसान वाले इलाकों का खास सर्वे नहीं किया और किसानों को सही मुआवजा और सिंचाई राहत नहीं दी, तो आने वाले दिनों में किसान आत्महत्या जैसे इमरजेंसी कदम उठाने पर मजबूर हो जाएंगे।

आज का राशिफल

(सोमवार) 02 नवम्बर 2026

मेष — व्यक्तिगत गतिविधियों को बढ़ाने और अपने जरूरी कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए दिन अनुकूल है। पेशेवर प्रयासों को मजबूती मिलेगी।

वृषभ — आपसी सहयोग और तालमेल के साथ आप आगे बढ़ेंगे। कारोबार के विस्तार से जुड़े प्रयास सफल हो सकते हैं।

मिथुन — आर्थिक मामलों में सूझबूझ से काम लें, लेनदेन के काम आसानी से आगे बढ़ेंगे। धन और संपत्ति में बढ़ोतरी योग बन रहे हैं।

कर्क — आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा। नए काम शुरू करने और अपनी कला व कौशल के प्रदर्शन से आप दूसरों को प्रभावित करने में सफल रहेंगे।

सिंह — करियर और कारोबार में थोड़ा धैर्य बनाए रखने की आवश्यकता है। विदेशी गतिविधियों या अटके हुए मामलों में सुधार के संकेत हैं।

कन्या — पद, प्रतिष्ठा और लाभ के लिहाज से दिन बेहद अनुकूल है। संसाधन बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे और वरिष्ठ लोगों का पूरा सहयोग मिलेगा।

तुला — शासन और प्रबंधन से जुड़े कार्यों में मजबूती आएगी। नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी। भाई-बहनों के तालमेल से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है।

वृश्चिक — भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा। आध्यात्मिक गतिविधियों और जनकल्याण के कार्यों में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में अच्छी कमाई होने के योग हैं।

धनु — आपके व्यक्तित्व का प्रभाव लोगों पर सकारात्मक रूप से पड़ेगा। दिन के दूसरे भाग में अचानक आर्थिक लाभ हो सकता है।

मकर — आर्थिक मामलों के लिए दिन बहुत अनुकूल है। आप गैर-जरूरी खर्चों पर नियंत्रण रखने में कामयाब रहेंगे। भूमि और भवन से जुड़े कार्यों में सफलता मिल सकती है।

कुंभ — दोस्ताना बातचीत और नई चीजें सीखने के लिए दिन अच्छा है। परिवार के सदस्यों के साथ शांतिपूर्ण और आरामदायक समय बीतेगा।

मीन — भाग्य के बल पर आपको कई मामलों में सफलता और लाभ मिलेगा। रोमांस के लिहाज से दिन रोमांचक और यादगार रहने वाला है।

किसी को ज़िंदगी भर प्यार करना, भले ही उसे पाए बिना, यही एकतरफ़ा प्यार की असली ताकत है!

आज के मॉडर्न और बदलते रिश्तों के दौर में, प्यार का मतलब पाना, पाना या किसी पर कब्ज़ा करना माना जाता है। लेकिन, इस भीड़ भरी दुनिया में, एक ऐसा एहसास भी है जो इन सभी फिजिकल सीमाओं से परे है - और वह है 'एकतरफ़ा प्यार'! एक ऐसा रिश्ता जो कभी कागज़ पर नहीं लिखा जाता, जिसका कोई पता नहीं होता फिर भी जो ज़िंदगी भर सांसों की तरह धड़कता रहता है, उसका नाम सच्चा प्यार है।

पा लेना ही प्यार नहीं है: एकतरफ़ा प्यार का फिलोसोफिकल सच

लोग मानते हैं कि जिससे प्यार करते हैं उसे पाना ज़रूरी है, वरना वह प्यार अधूरा माना जाता है। लेकिन असलियत इससे बिल्कुल उलट है।



जब आप सिर्फ़ उनकी खुशी में खुश होना सीख जाते हैं, तो प्यार स्वार्थ से आज़ाद होकर दिव्य हो जाता है। कोई इंसान आपकी किस्मत में हो न हो, लेकिन आपके ख्यालों में, आपकी शायरी में और आपकी सांसों में, वह हमेशा के लिए अमर हो जाता है। यही एकतरफ़ा प्यार की अद्भुत और अनदेखी ताकत है, जो इंसान को कमज़ोर नहीं बनाती बल्कि अंदर से बहुत मज़बूत बनाती है।

कभी न खत्म होने वाली कहानी का एहसास अनमोल होता है!

प्रेम कहानियों का सुखद या दुखद अंत समय के साथ फीका पड़ जाता है। लेकिन अधूरी कहानियों का वज़न और खूबसूरती, जो कभी खत्म नहीं होंगी, ज़िंदगी के आखिर तक कम नहीं होतीं। घंटों दूसरे इंसान की एक झलक पाने का इंतज़ार करना, चुपचाप उनकी तस्वीरों या उनकी यादों से चिपके रहना, और खुद अंधेरे में जीना ताकि उनकी ज़िंदगी अंधेरी न हो जाए, यह सब सिर्फ़ एकतरफ़ा प्यार ही दे सकता है। इस अधूरी प्रेम कहानी के दर्द में एक अजीब तरह का नशा और मन की शांति भी छिपी होती है।

रिश्तों की भीड़ में अकेलेपन का सच्चा सहारा

आज के रिश्तों में मतलब, शर्तें और उम्मीदें बढ़ गई हैं। जब उम्मीदें पूरी नहीं होतीं, तो रिश्ते जल्दी टूट जाते हैं। इसके उलट, एकतरफ़ा प्यार एक ऐसा पवित्र झरना है जिसमें कोई उम्मीद नहीं होती। दूसरे इंसान को पता भी नहीं चलता कि कोई इंसान उसे अपनी दुनिया समझकर बैठा है, फिर भी वह बदले में कुछ मांगे बिना प्यार करता रहता है। बिना किसी उम्मीद के यह प्यार ज़िंदगी को एक नया मतलब और गहराई देता है।

खूबसूरती और दर्द का एक अद्भुत मेल

एकतरफ़ा प्यार कोई कमज़ोरी नहीं, बल्कि बहुत मज़बूत दिल वाले लोगों का काम है। जिसमें पाने की कोई उम्मीद नहीं होती, बस किसी की यादों के सहारे पूरी ज़िंदगी मुस्कुराते और हंसते हुए बिताने की अद्भुत ताकत होती है।

KGMU धर्म परिवर्तन केस का आगरा मेडिकल कॉलेज से निकला कनेक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) से जुड़े कथित धर्मांतरण और महिला चिकित्सकों के यौन शोषण के मामले की जांच का दायरा अब आगरा तक पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज से जुड़े पुराने रिकॉर्ड और जानकारियां जुटाई हैं। जांच में डॉ. रमीजुद्दीन का नाम सामने आया है, जिसे इस मामले के मुख्य आरोपी डॉ. अनीस का करीबी बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, डॉ. रमीजुद्दीन ने वर्ष 2012 में एसएन मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में प्रवेश लिया था। उस समय कॉलेज में 'इस्लामिक मेडिकोज' नाम से एक समूह सक्रिय बताया जाता है। इस समूह से जुड़े लोगों ने इसी नाम से एक किताब भी प्रकाशित की थी, जिसमें वर्ष 2012 से 2016 तक के मेडिकल छात्रों का विवरण शामिल होने की बात कही गई है। इस सूची में डॉ. रमीजुद्दीन का नाम भी दर्ज बताया गया है। एमबीबीएस की पढ़ाई के दौरान उन्होंने कॉलेज में एक साल तक रेजिडेंट के रूप में भी काम किया था। सूत्रों के मुताबिक, एसटीएफ ने जांच के सिलसिले में कई बार एसएन मेडिकल कॉलेज का दौरा किया। टीम ने कॉलेज प्रशासन से वर्ष 2012 से 2018 तक के एमबीबीएस, स्नातकोत्तर, रेजिडेंट और अन्य मेडिकल विद्यार्थियों का रिकॉर्ड मांगा, जिसे अपने साथ ले गई। जांच टीम ने डॉ. रमीजुद्दीन के सहपाठियों, शिक्षकों और अन्य संबंधित लोगों से भी उनके व्यवहार तथा संपर्कों के बारे में जानकारी जुटाई। जांच के दौरान यह जानकारी भी सामने आई कि अलीगढ़ से कुछ लोग डॉ. रमीजुद्दीन से मिलने कॉलेज आते थे और उनके साथ अलग बैठकें करते थे। कॉलेज से जुड़े कुछ लोगों ने एसटीएफ को एक युवती के कथित धर्मांतरण से संबंधित जानकारी भी दी, जिसके तार अलीगढ़ से जुड़े होने की बात कही गई है। एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने पुष्टि की कि एसटीएफ ने डॉ. रमीजुद्दीन के चिकित्सकीय रिकॉर्ड और अन्य जानकारियां मांगी थीं। इसके अलावा वर्ष 2012 से 2018 तक के मेडिकल विद्यार्थियों का रिकॉर्ड भी जांच टीम अपने साथ ले गई है।



योगी के 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम गायब होने के दावे पर अखिलेश ने उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में मतदाता सूची से 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम गायब होने का दावा किया था। अब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस दावे पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि मुख्यमंत्री को यह आंकड़ा किसने दिया और इसका आधार क्या है। शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि एसआईआर से पहले मतदाता सूची का विश्लेषण किया गया है। इसमें बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता सामने आए हैं, जिनके नाम विधानसभा की मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं। मुख्यमंत्री के मुताबिक, करीब 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम सूची से गायब हैं। उन्होंने इसे चिंताजनक बताते हुए कहा कि इसके चलते 28 नगरीय और 66 अन्य सीटों पर भी असर पड़ सकता है। योगी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने के लिए व्यापक अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनसंख्या के अनुपात के हिसाब से मतदाताओं की संख्या 16 करोड़ से अधिक होनी चाहिए, जबकि वर्तमान में यह करीब 13 करोड़ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को कमल साथी ऐप पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने पूछा कि इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम गायब होने की जानकारी उन्हें कहां से मिली। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पहले भी 4 करोड़ वोट कटने की बात कह चुके हैं। ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि उन्हें ये आंकड़े किसने उपलब्ध कराए और इनका आधार क्या है। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अब स्वीकार कर रहे हैं कि 1 करोड़ 27 लाख वोट कम हो गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री को यह बात कब याद आई। साथ ही उन्होंने कहा कि जो लोग डबल इंजन की बात करते थे, वे अब डबल जीरो हो गए हैं। सपा अध्यक्ष ने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग भाजपा के सदस्य को ही भारत का नागरिक मानता है। अखिलेश ने दावा किया कि एक चुनाव में हार स्वीकार नहीं किए जाने के बाद दोबारा मतगणना कराई गई और इसके लिए चुनाव आयोग से मिलीभगत की गई। में दो। तक बहस तेज हो गई है।



अयोध्या के 10वें दीपोत्सव में पांच देशों की रामलीला, 12 मंचों पर 2500 कलाकार बिखेरेंगे रामकथा के रंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। भगवान राम की नगरी अयोध्या में होने वाले 10वें दीपोत्सव को इस बार अंतरराष्ट्रीय स्वरूप देने की तैयारी की जा रही है। दीपों की रोशनी के साथ यहां अलग-अलग देशों की रामायण परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत की झलक भी देखने को मिल सकती है। उत्तर प्रदेश सरकार की तैयारी के मुताबिक, इस बार पांच देशों के कलाकार रामलीला का मंचन करेंगे। इनमें दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, नेपाल, लाओस और थाईलैंड के कलाकार शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा फिलीपींस और रूस के कलाकारों को भी आमंत्रित करने की कोशिश की जा रही है, हालांकि इन दोनों देशों की भागीदारी अभी तय नहीं हुई है। दीपोत्सव में भारत और विदेश के करीब 2500 कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इसके लिए अयोध्या में कुल 12 मंच तैयार किए जाने की योजना है। इन मंचों पर रामकथा के अलग-अलग प्रसंगों को विभिन्न देशों की कला, संगीत, नृत्य और अभिनय शैलियों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। आयोजन में दक्षिण अफ्रीका की दो टीमें भी हिस्सा लेने के लिए प्रस्तावित हैं। इस बार की रामलीला की खास बात यह होगी कि दर्शकों को भगवान राम की कथा अलग-अलग देशों की सांस्कृतिक परंपराओं में देखने और समझने का अवसर मिलेगा। रामकथा की कहानी भले ही एक हो, लेकिन अलग-अलग देशों में इसे प्रस्तुत करने की शैली और परंपराएं अलग-अलग हैं। कलाकारों के पहनावे, संगीत, नृत्य और अभिनय में उनके देश की सांस्कृतिक पहचान दिखाई देगी। थाईलैंड में रामकथा को 'रामाकियन' के नाम से जाना जाता है। वहां पारंपरिक खोन नृत्य-नाट्य शैली के माध्यम से रामायण के प्रसंगों का मंचन किया जाता है। नेपाल में भी रामायण की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा रही है।



न पेंशन मिल रही, न मिली ट्राईसाइकिल... दिव्यांग पति को पीठ पर लाद कलेक्टर ऑफिस पहुंची महिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बुरहानपुर। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में सरकारी योजनाओं का लाभ पाने के लिए एक बुजुर्ग महिला की मजबूरी की तस्वीर सामने आई है। महाजन कॉलोनी निवासी बिंदुबाई अपने दिव्यांग पति दयाशंकर को पीठ पर लादकर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचीं। महिला अपने पति के लिए तिपहिया साइकिल और पेंशन की मांग कर रही हैं। उनका कहना है कि कई बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने और अधिकारियों से गुहार लगाने के बावजूद अब तक उन्हें कोई सहायता नहीं मिली है। जानकारी के अनुसार, बिंदुबाई के पति दयाशंकर करीब 9 साल पहले पक्षाघात की बीमारी से पीड़ित हो गए थे। बीमारी के बाद उनकी हालत ऐसी हो गई कि वे अपने पैरों पर चलने-फिरने में असमर्थ हो गए। उपचार के दौरान चिकित्सकों को उनका एक पैर भी काटना पड़ा। इसके बाद से दयाशंकर की देखभाल की पूरी जिम्मेदारी उनकी पत्नी बिंदुबाई पर है। पति की दैनिक जरूरतों से लेकर उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने का काम भी बिंदुबाई को ही करना पड़ता है। बिंदुबाई का कहना है कि पति की परेशानी को देखते हुए उन्होंने कई बार अधिकारियों से तिपहिया साइकिल दिलाने की मांग की, ताकि दयाशंकर को आने-जाने में किसी दूसरे व्यक्ति पर निर्भर न रहना पड़े। इसके साथ ही उन्होंने पेंशन दिलाने के लिए भी आवेदन और गुहार लगाई, लेकिन अब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ। आर्थिक परेशानी के बीच पति की देखभाल करना उनके लिए लगातार चुनौती बना हुआ है। महिला के मुताबिक, वह शुक्रवार को भी अपनी समस्या लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंची थीं, लेकिन उस दिन संबंधित अधिकारी उपलब्ध नहीं मिले। इसके बाद उन्होंने मंगलवार को एक बार फिर जनसुनवाई में जाने का निर्णय लिया। इस बार बिंदुबाई अपने पति को पीठ पर लादकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं। उनकी इस मजबूरी को देखकर वहां मौजूद लोग भी हैरान रह गए। जनसुनवाई के दौरान बिंदुबाई ने कलेक्टर विवेक कुमार के सामने अपनी पूरी परेशानी रखी। उन्होंने बताया कि उनके पति पिछले करीब 9 वर्षों से चलने-फिरने में असमर्थ हैं। ऐसे में उन्हें तिपहिया साइकिल की जरूरत है, जिससे पति को कहीं आने-जाने में सुविधा मिल सके। साथ ही उन्होंने पेंशन दिलाने की मांग करते हुए कहा कि आर्थिक सहायता मिलने से परिवार का गुजारा करने में मदद मिलेगी। बिंदुबाई के अपने दिव्यांग पति को पीठ पर लादकर कार्यालय पहुंचने का वीडियो भी सामने आया है, जो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहा है। इस घटना ने दिव्यांगजनों को मिलने वाली सुविधाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचने की प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर सरकार की ओर से दिव्यांगजनों के लिए पेंशन और सहायक उपकरण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजनाएं संचालित की जाती हैं, ने पड़ रहे हैं।



भदोही में सड़क किनारे खड़े कंटेनर से टकराया ऑक्सीजन टैंकर, हादसे में 2 वाहन चालकों की मौत

कंटेनर में तकनीकी खराबी आने के बाद सड़क किनारे खड़ा था वाहन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भदोही। गोपीगंज कोतवाली क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर शनिवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में दो वाहन चालकों की मौत हो गई। गिराई के पास सड़क किनारे खड़े कंटेनर में पीछे से आ रहा ऑक्सीजन से भरा टैंकर टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों के चालक हादसे की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कंटेनर संख्या NL01Q3776 प्रयागराज से वाराणसी की ओर जा रहा था। गिराई के पास अचानक कंटेनर में तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद चालक ने वाहन को हाईवे किनारे खड़ा कर दिया। बताया जा रहा है कि चालक खराबी ठीक करने के लिए कंटेनर के नीचे बैठा हुआ था। इसी दौरान पीछे से ऑक्सीजन से भरा टैंकर संख्या P65BT0728 तेज गति से वहां पहुंचा और खड़े कंटेनर से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के चालकों को संभलने का मौका नहीं मिला और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर में घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की सूचना पुलिस और आपातकालीन सेवाओं को दी। सूचना पर गोपीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस तथा राष्ट्रीय राजमार्ग की क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाने की कार्रवाई शुरू कराई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल पर कंटेनर के पास से एक ड्राइविंग लाइसेंस भी बरामद हुआ है। इस पर नूर मोहम्मद पुत्र सिरदार का नाम दर्ज बताया जा रहा है। लाइसेंस हरियाणा से जारी होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, हादसे में जान गंवाने वाले दोनों चालकों की आधिकारिक पहचान की पुष्टि अभी पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। मौके पर पहुंचे एंबुलेंस पायलट राजेश यादव और ईएमटी सुरेंद्र यादव ने शवों को अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया। पुलिस दुर्घटना के कारणों, वाहनों की स्थिति और मृतकों की पहचान से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। देर रात हुए इस हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क किनारे खड़े वाहनों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। तकनीकी खराबी के कारण वाहन को हाईवे किनारे खड़ा करने की स्थिति में अन्य वाहन चालकों को समय रहते सतर्क करने और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने की जरूरत एक बार फिर सामने आई है।



कोयले के ढेर में 9 घंटे तक दबा रहा कंडक्टर, उमरिया में बड़ा सड़क हादसा, नदी में गिरा कोयले से लदा ट्रक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उमरिया। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। उचेहरा और घोरचत्र नदी के पास कोयले से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरा। हादसे के समय ट्रक में चालक और परिचालक सवार थे, जो वाहन के अंदर फंस गए। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंचे बचाव दल ने रातभर अभियान चलाया। इस दौरान ट्रक का परिचालक करीब नौ घंटे तक कोयले के ढेर और वाहन के क्षतिग्रस्त हिस्सों में दबा रहा। लंबी मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जानकारी के अनुसार, ट्रक शहडोल से कोयला लेकर कटनी की ओर जा रहा था। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 12 बजे उचेहरा और घोरचत्र नदी के पास अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया और नदी में पलट गया। हादसा इतना गंभीर था कि ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार चालक भगवान दास तथा परिचालक अंदर ही फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। हादसे की गंभीरता को देखते हुए क्रेन और जेसीबी मशीनों को बुलाया गया। इसके बाद वाहन में फंसे लोगों को निकालने के लिए रातभर बचाव अभियान चलाया गया। काफी प्रयासों के बाद चालक भगवान दास को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। उन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए पाली अस्पताल भेजा गया। वहीं, परिचालक को बाहर निकालना बचाव दल के लिए बड़ी चुनौती बन गया। ट्रक में भरा कोयला और वाहन के क्षतिग्रस्त हिस्से उसके बाहर निकलने में बाधा बन रहे थे। परिचालक को निकालने के लिए बचाव दल ने लगातार प्रयास जारी रखे। करीब नौ घंटे की मशक्कत के बाद सुबह उसे कोयले के ढेर से सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता मिली। बाहर निकाले जाने के बाद परिचालक को तत्काल 108 एंबुलेंस की सहायता से उपचार के लिए पाली अस्पताल भेजा गया। रातभर चले इस अभियान के दौरान घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा रही। हादसे और बचाव कार्य को देखने के लिए आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए थे। परिचालक के सुरक्षित बाहर निकलने के बाद प्रशासनिक अमले और परिजनों ने राहत की सांस ली। फिलहाल दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। यह दुर्घटना एक बार फिर भारी वाहनों की सुरक्षित आवाजाही और नदी के आसपास के मार्गों पर सतर्कता बरतने की आवश्यकता को सामने लाती है।



उज्जैन के होटल श्रीगंगा में जहरीली गैस से बड़ा हादसा, चैंबर में उतरे 4 लोगों की मौत, हथौड़े से तोड़कर निकाले शव

देवास मार्ग स्थित होटल श्रीगंगा में देर रात हुआ हादसा, बचाव के लिए पुलिसकर्मियों ने तोड़ा चैंबर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में देवास मार्ग स्थित होटल श्रीगंगा में शनिवार रात सफाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। होटल के अपशिष्ट चैंबर की सफाई करने के लिए अंदर उतरे चार लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। प्रारंभिक आशंका है कि चैंबर के भीतर बनी जहरीली गैस की चपेट में आने से यह हादसा हुआ। चारों लोग अंदर फंस गए थे। उन्हें बाहर निकालने के लिए पुलिसकर्मियों और बचाव दल को काफी मशक्कत करनी पड़ी। चैंबर का हिस्सा तोड़कर सभी को बाहर निकाला गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। इस दौरान कुछ अन्य कर्मचारी भी गैस की चपेट में आए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 10:30 बजे होटल के दायीं ओर बने अपशिष्ट चैंबर की सफाई का काम किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि होटल के कर्मचारी और कुछ निजी लोग सफाई के लिए चैंबर के अंदर उतरे थे। चैंबर में मिठाई और डेयरी उत्पादों के निर्माण से निकलने वाला कचरा, पानी, चाशनी, घी और तेल आदि के अवशेष जमा होते हैं। लंबे समय तक ऐसे अपशिष्ट के जमा रहने से चैंबर के भीतर गैस बनने की आशंका रहती है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, सफाई के दौरान अंदर मौजूद लोग इसी गैस की चपेट में आ गए और बाहर नहीं निकल सके। घटना की जानकारी मिलते ही होटल के अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे और पुलिस तथा आपातकालीन सेवाओं को सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस, एंबुलेंस और बचाव दल घटनास्थल पर पहुंच गए। हादसे की गंभीरता को देखते हुए उज्जैन के पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा भी अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। चैंबर के भीतर फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव कार्य शुरू किया गया, लेकिन चैंबर की बनावट और अंदर की स्थिति के कारण राहत कार्य में परेशानी आ रही थी। बचाव दल ने पहले बिजली से चलने वाले काटने के उपकरण की मदद से चैंबर का हिस्सा काटने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने हथौड़े की सहायता से चैंबर का फर्श तोड़कर अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी को बाहर निकालते ही मौके पर पुलिसकर्मियों ने जीवनरक्षक उपचार देने का प्रयास किया। इसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। रात देर तक घटनास्थल पर बचाव और राहत कार्य जारी रहा। इस हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान कमलेश पिता सोहनलाल और नितिन पिता ताराचंद, दोनों निवासी वाल्मीकि नगर उज्जैन, वाहिद निवासी सोमवारिया उज्जैन तथा मनोज मीणा निवासी झालावाड़, राजस्थान के रूप में हुई है। चारों की मौत से उनके परिवारों में शोक का माहौल है। वहीं, उन्हें बचाने के प्रयास में चैंबर के पास पहुंचे कुछ अन्य कर्मचारी भी गैस की चपेट में आ गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार, बचाव कार्य में शामिल अन्य कर्मचारियों की स्थिति सामान्य बताई गई है। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि होटल के अपशिष्ट चैंबर की सफाई के लिए कर्मचारी अंदर उतरे थे। प्रारंभिक तौर पर जहरीली गैस के कारण चार लोगों की मौत होने की आशंका है। मामले में राहत कार्य के साथ जांच भी की जा रही है। माधव नगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल शुरू कर दी है।



पंचायत में भ्रष्टाचार का मामला, सचिव और भाई को 10-10 साल की जेल, सरपंच बरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बड़वानी। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले की ग्राम पंचायत टाकली में भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी से जुड़े मामले में विशेष न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने पंचायत के तत्कालीन सचिव छतर सिंह गंगवाल और उसके भाई कुंवर सिंह गंगवाल को दोषी ठहराते हुए 10-10 साल के कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोनों पर 5-5 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। वहीं, मामले में आरोपी तत्कालीन सरपंच प्यार सिंह को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत टाकली में कथित भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी को लेकर लोकायुक्त कार्यालय इंदौर में 13 जून 2017 को सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर शिकायत दर्ज की गई थी। इसके बाद तत्कालीन सरपंच प्यार सिंह, पंचायत सचिव छतर सिंह गंगवाल और उसके भाई कुंवर सिंह गंगवाल के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला बनाया गया था। इस प्रकरण में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)(डी) और 13(2) के साथ भारतीय दंड संहिता की धारा 419, 420, 467, 468, 471 और 120बी के तहत आरोप लगाए गए थे। इनमें धोखाधड़ी, कूटरचना, जाली दस्तावेजों के उपयोग और आपराधिक षड्यंत्र से संबंधित धाराएं शामिल थीं। लोकायुक्त पुलिस ने मामले की जांच पूरी करने के बाद 18 जुलाई 2022 को विशेष न्यायालय बड़वानी में आरोप पत्र प्रस्तुत किया था। इसके बाद न्यायालय में प्रकरण की सुनवाई चली। सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर अदालत ने 31 अक्टूबर 2026 को अपना निर्णय सुनाया। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक इंदौर राजेश सहाय के अनुसार, न्यायालय ने पंचायत सचिव छतर सिंह गंगवाल और उसके भाई कुंवर सिंह गंगवाल को दोषी मानते हुए दोनों को 10-10 वर्ष के कारावास तथा 5-5 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। वहीं, तत्कालीन सरपंच प्यार सिंह के विरुद्ध आरोप प्रमाणित नहीं होने पर अदालत ने उन्हें संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया। करीब नौ वर्ष तक चली इस कानूनी कार्रवाई के बाद आए फैसले को पंचायत से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मामले में अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है, जबकि तीसरे आरोपी तत्कालीन सरपंच को बरी कर दिया है।



लेकिन प्यार से दे तो रख लेता हूं', रिश्वत पर बयान देने वाले एग्जीक्यूटिव इंजीनियर सस्पेंड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में जल संसाधन विभाग में कथित रिश्वतखोरी के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। लोकायुक्त की कार्रवाई के बाद कैमरे पर विवादित बयान देने वाले विभाग के कार्यपालन यंत्री सीबी अहिरवार को राज्य सरकार ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा था कि उनका या उपयंत्री का कोई निश्चित प्रतिशत तय नहीं है, लेकिन यदि कोई अपनी खुशी से कुछ दे देता है तो वे उसे रख लेते हैं। उनका यह बयान सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित होने के बाद चर्चा का विषय बन गया। दरअसल, सागर लोकायुक्त की टीम ने पन्ना में जल संसाधन विभाग के दो कर्मचारियों को 45 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। इनमें संभागीय लेखा अधिकारी दीपक सिंह परमार को 15 हजार रुपये और सहायक श्रेणी-2 अरविंद कुमार पाठक को 30 हजार रुपये लेते पकड़ा गया। यह कार्रवाई ग्वालियर निवासी ठेकेदार गौरव तोमर की शिकायत पर की गई। ठेकेदार ने मझगांय मध्यम परियोजना के अंतर्गत नहर के स्तूप निर्माण कार्य के अंतिम भुगतान के बदले रिश्वत मांगे जाने का आरोप लगाया था। शिकायत का सत्यापन करने के बाद लोकायुक्त पुलिस ने योजना बनाकर कार्रवाई की। ठेकेदार के अनुसार, निर्माण कार्य के तीन भुगतान पहले ही हो चुके थे, लेकिन चौथे और अंतिम बिल को स्वीकृत कराने के लिए लगातार पैसों की मांग की जा रही थी। उनका दावा है कि वे करीब तीन महीने से विभाग के चक्कर लगा रहे थे। इस दौरान उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि भुगतान के लिए कथित मांग पूरी करने के दबाव में उन्हें अपना काम और सामान तक गिरवी रखना पड़ा। लोकायुक्त की कार्रवाई के बाद पत्रकारों से कार्यपालन यंत्री सीबी अहिरवार से भुगतान में देरी और रिश्वतखोरी को लेकर सवाल किए। उन्होंने कहा कि भुगतान में देरी का कारण धनराशि की कमी हो सकती है और रिश्वत मांगना गलत है। हालांकि, बातचीत के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि उनका या उपयंत्री का कोई निश्चित प्रतिशत नहीं है, लेकिन कोई अपनी इच्छा से कुछ दे तो वे रख लेते हैं। इसी बयान को लेकर विवाद खड़ा हो गया। राज्य शासन ने उनके वक्तव्य को गंभीरता से लेते हुए निलंबन का आदेश जारी किया। आदेश के अनुसार, उनके बयान को कदाचरण की स्वीकारोक्ति मानते हुए मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियमों के प्रतिकूल माना गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय भोपाल स्थित जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता कार्यालय निर्धारित किया गया है। उधर, लोकायुक्त पुलिस ने गिरफ्तार दोनों कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। 3



mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (सोमवार)
02 नवंबर 2026

दिल्ली में महारैली के चलते 2.5 लाख दुकानें बंद रहने की आशंका

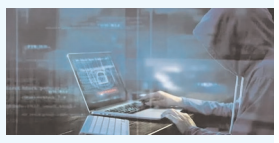
महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। रामलीला मैदान में 1 नवंबर को आयोजित महारैली के बीच दिल्ली के कारोबार पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) का दावा है कि रैली के कारण आसपास के बाजारों की करीब 2.5 लाख दुकानें बंद रह सकती हैं और दिल्ली के लगभग 80 प्रतिशत कारोबार पर असर पड़ सकता है। संगठन ने इस स्थिति को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चौथा पत्र लिखा है। सीटीआई के अनुसार, रामलीला मैदान के आसपास के बाजारों में करीब 3 लाख दुकानें हैं। रैली के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रतिबंध और भीड़ की आशंका के चलते व्यापारियों में चिंता का माहौल है। संगठन का कहना है कि इसका सीधा असर बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही और कारोबार पर पड़ सकता है। सीटीआई के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने बताया कि राहुल गांधी ने वीडियो संदेश जारी कर रैली में आने वाले लोगों से दिल्ली के बाजारों में खरीदारी करने और व्यापारियों की मदद करने की अपील की है। सीटीआई ने इस अपील का स्वागत किया है, लेकिन संगठन का कहना है कि जमीनी स्तर पर हालात अलग दिखाई दे रहे हैं। रैली को लेकर फैली आशंकाओं के कारण रामलीला मैदान के आसपास के बाजारों की लगभग 2.5 लाख दुकानें बंद रहने की संभावना है। संगठन ने जिन प्रमुख बाजारों पर असर पड़ने की आशंका जताई है, उनमें कश्मीरी गेट, मोरी गेट, जनपथ, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, खारी बावली, नया बाजार, सदर बाजार, अजमेरी गेट, दरियागंज, पहाड़गंज, कमला मार्केट, जामा मस्जिद, भागीरथ पैलेस, लाजपत राय मार्केट, किनारी बाजार, दरीबा कलां, बल्लीमारान, फतेहपुरी, तिलक बाजार, कनॉट प्लेस, पालिका बाजार और गफ्फार मार्केट शामिल हैं। बृजेश गोयल के मुताबिक, कारोबारियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती परिवहन व्यवस्था को लेकर है। उनका दावा है कि रामलीला मैदान के आसपास 10 किलोमीटर के दायरे में माल ढुलाई और परिवहन गतिविधियां लगभग ठप रहने की आशंका है। ऐसी स्थिति में दुकानों तक सामान पहुंचाने और बाजारों से माल बाहर भेजने में परेशानी हो सकती है। माल की चढ़ाई-उतराई प्रभावित होने से व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। सीटीआई ने अपने पत्र के माध्यम से रैली के कारण व्यापारियों को होने वाली संभावित परेशानियों की ओर ध्यान दिलाया है। हालांकि, दुकानें बंद रहने और कारोबार प्रभावित होने के आंकड़े संगठन की ओर से जताई गई आशंकाएं हैं।

एसयूवी में चल रहा था साइबर ठगी का कॉल सेंटर, दिल्ली पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। दिल्ली में साइबर ठगी के एक ऐसे कथित नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जो किसी कार्यालय या निश्चित ठिकाने से नहीं, बल्कि चलती एसयूवी से संचालित हो रहा था। आरोपियों ने गाड़ी को ही अपना मोबाइल कॉल सेंटर बना रखा था। पुलिस से बचने के लिए वे लगातार अपनी जगह बदलते रहते थे और इसी दौरान लोगों को फोन कर ठगी की वारदातों को अंजाम देने का आरोप है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से सात मोबाइल फोन, 15 बैंक, डेबिट और मेट्रो कार्ड, चेकबुक, पासबुक सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, मामले की शुरुआत मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के निवासी नीलेश की शिकायत से हुई। उन्होंने बताया कि उन्हें बीमा पॉलिसियों में निवेश किए गए 45 लाख रुपये वापस दिलाने का भरोसा दिया गया था। आरोपियों ने रकम वापस कराने की प्रक्रिया पूरी करने के नाम पर उनसे 65 हजार रुपये ले लिए। इसके बाद भी उन्हें कथित रूप से कोई राशि वापस नहीं मिली। शिकायत के आधार पर पूर्वी दिल्ली में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को हिमांशु राठौर से जुड़े एक बैंक खाते में संदिग्ध लेनदेन की जानकारी मिली। यह खाता राष्ट्रीय साइबर अपराध शिकायत पोर्टल पर भी संदिग्ध गतिविधियों से जुड़ा हुआ पाया गया था। बैंक खाते की पड़ताल और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान की। पुलिस ने पहले हिमांशु राठौर को पकड़ा और बाद में निगरानी के जरिए अन्य आरोपियों तक पहुंच बनाई। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों में 37 वर्षीय लोकेश तोमर, हिमांशु राठौर और 35 वर्षीय तुषार शामिल हैं। तीनों दिल्ली के निवासी बताए गए हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी किसी एक स्थान पर बैठकर लोगों को फोन नहीं करते थे, बल्कि एसयूवी में बैठकर अलग-अलग इलाकों में जाते और वहीं से अपना काम संचालित करते थे। पुलिस ने पूर्वी दिल्ली के ओल्ड कोंडली इलाके में गाड़ी को रोककर कार्रवाई की। पुलिस को संदेह है कि लोकेश तोमर नेटवर्क के कामकाज में तालमेल बैठाता था और कथित ठगी की रकम को अलग-अलग खातों में भेजने के लिए दूसरे लोगों के नाम पर इस्तेमाल होने वाले बैंक खातों का प्रबंधन करता था।

वैशाली-इंदिरापुरम वालों को राहत, किसानों के बढ़े मुआवजे की वसूली वाले नोटिस पर लगी रोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो



गाजियाबाद। वैशाली और इंदिरापुरम के आवंटियों को किसानों के बढ़े हुए मुआवजे की रकम जमा कराने के मामले में बड़ी राहत मिली है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) अब आवंटियों से सीधे यह रकम नहीं वसूलेगा। जिन लोगों को वसूली के नोटिस जारी किए जा चुके हैं, उन्हें फिलहाल कोई भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। भुगतान नहीं करने पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई भी नहीं की जाएगी। शासन की मदद से मुआवजे की भरपाई के लिए नई योजना तैयार की जाएगी। यह निर्णय शनिवार को कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा और जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल के बीच हुई बैठक में लिया गया। बैठक के बाद सुनील शर्मा ने बताया कि सरकार और जीडीए ऐसा विकल्प तलाश रहे हैं, जिससे किसानों को उनका बढ़ा हुआ मुआवजा भी मिल सके और स्थानीय आवंटियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी न पड़े। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतिम निर्णय होने तक नोटिस पाने वाले लोगों को परेशान होने या रकम जमा कराने की जरूरत नहीं है। बैठक में तुलसी निकेतन के करीब 2,250 फ्लैटों के पुनर्विकास का मुद्दा भी उठाया गया। जीडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि इस परियोजना के लिए 18 टीमें काम कर रही हैं। दो-तिहाई निवासियों की सहमति मिलने के बाद अगले महीने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके अलावा राजनगर एक्सटेंशन की आठ सड़कों की मरम्मत और बाहरी रिंग रोड का काम शुरू कराने की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। इन आठ सड़कों का नामकरण करने की योजना भी है। बैठक में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कदमों पर विचार किया गया। दरअसल, जीडीए ने वर्ष 1983 में किसानों की जमीन का अधिग्रहण कर वैशाली के छह सेक्टर और इंदिरापुरम के ज्ञानखंड तथा न्यायखंड में आवासीय योजनाएं विकसित की थीं। जमीन अधिग्रहण के बाद मुआवजे को लेकर किसान अदालत पहुंच गए थे। बाद में उच्चतम न्यायालय ने निर्धारित मानकों के अनुसार किसानों को बढ़ा हुआ मुआवजा देने का आदेश दिया। इसके बाद जीडीए ने मुआवजे की भरपाई के लिए स्थानीय आवंटियों और संपत्ति मालिकों को वसूली के नोटिस जारी करने शुरू कर दिए थे। जीडीए ने वैशाली में 2,300 रुपये और इंदिरापुरम में 1,350 रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से अतिरिक्त रकम वसूलने का प्रस्ताव रखा था।

मुंबई लोकल में महिलाओं के गुप्त वीडियो बनाकर एआई से तैयार करता था अश्लील तस्वीरें, 31 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुंबई। की लोकल ट्रेनों में सफर करने वाली महिलाओं की निजता से खिलवाड़ करने और उनकी तस्वीरों का दुरुपयोग करने का गंभीर मामला सामने आया है। मुंबई पुलिस की दक्षिण साइबर अपराध शाखा ने ऐसे ही एक मामले में 31 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह लोकल ट्रेनों में सफर करने वाली महिलाओं की बिना जानकारी और सहमति के चोरी-छिपे तस्वीरें और वीडियो बनाता था। इसके बाद कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से उनकी सामान्य तस्वीरों में आपत्तिजनक बदलाव कर अश्लील तस्वीरें तैयार करता और उन्हें सामाजिक माध्यम पर प्रसारित कर देता था। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन जब्त किया है, जिसमें कई महिलाओं की तस्वीरें और वीडियो मिलने की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार, मामले की शुरुआत 22 जून 2026 को हुई थी। रात करीब 8:35 बजे 19 वर्षीय महाविद्यालय की एक छात्रा अपनी सहेली के साथ चर्चगेट से विरार जाने वाली तेज लोकल ट्रेन के प्रथम श्रेणी के सामान्य डिब्बे में सफर कर रही थी। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने दोनों युवतियों की जानकारी और सहमति के बिना उनका वीडियो बना लिया। उस समय दोनों को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उनकी यात्रा के दौरान कोई व्यक्ति उनकी गतिविधियों को कैमरे में दर्ज कर रहा है। इसके बाद 27 जून को आरोपी ने 'pile6531' नाम के सामाजिक माध्यम खाते से उस वीडियो की एक रील तैयार कर अश्लील गाने के साथ प्रसारित कर दी। देखते ही देखते यह रील बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच गई और इसे 1.11 लाख से अधिक बार देखा गया। वीडियो की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित छात्रा ने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए दक्षिण साइबर पुलिस थाने में 19 अक्टूबर 2026 को प्राथमिकी दर्ज की गई। जांच शुरू होने के बाद पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती आरोपी की पहचान करना था। आरोपी ने सामाजिक माध्यम पर अपनी असली पहचान छिपाने के लिए 'Playbo4' नाम से फर्जी खाता बना रखा था। इतना ही नहीं, उसने खाते की पहचान तस्वीर के रूप में किसी लड़की की तस्वीर लगा रखी थी, जिससे पुलिस को शुरुआती स्तर पर उसके बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही थी। इसके बावजूद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, खाते से जुड़ी गतिविधियों और डिजिटल जानकारी का कई स्तरों पर विश्लेषण किया। लगातार जांच के बाद पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद साबिर मोहम्मद रुस्तम (31) के रूप में हुई है। वह पेशे से दर्जी है और पालघर जिले के वसई पूर्व इलाके में रहता है। मूल रूप से वह उत्तर प्रदेश के मेरठ का निवासी बताया गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन जब्त किया है। इसी मोबाइल की जांच के दौरान पुलिस को कई महिलाओं की तस्वीरें और वीडियो मिले। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी केवल एक महिला का वीडियो बनाने तक सीमित नहीं था। पुलिस के मुताबिक, उसने अलग-अलग महिलाओं की तस्वीरें और वीडियो चोरी-छिपे अपने मोबाइल में जमा किए थे। बाद में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े अनुप्रयोगों का इस्तेमाल कर महिलाओं की सामान्य तस्वीरों में डिजिटल बदलाव किए जाते थे और उन्हें अश्लील रूप देकर सामाजिक माध्यम पर प्रसारित किया जाता था। पुलिस का दावा है कि आरोपी इस तरह की सामग्री अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और अपने खातों पर दृश्य संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार करता था। इस मामले ने लोकल ट्रेनों और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की निजता तथा डिजिटल सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। तकनीक का दुरुपयोग कर किसी व्यक्ति की सामान्य तस्वीर को आपत्तिजनक रूप देना न केवल उसकी प्रतिष्ठा और निजता को नुकसान पहुंचा सकता है।

दिल्ली में 13 साल का बच्चा अगवा, पुलिस ने 5 हजार UPI पेमेंट कर 3 घंटे में किडनैपर दबोचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। दिल्ली के ज्योति नगर इलाके में 13 वर्षीय बच्चे के अपहरण का मामला सामने आया है। आरोपी ने बच्चे को छोड़ने के बदले उसकी मां से 40 हजार रुपये की फिरौती मांगी थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महज तीन घंटे के भीतर बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने योजना के तहत पांच हजार रुपये का ऑनलाइन भुगतान कराया। जैसे ही आरोपी रकम लेने साइबर कैफे पहुंचा, पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, 30 अक्टूबर की शाम करीब 7:14 बजे ज्योति नगर थाने में 13 वर्षीय बच्चे के लापता होने की सूचना मिली थी। बच्चे की मां ने बताया कि उनका बेटा कुछ सामान खरीदने के लिए घर से निकला था, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटा। इसी बीच एक अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने बच्चे को सुरक्षित छोड़ने के बदले 40 हजार रुपये की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। निरीक्षक प्रवेश कसाना के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की तस्वीरें खंगालीं और तकनीकी निगरानी के माध्यम से आरोपी की तलाश शुरू की। जांच के दौरान आरोपी ने दोबारा फोन कर फिरौती की रकम मांगी। उसने नकद पैसे लेने के बजाय ऑनलाइन भुगतान करने को कहा और इसके लिए एक बारकोड भेजा। आरोपी को पकड़ने की योजना के तहत पुलिस टीम ने एक पुलिसकर्मी के खाते से उस बारकोड पर पांच हजार रुपये भेज दिए। जांच में पता चला कि यह भुगतान करावल नगर थाना क्षेत्र में स्थित एक साइबर कैफे के खाते में पहुंचा था। पुलिस ने कैफे संचालक सुनील सैनी से पूछताछ की। उन्होंने बताया कि करीब 21-22 साल का एक युवक एक नाबालिग बच्चे के साथ कैफे आया था। युवक ने 50 रुपये कमीशन देने की बात कहकर कैफे के बारकोड के माध्यम से पांच हजार रुपये प्राप्त किए थे। इसके बाद पुलिस ने कैफे में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी। शिकायतकर्ता महिला ने फुटेज में अपने बेटे को पहचान लिया। आरोपी तक पहुंचने के लिए पुलिस ने उसी बारकोड पर दोबारा पांच हजार रुपये का भुगतान कराया। कुछ समय बाद आरोपी बच्चे के साथ फिर साइबर कैफे पहुंचा और रकम लेने लगा। इसी दौरान पहले से तैनात पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया और बच्चे को सुरक्षित छुड़ा लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान आकाश (22) निवासी लोनी, गाजियाबाद के रूप में की है। पूछताछ में उसने बताया कि वह सदर बाजार इलाके में सामान पहुंचाने वाले सहायक के रूप में काम करता है। वह बच्चे को अपने एक रिश्तेदार के माध्यम से जानता था। आरोप है कि उसने बच्चे को स्कूटी पर बैठाकर अपने साथ ले जाने के बाद उसकी मां को फोन किया और फिरौती की मांग की। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल स्कूटी, मोबाइल फोन और पांच हजार रुपये बरामद किए हैं।

मुंबई-पुणे द्रुतमार्ग पर ट्रक से टकराकर एक किलोमीटर तक घिसटती रही कार, मृत दंपती के परिवार को 1.80 करोड़ रुपये मुआवजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुंबई। मुंबई-पुणे द्रुतमार्ग पर वर्ष 2018 में हुए भीषण सड़क हादसे में जान गंवाने वाले दंपती के परिवार को मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने 1 करोड़ 80 लाख 99 हजार 232 रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। न्यायाधिकरण ने हादसे के लिए कार चालक को 70 प्रतिशत और ट्रक चालक को 30 प्रतिशत जिम्मेदार माना है। 29 अक्टूबर को दिए गए फैसले में न्यायाधिकरण की सदस्य गौरी कवडिकर ने कहा कि वाहन चलाते समय आगे चल रहे वाहन से सुरक्षित दूरी बनाए रखना चालक की जिम्मेदारी है। यह हादसा 23 दिसंबर 2018 को हुआ था। अंकित भूपिंदरसिंह चुघ अपनी वैगनआर कार चला रहे थे। कार में उनकी पत्नी संजना और दो नाबालिग बच्चे भी सवार थे। इसी दौरान उनकी कार आगे चल रहे ट्रक से पीछे से टकरा गई। आरोप था कि ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए थे। टक्कर के बाद कार एक किलोमीटर से अधिक दूरी तक सड़क पर घिसटती चली गई। हादसे में अंकित और संजना गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में पनवेल के एक ग्रामीण अस्पताल में दोनों की मौत हो गई। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधिकरण ने माना कि आगे चल रहे वाहन के अचानक ब्रेक लगाने पर हर परिस्थिति में पीछे चल रहे वाहन के चालक को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि, यदि कार चालक ने पर्याप्त दूरी बनाए रखी होती और गति नियंत्रित रखी होती तो वह समय रहते वाहन रोककर टक्कर से बच सकता था। इसी आधार पर कार चालक अंकित चुघ को 70 प्रतिशत जिम्मेदार माना गया। वहीं ट्रक चालक की तेज और लापरवाही से वाहन चलाने को हादसे की 30 प्रतिशत जिम्मेदारी के लिए उत्तरदायी ठहराया गया। मामले में ट्रक की बीमा कंपनी ने दलील दी थी कि वाहन का परमिट केवल राजस्थान और गुजरात के लिए वैध था तथा महाराष्ट्र में वाहन चलाने के लिए परमिट का विस्तार नहीं कराया गया था। इस पर न्यायाधिकरण ने आदेश दिया कि बीमा कंपनी पहले मृत दंपती के परिवार को मुआवजे की पूरी राशि का भुगतान करेगी। इसके बाद उसे ट्रक मालिक से यह रकम वसूलने का अधिकार होगा। न्यायाधिकरण ने दंपती की आय और अन्य तथ्यों के आधार पर मुआवजे की राशि तय की। इसमें संजना चुघ की मृत्यु के लिए 92 लाख 53 हजार 500 रुपये और अंकित चुघ की मृत्यु के लिए 88 लाख 45 हजार 732 रुपये शामिल हैं। संजना माउंट लिट्रा जी स्कूल में कार्यरत थीं, जबकि अंकित डेल इंटरनेशनल सर्विसेज में वरिष्ठ वितरण विशेषज्ञ के पद पर काम करते थे।

मुंबई में BMW सवार महिला की दबंगई! ट्रैफिक पुलिस पर कार चढ़ाने की कोशिश, फिर धमकी देकर भागी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुंबई। मुंबई के जुहू इलाके में बीएमडब्ल्यू कार चला रही एक महिला पर यातायात पुलिसकर्मी के साथ अभद्र व्यवहार करने, उसे झूठे मामले में फंसाने की धमकी देने और उसके ऊपर कार चढ़ाने की कोशिश करने का आरोप लगा है। घटना के बाद महिला अपनी कार लेकर मौके से फरार हो गई। मामले की शिकायत मिलने पर जुहू पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। सड़क पर हुई मामूली टक्कर के बाद शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते पुलिसकर्मी के साथ कथित टकराव में बदल गया। जानकारी के अनुसार, घटना 30 अक्टूबर 2026 की रात करीब 8:15 से 8:30 बजे के बीच विलेपार्ले पश्चिम इलाके में एनएस रोड नंबर 10 स्थित प्रतीक्षा बंगले के सामने संगीत महाभारती चौराहे पर हुई। उस समय सांताक्रुज यातायात विभाग में तैनात पुलिस कांस्टेबल प्रशांत गोकुल हाके अपनी ड्यूटी पर थे और चौराहे पर यातायात व्यवस्था संभाल रहे थे। इसी दौरान एक बीएमडब्ल्यू कार की वैगनआर कार से मामूली टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहन चालकों ने अपनी गाड़ियां सड़क के बीचोंबीच रोक दीं। इससे चौराहे पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने लगी और यातायात बाधित हो गया। सड़क के बीच वाहन खड़े होने से अन्य वाहन चालकों को भी परेशानी होने लगी। मौके पर मौजूद कांस्टेबल प्रशांत हाके ने स्थिति को देखते हुए दोनों वाहन चालकों को अपनी-अपनी गाड़ियां सड़क के किनारे लगाने के निर्देश दिए। उनका उद्देश्य सड़क पर यातायात को सामान्य कराना था, ताकि अन्य वाहन बिना रुकावट निकल सकें। हालांकि, आरोप है कि बीएमडब्ल्यू चला रही महिला ने पुलिसकर्मी के निर्देशों का पालन करने के बजाय उससे बहस शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, महिला पुलिसकर्मी से उलझ गई और उसे झूठे मामले में फंसाने की धमकी देने लगी। विवाद बढ़ने के दौरान उसने कथित तौर पर पुलिसकर्मी के ऊपर कार चढ़ाने की कोशिश भी की। कांस्टेबल ने महिला को रुकने के लिए कहा, लेकिन उसने उनकी बात नहीं मानी और कार तेज गति से चलाकर मौके से फरार हो गई। इस घटना के बाद पुलिसकर्मी ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को पूरे मामले की जानकारी दी। घटना की शिकायत के आधार पर जुहू पुलिस थाने में महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की पहचान और तलाश शुरू की। इसके बाद कार्रवाई करते हुए महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। उप पुलिस आयुक्त मोहित गर्ग ने बताया कि यातायात पुलिस कांस्टेबल प्रशांत गोकुल हाके की शिकायत पर महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अब घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि सड़क दुर्घटना के बाद विवाद किन परिस्थितियों में बढ़ा और पुलिसकर्मी के साथ कथित तौर पर हुई घटना के दौरान क्या-क्या हुआ। मामले से जुड़े साक्ष्यों और शिकायत के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं, इस घटना ने सड़क पर मामूली दुर्घटना होने के बाद वाहन चालकों के व्यवहार और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के दौरान पुलिसकर्मियों के सामने आने वाली चुनौतियों को भी चर्चा में ला दिया है।

4 नवंबर से शिवाजीनगर-मान हिंजवड़ी रूट पर सफर होगा आसान

महानगर मेट्रो ब्यूरो



पुणे। पुणे के हिंजवडी सूचना प्रौद्योगिकी पार्क और शहर के प्रमुख इलाकों के बीच रोजाना सफर करने वाले हजारों लोगों के लिए बड़ी राहत मिलने जा रही है। बहुप्रतीक्षित पुणे मेट्रो की तीसरी लाइन का उद्घाटन 3 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से करेंगे। इसके अगले दिन यानी 4 नवंबर से माण-हिंजवडी से शिवाजीनगर के बीच आम यात्रियों के लिए मेट्रो सेवा शुरू हो जाएगी। शुरुआत में इस मार्ग के कुल 23 में से 17 स्टेशन यात्रियों के लिए खोले जाएंगे। इस परियोजना के शुरू होने से हिंजवडी सूचना प्रौद्योगिकी पार्क और पुणे शहर के बीच आवागमन पहले की तुलना में अधिक सुगम होने की उम्मीद है। उद्घाटन समारोह 3 नवंबर को सुबह 10:30 बजे म्हालुंगे-बालेवाड़ी स्थित श्री शिवछत्रपति खेल परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार मौजूद रहेंगे। पुणे महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण के महानगर आयुक्त डॉ. अभिजीत चौधरी और पुणे आईटी सिटी मेट्रो रेल लिमिटेड के अधिकारियों ने पत्रकारों को परियोजना की तैयारियों और संचालन से जुड़ी जानकारी दी। करीब 23.203 किलोमीटर लंबी यह पूरी तरह ऊंचे मार्ग पर बनी मेट्रो लाइन 'पुणेरी मेट्रो' और 'पिंक लाइन' के नाम से जानी जाएगी। यह माण से शुरू होकर हिंजवडी के राजीव गांधी सूचना प्रौद्योगिकी पार्क होते हुए शिवाजीनगर तक पहुंचेगी। परियोजना की कुल अनुमानित लागत 8,313 करोड़ रुपये है। इसका निर्माण सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की भागीदारी वाले प्रारूप के तहत किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, देश में इस प्रारूप पर लागू होने वाली यह पहली मेट्रो परियोजना है। पहले चरण में यात्रियों के लिए माण, माण औद्योगिक क्षेत्र चौराहा, माण बस डिपो, हिंजवडी चरण-2 के चौराहे, पद्मभूषण चौक, शिवछत्रपति शिवाजी महाराज चौक, हिंजवडी चरण-1, वाकड चौक, श्री शिवछत्रपति खेल परिसर, मिटकॉन, आरके लक्ष्मण संग्रहालय, औंध, सकालनगर, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, कृषि महाविद्यालय और जिला एवं सत्र न्यायालय सहित कुल 17 स्टेशन खोले जाएंगे। शेष छह स्टेशनों का काम चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। इनमें से दो स्टेशनों का निर्माण नवंबर 2026 के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है, जबकि बाकी चार स्टेशन जनवरी 2027 तक यात्रियों के लिए शुरू किए जाने की संभावना है। स्टेशनों पर यात्रियों की आवाजाही को लेकर भी विशेष व्यवस्था की गई है। फिलहाल सात स्टेशनों पर केवल एक सीढ़ी यात्रियों के लिए खुली रहेगी, जबकि अन्य 10 स्टेशनों पर दोनों सीढ़ियों का इस्तेमाल किया जा सकेगा।

शाइना एनसी का विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला, बोलीं- अब इनके पास कोई मुद्दा नहीं बचा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना नेता और प्रवक्ता शाइना एनसी ने विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उसके पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है। विपक्ष कभी चुनाव आयोग, कभी मतदान मशीन, कभी प्रधानमंत्री तो कभी उच्चतम न्यायालय का अपमान करता है। उन्होंने कहा कि दिवाली के समय विरोध प्रदर्शनों से व्यापारियों को नुकसान हो रहा है। उनके अनुसार, इससे 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। विपक्ष को अपनी राजनीति के साथ व्यापारियों और आम जनता के हितों का भी ध्यान रखना चाहिए। सरदार वल्लभभाई पटेल को याद करते हुए शाइना एनसी ने कहा कि उन्होंने 565 रियासतों को एकजुट कर भारत को एक सूत्र में पिरोया था। उन्हें एकीकृत भारत का शिल्पकार कहा जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी स्मृति में एकता की प्रतिमा के माध्यम से उन्हें सम्मान देने का अभियान चलाया है। राहुल गांधी की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर की गई टिप्पणी पर शाइना एनसी ने कहा कि उन्हें संघ के 100 वर्षों के योगदान को समझने के लिए उसके इतिहास और विचारधारा का अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस पर बयानबाजी करने और प्रधानमंत्री के परिवार के खिलाफ गलत भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि 2029 के चुनाव में भी कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ेगा। किसानों के मुद्दे पर उद्धव ठाकरे की पार्टी के प्रस्तावित आंदोलन को लेकर उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर विपक्ष किसके लिए आंदोलन कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने दिवाली के अवसर पर किसानों को 5,000 रुपये देने का निर्णय लिया है, ताकि त्योहार के समय किसी परिवार की खुशियां प्रभावित न हों। उन्होंने विपक्ष को किसानों के लिए जमीनी स्तर पर काम करने की सलाह दी। महायुति में मतभेद की अटकलों को खारिज करते हुए शाइना एनसी ने कहा कि गठबंधन में कोई अंतर नहीं है। हार और जीत के बाद समीक्षा करना सामान्य प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि महायुति की विचारधारा हिंदुत्व के प्रति प्रतिबद्ध है और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में महाराष्ट्र तथा देश के विकास के लिए काम किया जा रहा है। सिंहस्थ कुंभ मेले को लेकर विपक्ष की ओर से लगाए जा रहे आरोपों पर भी उन्होंने जवाब दिया और कहा कि सरकार पारदर्शिता तथा जवाबदेही के साथ अपना काम करती रहेगी।

चीनी के दाम एक सप्ताह में 62 रुपए बढ़े

चावल, गेहूं, अधिकतर दालें और खाद्य तेल भी हुए महंगे

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह घरेलू थोक जिंस बाजारों में आम उपभोक्ताओं को महंगाई का झटका लगा है। चीनी, चावल, गेहूं, दालों और खाद्य तेलों सहित अधिकतर आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी दर्ज की गई है। चीनी लगातार चौथे सप्ताह महंगी हुई है, जिसके खुदरा बाजार में भी दाम बढ़े हैं। थोक बाजारों में बीते सप्ताह चीनी औसतन 62 रुपये प्रति क्विंटल महंगी होकर 5,506 रुपये पर पहुंच गई, जबकि खुदरा बाजार में यह 58 पैसे प्रति किलोग्राम बढ़कर 59.18 रुपये हो गई। हालांकि, गुड़ के भाव में 3 रुपये की नरमी रही। अनाज खंड में भी तेजी देखने को मिली। चावल की औसत कीमत 70 रुपये बढ़कर 4,377 रुपये प्रति क्विंटल हो गई, वहीं गेहूं 29 रुपये महंगा होकर 2,939 रुपये और आटा 18 रुपये बढ़कर 3,395 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। दालों में भी उछाल रहा; तुअर दाल 162 रुपये, चना दाल 69 रुपये, मूंग दाल 34 रुपये और उड़द दाल 31 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। इसके विपरीत, मसूर दाल 33 रुपये सस्ती हुई। खाद्य तेलों में भी कीमतें बढ़ीं। सरसों तेल सर्वाधिक 233 रुपये, पाम ऑयल 51 रुपये, सूरजमुखी तेल 39 रुपये, सोया तेल 12 रुपये और मूंगफली तेल 11 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। हालांकि, वनस्पति तेल में 52 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गई।

1 दिन में 28.6 फीसदी टूटा, इंटेल का शेयर, एआई खर्च पर निवेशकों ने उठाए सवाल

न्यूयॉर्क।

अमेरिकी चिप निर्माता कंपनी इंटेल के शेयर एक ही दिन में 28.6 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई है । इस गिरावट ने वैश्विक शेयर बाजार में निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। दरअसल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दौड़ में आगे निकलने के लिए इंटेल बड़े पैमाने पर निवेश कर रही है। कंपनी के डेटा सेंटर, चिप निर्माण और एआई तकनीक से जुड़े खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। निवेशकों को इन भारी खर्चों के मुकाबले मुनाफे और भविष्य की कमाई पर कोई बेहतर भविष्य दिखाई नहीं दे रहा है। निवेशक कंपनी के प्रबंधन से सवाल कर रहे हैं। एआई पर लगाए जा रहे अरबों डॉलर का वास्तविक आर्थिक लाभ निवेशकों को कब मिलेगा। इसको लेकर निवेशक आशंकित हैं।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की बिक्री 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली ।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की अक्टूबर, 2026 में थोक बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 8,013 वाहन पर पहुंच गई।कंपनी के अनुसार, हाल ही में पेश किए गए मॉडल एमजी हेक्टर टॉमहॉक ईवी और विंडसर इंडल्ज एडिशन को ग्राहकों की जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है। देशभर में इन मॉडल की डिलिवरी में भी तेजी देखने को मिल रही है।जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन की एसएआईसी मोटर का संयुक्त उद्यम है।

हुंदै की बिक्री 17.7 प्रतिशत बढ़कर 82,299 इकाई पर

नई दिल्ली ।

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने अक्टूबर में अब तक की सबसे ज्यादा मासिक बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने बीते माह घरेलू बाजार और निर्यात मिलाकर कुल 82,299 वाहनों की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 17.7 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी ने रविवार को जारी बयान में बताया कि अक्टूबर में उसकी घरेलू बिक्री 16.7 प्रतिशत बढ़कर 62,799 इकाई रही। वहीं निर्यात में 21.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह बढ़कर 19,500 इकाई पर पहुंच गया। हुंदै मोटर इंडिया के अधिकारी ने कहा कि त्योहारी मांग में मजबूती और घरेलू एवं निर्यात बाजारों में बेहतर प्रदर्शन के चलते कंपनी ने बिक्री का नया रिकॉर्ड हासिल किया है। खबरों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में देश में इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री 29.7 प्रतिशत बढ़कर 26.59 लाख इकाई तक पहुंच गई। वहीं, भारत में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग केंद्रों का बाजार वर्ष 2025 के 6,139 करोड़ रुपये से बढ़कर 2030 तक 21,940 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

तिमाही नतीजे,आर्थिक आंकड़े और वैश्विक संकेत तय करेंगे नई दिशा

निवेशकों की नजर अब ऑटो बिक्री, पीएमआई और दिग्गज कंपनियों के आय पर

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए यह हफ्ता बेहद महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। पिछले हफ्ते की जोरदार तेजी के बाद अब निवेशकों की निगाहें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक घटनाक्रमों पर टिकी रहेंगी। ये सभी कारक बाजार की आगे की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। आने वाले हफ्ते में ऑटो कंपनियों के अक्टूबर महीने के बिक्री आंकड़े और मैन्युफैक्चरिंग तथा सर्विसेज पीएमआई रिपोर्ट्स जारी होंगी। इसके साथ ही आईटीसी, मैरिको, पेट्रोनेट एलएनजी, अपोलो हॉस्पिटल्स, बीएसई, डाबर, एलआईसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और हिंडाल्को जैसी नौ दिग्गज कंपनियां अपने दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित करेंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका में मिडटर्म चुनाव, रोजगार के आंकड़े और एप्पल व एएमडी जैसी बड़ी कंपनियों के नतीजे भी बाजार को प्रभावित करेंगे। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार ने शानदार वापसी करते हुए जबरदस्त बढ़त दर्ज की। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को स्थिर रखने, कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों और फार्मा व आईटी शेयरों में आई मजबूत खरीदारी ने बाजार के उत्साह को बढ़ाया। सेक्टरवार प्रदर्शन में फार्मा और हेल्थकेयर में 7 फीसदी तक की जोरदार तेजी देखने को मिली, जबकि मीडिया, कैपिटल मार्केट्स और रियल्टी ने भी अच्छा प्रदर्शन किया।

संस्थागत निवेशकों के मोर्चे पर, अक्टूबर में विदेशी निवेशकों ने 45,161 करोड़ रुपये के शेयरों की भारी बिकवाली की। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 62,220 करोड़ रुपये की मजबूत खरीदारी कर बाजार को सहारा दिया, जिससे एफआईआई की बिकवाली का असर काफी हद तक संतुलित रहा। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और मध्य पूर्व का तनाव चिंता का विषय बना हुआ है, जिसका सीधा असर भारत के आयात बिल और महंगाई पर पड़ सकता है। शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में नैस्डैक और एसएंडपी में आई गिरावट भी अगले हफ्ते घरेलू बाजार पर दबाव डाल सकती है।

तकनीकी स्तर पर, निफ्टी के लिए 23,150 से 23,160 का स्तर बड़ा रेजिस्टेंस है, जिसके पार जाने पर 23,500 तक की तेजी संभव है, जबकि नीचे 22,845 अहम सपोर्ट रहेगा। निवेशकों को आगामी हफ्तों में घोषित होने वाले आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक संकेतों पर पैनी नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है।

सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट

धनतेरस और दीपावली पर खरीदारों की बल्ले-बल्ले

मुंबई ।



धनतेरस और दीपावली से पहले भारतीय सराफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव और अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण कीमती धातुओं के भाव नीचे आए हैं। 31 अक्टूबर को दिल्ली के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना 3,200 रुपये गिरकर 1.42 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी 4,200 रुपये टूटकर 1.86 लाख रुपये प्रति किलो रह गई। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 30 अक्टूबर को 24 कैरेट सोने का बंद भाव 1,40,054 रुपये और चांदी का भाव 1,81,344 रुपये प्रति किलो था। कीमतों में गिरावट से त्योहारों पर आभूषण खरीदने की तैयारी कर रहे परिवारों को राहत मिली है। ज्वेलरी कारोबारियों को भी उम्मीद है कि कम कीमतों के चलते धनतेरस और दीपावली पर खरीदारी बढ़ेगी। हालांकि बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

महिंद्रा की बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 1,31,109 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर

कंपनी का निर्यात 77 प्रतिशत बढ़कर 7,102 इकाई रहा

नई दिल्ली ।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की कुल वाहन बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 1,31,109 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। कंपनी के मुताबिक अक्टूबर में निर्यात सहित कुल बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान निर्यात 77 प्रतिशत बढ़कर 7,102 इकाई रहा। घरेलू यात्री वाहन बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 73,338 इकाई हो गई, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री चार प्रतिशत की वृद्धि के साथ 33,037 इकाई रही। कंपनी के एक अ धिकारी ने कहा कि अक्टूबर में कंपनी की एसयूवी बिक्री 73,338 इकाई और कुल वाहन बिक्री 1,31,109 इकाई रही, जो किसी भी महीने में अब तक का सर्वोच्च स्तर है। उन्होंने कहा कि त्योहारी मौसम और नए सिरे से पेश किए गए उत्पादों की वजह से एसयूवी, पिकअप और तिपहिया वाहनों की मांग मजबूत बनी रही। कंपनी के पहले सीएनजी वाहन एक्सयूवी 3एक्सओ जेडएनजी को भी ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। वाणिज्यिक वाहन श्रेणी में इलेक्ट्रिक वाहन सहित तिपहिया वाहनों की बिक्री 38 प्रतिशत बढ़कर 17,632 इकाई हो गई। वहीं, दो से 3.5 टन क्षमता वाले हल्के वाणिज्यिक वाहनों (एलसीवी) की बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 28,654 इकाई रही। हालांकि, दो टन से कम क्षमता वाले हल्के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री चार प्रतिशत घटकर 4,383 इकाई रह गई।

भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई ने अक्टूबर में निकाले 34,843 करोड़

इस साल अब तक कुल निकासी 2.95 लाख करोड़ पहुंची

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी का सिलसिला अक्टूबर महीने में भी जारी रहा। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में भारतीय शेयरों से 34,843 करोड़ रुपये की बड़ी निकासी की है, जो लगातार दूसरा महीना है जब उन्होंने बाजार से भारी मात्रा में पैसा निकाला है। हालांकि, अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में विदेशी निवेशकों ने फिर से खरीदारी की, जिससे निकट अवधि में निवेश धारणा में सुधार के संकेत मिले हैं। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में 34,843 करोड़ रुपये की निकासी से पहले, सितंबर में भी एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। इस भारी बिकवाली के बाद, इस साल अब तक भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों की कुल निकासी बढ़कर 2.95 लाख करोड़ रुपये हो गई है। इससे पहले जुलाई और अगस्त में उन्होंने क्रमशः 20,200 करोड़ रुपये और 29,631 करोड़ रुपये का निवेश किया था। बिकवाली के कारण और वापसी के संकेत- बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, अक्टूबर के दौरान विदेशी निवेशकों की बिकवाली के प्रमुख कारण कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, वैश्विक ब्याज दरों को लेकर चिंता और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल का आकर्षक होना रहे। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भारत में महंगाई बढ़ाने के साथ कंपनियों के मुनाफे पर भी दबाव डाल सकती हैं, जिससे निवेशकों का रुझान प्रभावित हुआ। हालांकि, अक्टूबर के अंतिम सप्ताह (26 से 30 अक्टूबर) के दौरान विदेशी निवेशकों ने लगभग 6,300 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया, जो एक सकारात्मक बदलाव है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को स्थिर रखने का फैसला, भारत की बड़ी कंपनियों के शेयरों का आकर्षक मूल्यांकन और घरेलू अर्थव्यवस्था में निरंतर वृद्धि के संकेत इस वापसी के संभावित कारण हो सकते हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि केवल एक सप्ताह की खरीदारी को विदेशी पूंजी की वापसी का स्थायी संकेत नहीं माना जा सकता। विदेशी निवेशकों की खरीदारी आगे भी जारी रहेगी या नहीं, यह काफी हद तक वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, कच्चे तेल की कीमतों और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर निर्भर करेगा। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर जारी भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं भी इस तेजी की गति को सीमित कर सकती हैं।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर तेल कंपनियों की अंडर-रिकवरी बढ़कर 370 रुपए होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

दिसंबर 2026 तक 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर तेल कंपनियों की अंडर-रिकवरी बढ़कर लगभग 370 रुपये होने का अनुमान है। अंडर-रिकवरी का मतलब गैस सिलेंडर की वास्तविक लागत और उपभोक्ताओं से वसूली जाने वाली कीमत के बीच का अंतर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतें बढ़ने के बावजूद घरेलू सिलेंडर निर्धारित कीमत पर बेचे जा रहे हैं, जिससे कंपनियों को नुकसान हो रहा है। जानकारों के अनुसार नवंबर 2026 में घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर अंडर-रिकवरी लगभग 309 रुपये रहने का अनुमान है, जबकि दिसंबर में यह बढ़कर 370 रुपये तक पहुंच सकती है। सितंबर में यह अंतर लगभग 184 रुपये प्रति सिलेंडर था, जो अक्टूबर में बढ़कर 229 रुपये हो गया। लगातार बढ़ते अंतर से तेल विपणन कंपनियों पर वित्तीय दबाव बढ़ रहा है। वै श्विक बाजार में सऊदी अनुबंध मूल्य बढ़कर 756 डॉलर प्रति टन पहुंचने से घरेलू गैस की लागत में भी इजाफा हुआ है। सिलेंडर की खरीद, परिवहन, वितरण और अन्य खर्चों को जोड़ने के बाद कंपनियों की वास्तविक लागत घरेलू बाजार में तय बिक्री मूल्य से अधिक हो रही है। दिल्ली में घरेलू सिलेंडर की कीमत लगभग 942 रुपये होने के बावजूद कंपनियों को अनुमानित 370 रुपये प्रति सिलेंडर का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

भारत की प्रमुख सरकारी तेल कंपनियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन इस अंतर का सामना कर रही हैं। भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने भी हजारों करोड़ रुपये की अंडर-रिकवरी दर्ज की है।

ऐसी स्थिति में कंपनियां सरकारी वित्तीय सहायता की उम्मीद करती हैं। मुआवजा मिलने तक नुकसान की भरपाई के लिए दूसरे व्यावसायिक क्षेत्रों से होने वाली कमाई का इस्तेमाल किया जाता है। इसे क्रॉस-सब्सिडी कहा जाता है। याकि कमर्शियल एलपीजी, विमान ईंधन या अन्य कारोबार से होने वाले लाभ के जरिए घरेलू गैस की बिक्री से हुए नुकसान को पूरा करने की कोशिश की जाती है।

अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 2.31 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली ।

देश का कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अक्टूबर में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज करते हुए 2.31 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया है। सरकार द्वारा रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार घरेलू गतिविधियों में मजबूती और आयात से प्राप्त राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि इस उछाल के प्रमुख कारण रहे। आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में घरेलू बिक्री से जीएसटी संग्रह 16 प्रतिशत बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, वहीं आयात से प्राप्त राजस्व में 42 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई और यह बढ़कर 72,246 करोड़ रुपये हो गया। कुल जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) का योगदान 42,935 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का 51,340 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी का योगदान 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। रिफंड के समायोजन के बाद, अक्टूबर में शुद्ध जीएसटी संग्रह 26 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर तक सकल जीएसटी संग्रह 13.2 प्रतिशत बढ़कर 14.77 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जो इस सकारात्मक प्रवृत्ति को दर्शाता है।

लोढ़ा डेवलपर्स गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स में कार्यालय परिसर बनाएगी

1,200 करोड़ करेगी निवेश, मुंबई मुख्यालय वाली कंपनी की यह एनसीआर में पहली परियोजना होगी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स ने दिल्ली-एनसीआर के संपत्ति बाजार में कदम रखते हुए गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर करीब 1,200 करोड़ रुपये के निवेश से प्रीमियम कार्यालय परिसर विकसित करने की योजना बनाई है। मुंबई मुख्यालय वाली कंपनी की यह एनसीआर में पहली परियोजना होगी। पिछले साल लोढ़ा डेवलपर्स ने गुरुग्राम में दो परियोजनाओं के लिए एमआरजी समूह के साथ संयुक्त विकास करार किया था। इनमें से एक परियोजना वाणिज्यिक और एक आवासीय है। लोढ़ा डेवलपर्स के एक अ धिकारी ने बताया कि कंपनी ने हाल में 1.2 एकड़ में फैली अपनी वाणिज्यिक परियोजना लोढ़ा पैंथियन पेश की है। इसमें 27 मंजिलों में कुल चार लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र होगा। परियोजना की अनुमानित लागत 1,100 से 1,200 करोड़ रुपये है। कंपनी इस ग्रेड ए प्लस प्लस वाणिज्यिक परियोजना में कार्यालय स्थल बेचेगी।मोदी के मुताबिक, गुरुग्राम में प्रीमियम कार्यालय स्थल की अच्छी मांग है। कई कारोबारी समूह लंबे समय तक किराये पर कार्यालय लेने के बजाय खुद की व्यावसायिक संपत्ति खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं।

कंपनी चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में गुरुग्राम के सोहना रोड पर आवासीय परियोजना भी पेश करने की तैयारी कर रही है।

उत्तर प्रदेश में सीएनजी महंगी, लखनऊ से उन्नाव तक नई दरें लागू

लखनऊ ।

बढ़ती लागत और वैश्विक आपूर्ति संकट के बीच ग्रीन गैस लिमिटेड ने एक नवंबर से उत्तर प्रदेश में सीएनजी की कीमतें बढ़ा दी गई है। अलग-अलग शहरों में कीमतों में एक रुपये से लेकर 2.25 रुपये प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी की गई है। इससे वाहन चालकों के ईंधन खर्च में इजाफा होगा। नई दरों के अनुसार, राजधानी लखनऊ में सीएनजी की कीमत 107 रुपये से बढ़कर 108 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। आगरा में भी एक रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई है। अयोध्या और सुल्तानपुर में सीएनजी एक रुपये महंगी हुई है। इन दोनों शहरों में अब एक किलोग्राम सीएनजी की कीमत 106 रुपये हो गई है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी उन्नाव में की गई है। यहां सीएनजी की कीमत में 2.25 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा हुआ है। नई दर लागू होने के बाद उन्नाव में एक किलोग्राम सीएनजी अब 106 रुपये में मिलेगी। कीमतों में बदलाव से निजी वाहन चालकों के साथ-साथ सीएनजी से चलने वाले व्यावसायिक वाहनों का खर्च भी बढ़ सकता है। ग्रीन गैस लिमिटेड का कहना है कि वैश्विक स्तर पर गैस की आपूर्ति में संकट और लागत में वृद्धि के कारण कीमतों में संशोधन किया गया है।

केंद्र सरकार ने राज्यों को दी 1.09 लाख करोड़ की सौगात

यूपी को सबसे ज्यादा 19,208 करोड़ रुपए, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने राज्यों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और विकास कार्यों को गति देने के लिए 1,09,019 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता जारी की है। यह राशि राज्यों को मिलने वाली नियमित मासिक कर हिस्सेदारी के अतिरिक्त है। इससे राज्यों को त्योहारों के दौरान बढ़ने वाले खर्च के साथ विकास परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन में राहत मिलेगी। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अनुसार, राज्यों को यह अग्रिम किस्त 31 अक्टूबर की रात जारी की गई है। सरकार का उद्देश्य राज्यों को अतिरिक्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराकर उनके वित्तीय प्रबंधन को आसान बनाना है। इससे राज्य सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं पर खर्च बढ़ा सकेंगे। साथ ही कर्मचारियों के वेतन और अन्य जरूरी भुगतान करने में भी मदद मिलेगी। इस विशेष किस्त में उत्तर प्रदेश को सबसे अधिक 19,208 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं सबसे कम 365 करोड़ रुपये सिक्किम को आवंटित किए गए हैं। केंद्र सरकार केंद्रीय करों से होने वाली कमाई का निर्धारित हिस्सा राज्यों को देती है। इसमें जीएसटी, आयकर और कॉर्पोरेट टैक्स से प्राप्त राजस्व शामिल है। वर्तमान व्यवस्था के तहत केंद्रीय करों के विभाज्य पूल का 41 प्रतिशत हिस्सा राज्यों के बीच बांटा जाता है। यह राशि सामान्य रूप से हर महीने किस्तों में जारी होती है। हालांकि, इस बार त्योहारों और बढ़ते सरकारी खर्च को देखते हुए केंद्र ने नियमित किस्त से पहले अतिरिक्त राशि जारी की है। राज्यों को होंगे ये प्रमुख फायदे

- विकास परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त बजट मिलेगा।

- सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े काम तेज होंगे।

जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन में मदद मिलेगी।

सरकारी कर्मचारियों के वेतन और जरूरी भुगतान में सुविधा होगी।

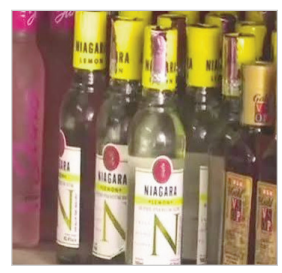
- त्योहारों के दौरान बढ़ने वाले खर्च का प्रबंधन आसान होगा।

तमिलनाडु में शराब की हर बोतल पर 10 रुपए अतिरिक्त शुल्क

खाली बोतल लौटाने पर मिलेगा पैसा वापस

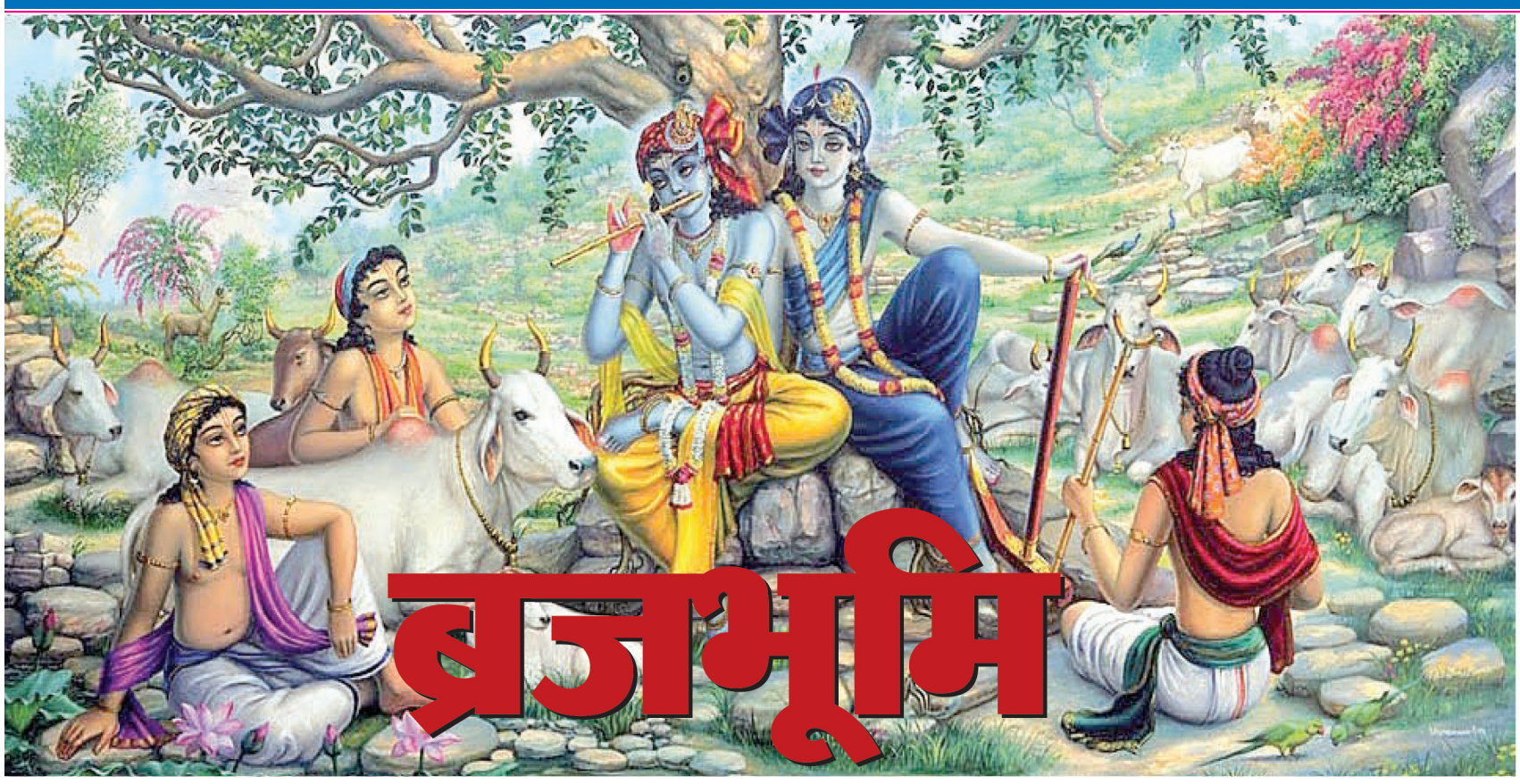
चेन्नई ।

तमिलनाडु में शराब खरीदने वालों की जेब पर 1 नवंबर से अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। राज्य में अब इंडियन मेड फॉरेन लिकर (आईएमएफएल), बीयर और वाइन की प्रत्येक बोतल पर 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। हालांकि, ग्राहकों को राहत देने के लिए खाली बोतल निर्धारित दुकानों पर लौटाने पर यह रकम वापस पाने का विकल्प भी दिया गया है। तमिलनाडु सरकार ने शराब की खुदरा बिक्री पर पर्यावरण और सामाजिक कल्याण शुल्क लागू किया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कल्याण से जुड़ी योजनाओं के लिए धन जुटाना है। इसके साथ ही शराब की खाली बोतलों के उचित निपटान और पुनः उपयोग को बढ़ावा देना भी इसका मकसद है। तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन ने नई व्यवस्था लागू करने के लिए शराब आपूर्तिकर्ताओं और स्थानीय उत्पादकों को जरूरी निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत बोतलों पर नई कीमतों के अनुरूप क्यूआर कोड वाले मूल्य लेबल लगाने



होंगे। शराब की दुकानों और लाइसेंस प्राप्त बिक्री केंद्रों पर भी नई व्यवस्था के अनुसार शुल्क लिया जाएगा। शराब की प्रत्येक बोतल पर 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे, निर्धारित दुकानों और बिक्री केंद्रों पर खाली बोतल लौटाने पर 10 रुपये वापस मिलेंगे, बोतल वापसी के लिए तय प्रक्रिया का पालन करना होगा, खाली बोतलों को सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर फेंकने से रोकने में मदद मिलेगी और बोतलों के पुनः उपयोग और उचित निपटान को बढ़ावा मिलेगा।

नई व्यवस्था में शुल्क से जुड़ी वित्तीय प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए पांच क्षेत्रीय क्षेत्रों में अलग-अलग बैंक खाते बनाए गए हैं। साथ ही दुकानदारों को निर्धारित शुल्क के अलावा मनमानी वसूली नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं।



ब्रजभूमि

भगवान श्रीकृष्ण धन्य हैं, उनकी लीलाएं धन्य हैं और इसी प्रकार वह भूमि भी धन्य है, जहां वह त्रिभुवनपति मानस रूप में अवतरित हुए और ब्रजभूमि जहां उन्होंने वे परम पुनीत अनुपम अलौकिक लीलाएं कीं।

जहां कृष्ण ने की अनेक लीलाएं..

हिंदुस्थान में अनेक तीर्थ स्थान हैं, सबका महात्म्य है, भगवान के और-और भी जन्मस्थान हैं पर यहां की बात ही कुछ निराली है। यहां के नगर-ग्राम, मठ-मंदिर, वन-उपवन, लता-कुंज आदि की अनुपम शोभा भिन्न-भिन्न ऋतुओं में भिन्न-भिन्न प्रकार से देखने को मिलती है।

अपनी जन्मभूमि से सभी को प्रेम होता है फिर वह चाहे खुला खंडहर हो और चाह सुरम्य स्थान, वह जन्मस्थान है, यह विचार ही उसके प्रति होने के लिए पर्याप्त है। इसी से सब प्रकार से सुंदर द्वारका में वास करते हुए भी भगवान श्रीकृष्ण जब ब्रज का स्मरण करते थे, तब उनकी कुछ विचित्र ही दशा हो जाती थी।

जब ब्रज भूमि के वियोग से स्वयं ब्रज के अधीश्वर भगवान श्रीकृष्ण का ही यह हाल हो जाता है, तब फिर उस पुण्यभूमि की रही-सही नैसर्गिक छटा के दर्शन के लिए, उस छटा के लिए जिसकी एक झांकी उस पुनीत युग का, उस जगद् गुरु का, उसकी लौकिक रूप में की गई अलौकिक लीलाओं का अद्भुत प्रकार से स्मरण कराती, अनुभव का आनंद देती और मलिन मन-मंदिर को सर्वथा स्वच्छ करने में सहायता प्रदान करती है, भावुक भक्त तरसा करते हैं।

इसमें आश्चर्य ही क्या है? नैसर्गिक शोभा न भी होती, प्राचीन लीलाचिह्न भी न मिलते होते तो भी केवल साक्षात् परब्रह्म का यहां विग्रह होने के नाते ही यह स्थान आज हमारे लिए तीर्थ था, यह भूमि हमारे लिए तीर्थ थी, जहां की पावन रज को ब्रह्मज्ञ उद्धव ने अपने मस्तक पर धारण किया था।

वह ब्रजवासी भी दर्शनीय थे, जिनके पूर्वजों के भाग्य की साराहना करते-करते भक्त सूरदास के शब्दों में बड़े-बड़े देवता आकर उनकी जूठन खाते थे, क्योंकि उनके बीच में भगवान अवतरित हुए थे।

ब्रज-वासी-पटतर कोउ नाहिं।
ब्रह्म सनक सिव ध्यान न पावत, इनकी जूठनि लै लै खाहिं॥
हलधर कह्यौ, छाक जेंवत संग, मीठो लगत सराहत जाहिं।
सूरदास प्रभु जो विश्वम्भर, सो ग्वालनके कौर अघाहिं॥

तब फिर यहां तो अनन्त दर्शनीय स्थान हैं, अनन्त सुंदर मठ-मंदिर, वन-उपवन, सर-सरोवर हैं, जो अपनी शोभा के लिए दर्शनीय हैं और पावनता के लिए भी दर्शनीय हैं। सबके साथ अपना-अपना इतिहास है। यद्यपि मुसलमानों के आक्रमण पर आक्रमण होने से ब्रज की सम्पदा नष्टप्राय हो गई है। कई प्रसिद्ध स्थानों का चिह्न तक मिट गया है, मंदिरों के स्थान पर मस्जिदें खड़ी हैं, तथापि धर्मप्राण जनों की चेष्टा से कुछ स्थानों की रक्षा तथा जीर्णोद्धार होने से वहां की जो आज शोभा है, वह भी दर्शनीय ही है।

कैलाश परिक्रमा से मिट जाते हैं जन्मों के कष्ट

तिब्बत स्थित कैलास पर्वत को शास्त्रों में कैलास को मेरू गण पर्वत, रजतगिरि आाद नामा से भी वर्णित किया गया है। इतना ही नहीं कैलास पर्वत शिव आराधना का सर्वोच्च स्थल भी माना गया है। सनातन धर्म के अनुसार यह भगवान आशुतोष व पार्वती का स्थायी निवास है। पुराणों के अनुसार भगवान शिव व पार्वती के नृत्य करने से इसका नाम कैलास हुआ। उपासकों का मत है कि स्वयं भू कैलास पर भगवान शंकर का विशाल राजप्रसाद है। जहां केवल ब्रह्म, विष्णु एवं महेश आदि देवों का ही प्रवेश संभव है। कैलास न केवल सनातनधर्मियों बल्कि जैन, बौद्ध व तिब्बितयों के लिए प्रारंभ से ही श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है।

यहां विराट एवं अतिभव्य लिग शदल कमल के मध्य में अवस्थित है। इस पवित्र लिग पर सदैव त्रिपुंड की रचना प्रकृति के पावन करों से होती है। तिब्बती भाषा में कैलास को पवित्र हिम से जाना जाता है। यही कारण है कि तिब्बती कैलास परिक्रमा दंडवत लेट-लेट कर पूर्ण करते हैं। कैलास परिक्रमा मार्ग दरचन से प्रारंभ होता है जो लगभग 54 किलोमीटर का है। मार्ग के क्रम में न्याडीगुम्का, दिरापुक, दोल्माघाटी, गौरीकुंड व जुन्धुलुफुक आदि मनोहारी व रमणीक स्थल पड़ते हैं। इनमें समुद्र तल से 18600 फीट की ऊंचाई पर स्थित दोल्माघाटी कैलास परिक्रमा का सर्वोच्च उच्च स्थल है। 14600 फीट की ऊंचाई पर कैलास से 20 मील पूर्व ही दो पवित्र सरोवर राक्षसताल व मानसरोवर बरबस ही उपासकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं। राक्षसताल के संबंध में वर्णित है कि इसी स्थल पर लंकापति रावण ने खड़े होकर भगवान आशुतोष की अर्चना की थी जबकि मानसरोवर में भगवती सती की दाहिनी हथेली गिरी थी। ऐसा मत है कि यहां की शक्ति दाक्षयाणी व भैरव अमर हैं। ग्रीष्म ऋतु में मानसरोवर के पवित्र जल में तैरते हुए राजहंस व उत्ताल तरंगों की सुमधुर ध्वनि शैल शिखरों से प्रतिध्वनित होकर उत्पन्न नैसर्गिक संगीत का खुशनुमा वातावरण उपासकों को प्रकृति व अध्यात्म के समीप खींच लाती है जिससे उपासक को अलौकिक शांति का अनुभव होता है। जैन ग्रंथों में जहां मानसरोवर को पद्मपद से वर्णित किया गया है। मानसरोवर के पश्चिम में स्थित राक्षसताल की छटा ही निराली है। मानसरोवर स्थित मां शक्ति की प्रतिमा पाषाण रूप में है। जहां मां भगवती की अर्चना होती है। विभिन्न साहित्यकारों व कवियों ने अपने साहित्य में मानसरोवर की महत्ता का सुंदरतम वर्णन किया है जिनमें कवि कालिदास के मेघदूत आदि ग्रंथ मुख्य हैं। कैलास के अप्रतिम सौंदर्य व भगवान शंकर के सर्वोच्च उपासना स्थल होने के कारण उपासक प्रतिवर्ष श्रद्धापूर्वक कैलास परिक्रमा हेतु जाते हैं। पुराण में वर्णित है कि कैलास की एक प्रक्रिमा से ही जन्म- जन्मांतर के पाप कर्म देर हो जाते हैं।



दांम्पत्य जीवन को बनाएं तनावरहित

आज का यह बदलता परिवेश सिर्फ जीवनशैली में ही प्रभाव नहीं डालता अपितु वैवाहिक जीवन में भी परेशानी का सबब बन रही है। कई दम्पतियों में आपसी सामंजस्य एवं प्रेम का अभाव देखने को मिल ही जाता है। दम्पति में नौबत तलाक तक भी पहुंच जाती है। ऐसे में न सिर्फ प्रभावित दम्पति, वरन् पूरा परिवार परेशान हो जाता है। दाम्पत्य जीवन में सुख के लिए ये उपाय लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं-

- यदि किसी अन्य पुरुष अथवा स्त्री के कारण दाम्पत्य क्लेशपूर्ण बन रहा है, तो 7-7 गोमती चक्र, लघु नारियल एवं लघु शंख लें। इन्हें सवा गज के नए पीले वस्त्र में बांध लें। इसे प्रभावित (पति अथवा पत्नी) पर से सात बार उसार का बहते पानी में बहा दें। बहाने के बाद पीछे मुड़कर देखे बगैर सीधे घर लौट आएं।
- यदि दम्पति अथवा समूचे परिवार में वैचारिक मतभेद रहता है, तो प्रातःकाल उठते ही जिस मटके से परिवार के सभी सदस्य जल पीते हैं, उससे एक लोटा पानी भरें और उसे पूरे घर के प्रत्येक कक्ष में तथा छत पर छिड़कें। इस दौरान किसी से बात नहीं करें, साथ ही मन ही मन ॐ शांति का निरंतर उच्चारण करते रहें।
- परिवार में यदि पति-पत्नी के मध्य क्लेश रहता हो अथवा अन्य पारिवारिक सदस्यों के मध्य वैचारिक मतभेद अधिक रहते हों, तो प्रतिदिन इस मंत्र का 108 बार जपें-

धां धीं धूं धूर्जटेः पत्नी वां वीं वूं वागधीश्वरी।
क्रां क्रीं क्रूं कालिका देवि शां शीं शूं मे शुभं कुरु॥

- नवरात्र, दीपावली किसी भी शुभ मुहूर्त में घर में तुलसी का पौधा लगाएं। उसमें प्रतिदिन सायंकाल घी का दीपक प्रज्वलित करें। इससे परिवार अथवा प्रभावित दम्पति में सुख-शांति कायम रहेगी।

ऐसे लोगों को मिलती है कैरियर में कामयाबी

आज हर व्यक्ति पैसा कमाने के लिए निरंतर प्रयोग करता रहता है। अच्छा कैरियर किसे पसंद नहीं होता। अच्छे कैरियर के लिए युवा तरह-तरह कि जतन किया करते हैं। लेकिन जीवन में सफलता के लिए सबसे जरूरी है सही कैरियर का चुनाव। क्योंकि अक्सर कैरियर का सही चुनाव नहीं कर पाने के कारण ही व्यक्ति को जीवन में बड़ी कामयाबी नहीं मिल पाती है। अंक ज्योतिष में कैरियर के चुनाव के लिए एक बहुत ही आसान तरीका बताया गया है। इस तरीके को आजमाएं तो आप खुद ही अपने लिए सही कैरियर का चुनाव कर पाएंगे और अपने क्षेत्र में कामयाब व्यक्ति कहलाएंगे।

अंक ज्योतिष अनुसार हर व्यक्ति का एक मूलांक होता है। इस अंक को ज्ञात करके व्यक्ति अपने लिए सही कैरियर का चुनाव करे तो कामयाबी उसके कदम चूमती हैं क्योंकि मूलांक जिस क्षेत्र में कैरियर का संकेत देता है उस क्षेत्र में सफलता के लिए जो गुण चाहिए वह व्यक्ति में मौजूद होता है। जैसे किसी व्यक्ति का मूलांक 1 होता है तो उनमें नेतृत्व की योग्यता होती है। ऐसे व्यक्ति राजनीति एवं प्रबंधन के क्षेत्र में कामयाब होते हैं। वकालत के अलावा जिन क्षेत्रों में अधिक जोश और उत्साह की जरूरत होती है जैसे सेना, पुलिस के क्षेत्र में इन्हें सफलता मिल ही जाती है। फोटोग्राफी, ग्राफिक डिजाईनर, नाविक, नौसेना, ठेकेदारी, व्यवसाय एवं शिल्पकला के क्षेत्र में भी यह कामयाब होते हैं।

कर्ज से जल्दी मुक्ति पाने के लिए अपनाएं यह उपाय

देश और दुनिया में हो रहे विकास से लोगों विलासिता का सुख भोगने से अपने आप को कभी दुर नहीं रख पाते। इन सुखों के लिए लोग कर्ज लेने से भी पीछे नहीं हटते। जबकि एक तरह से कर्ज मानव जीवन के लिए अभिशाप होता है। जिस व्यक्ति पर कर्ज है वो व्यक्ति जिन्दा रहते हुए भी चलती - फिरती लाश के समान है। लेकिन इन उपायों से आप कर्ज को जल्द से जल्द से चुकता कर सकते हैं-

1. अगर आप कर्ज की प्रथम किश्त शुक्ल पक्ष के प्रथम मंगलवार से प्रारंभ करते है तो शीघ्र आप त्र+ण से मुक्ति पा लेंगे।
2. घर का सारा कबाड़ अमावस्या या शनिवार को घर से बाहर करें।
3. मंगलवार को कभी क़र्ज़ न लें।
4. प्रतिदिन श्री सूक्त का पाठ स्फटिक श्री यंत्र के सामने करने से लक्ष्मी का आगमन होता है।
5. कभी भी बुधवार को क़र्ज़ न दें।
6. 5 मंगलवार हनुमान जी के मंदिर में 5-5 पीस मीठे देसी घी के रोट का भोग लगाए।
7. व्यवसाय, मकान बनवाने हेतु कर्ज जन्मकुंडली की विवेचना करवाने के पश्चात लें।
8. प्रत्येक मंगलवार त्र+ण मोचक मंगल स्तोत्र का पाठ अवश्य करें।
9. सुबह उठते ही सबसे पहले एक मुट्ठी चावल पंक्षियों को चुगने के लिए डालिए।
10. घर में कभी कोई भी मेहमान या अचानक कोई भी आए कुछ न कुछ अवश्य खिलाएं नहीं तो पानी तो अवश्य ही पिलाएं।
11. शराब, मांस, नशे की चीजों से पूरी तरह से दूर रहें।

जीवन में रंगों को महत्व

कई लोगो को सादा जीवन पसंद है तो कईयों को रंगीन। क्या कभी आपने सोचा है कि इन रंग-बिरंगे रंगों को हमारे जीवन में क्या महत्व है। रंगों का हमारे जीवन व स्वास्थ्य पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। कहा जाता हे कि रंग नेत्रों के माध्यम से हमारे मानस में प्रविष्ट होते हैं एवं हमारे स्वास्थ्य, चितन, आचार-विचार आदि पर इनका गहरा प्रभाव पड़ता है। अतः उचित रंगों का प्रयोग कर हम वांछित लाभ पा सकते हैं। किसी जातक की सफलता उसके कर्मों और कुछ हद तक लाइफस्टाइल पर भी निर्भर करती है। वैसे तो प्रत्येक दिन का अपना अपना महत्व होता है लेकिन ज्योतिष के अनुसार सप्ताह के दिनों का संबंध ग्रहों की स्थिति पर आधारित होता है।प्रत्येक दिन का एक नंबर होता है। उन रंगों का चयन करके अच्छे परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। रंग हमारे विचारों को प्रभावित करते हैं तथा हमारी सफलता व असफलता के कारक भी बनते हैं। शुभ रंग भाग्योदय कारक होते हैं और अशुभ रंग भाग्य में कमी करते हैं।

सोमवारः सफेद
मंगलवारः लाल
बुधवारः हरा
गुरुवारः पीला
शुक्रवारः सफेद
शनिवारः काला
रविवारः नारंगी

भारत VS न्यूज़ीलैंड



कोहली के खिलाफ खेलना शानदार होगा: जैकब डफी

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। 4 नवंबर से शुरू होने वाली न्यूजीलैंड और भारत के बीच आगामी वनडे सीरीज में डफी अपने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथी खिलाड़ी कोहली का सामना करने के लिए तैयार हैं। डफी ने आईपीएल 2026 के दौरान कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया था और नेट्स में उन्हें गेंदबाजी भी की है। न्यूजीलैंड के इस तेज गेंदबाज ने इस बात पर हैरानी जताई कि भारत में एक सुपरस्टार होने और लगभग 'ईश्वर जैसी हैसियत' रखने के बावजूद कोहली कितने जमीन से जुड़े इंसान हैं।

रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान डफी ने कहा, 'कल मेरी उनसे (कोहली) मुलाकात हुई। वह जिम में थे, वहां उनसे मिलना काफी अच्छा रहा, और उनका व्यवहार मेरे प्रति बहुत शानदार था। भारत में उन्हें लगभग एक 'ईश्वर' का दर्जा प्राप्त है - वह वहां एक मेगास्टार हैं - फिर भी उनका इतना जमीन से जुड़ा होना और आरसीबी में हम जैसे विदेशी खिलाड़ियों का स्वागत करना, वाकई बहुत अच्छी बात है। इसके लिए मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। अब जब मैंने उनके साथ ड्रेसिंग रूम भी साझा किया है, तो उनके खिलाफ खेलना वाकई शानदार होगा।'

उन्होंने बताया कि जब वह आरसीबी में कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर रहे थे, तब उन्होंने भारतीय मैदानों पर अपनाई जाने वाली रणनीतियों के बारे में कोहली से काफी चर्चा की थी। डफी ने कहा, 'उनका काम के प्रति नजरिया बहुत शानदार है। नेट्स में मैंने उन्हें काफी गेंदबाजी की, क्योंकि वह हमेशा पहले बल्लेबाज होते थे और मैं हमेशा पहला गेंदबाज। हमने नेट्स में एक-दूसरे के सामने काफी समय बिताया है, जो कि बहुत अच्छी बात है। इसके साथ ही, उन्होंने मुझे काफी करीब से देखा है, इसलिए उनकी तैयारी भी अच्छी होगी।'

पाकिस्तान ने जीती त्रिकोणीय सीरीज... श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मैच में चेज किए 326 रन



लाहौर। पाकिस्तान ने लाहौर में खेले गए त्रिकोणीय वनडे सीरीज के फाइनल में श्रीलंका को तीन विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान ने 326 रन के मुश्किल लक्ष्य को 48.3 ओवर में सात विकेट खोकर हासिल किया। इसके साथ ही टीम ने वनडे फाइनल में सबसे बड़े लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले भारत ने 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ नेटवेस्ट ट्रॉफी के फाइनल में 326 रन का लक्ष्य हासिल किया था। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने आठ विकेट पर 325 रन बनाए। उसके लिए कामिंदु मेंडिस ने शानदार शतकीय पारी खेली। उन्होंने 128 गेंदों में 131 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और दो छक्के शामिल थे।

हार्दिक पांड्या का बड़ा दिल... बेसबॉल चैलेंज में जीते लाखों रुपये, जरूरतमंदों को दे दिए दान



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इन दिनों क्रिकेट के मैदान से दूर हैं, लेकिन लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बार हार्दिक अपने क्रिकेट बैट नहीं, बल्कि बेसबॉल बैट से कमाल दिखाने को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने मशहूर कंटेंट क्रिएटर मिस्टर बीस्ट के साथ बेसबॉल चैलेंज में हिस्सा लिया और करीब 94.9 लाख रुपये की इनामी राशि अपने नाम की। खास बात यह है कि हार्दिक ने जीती हुई पूरी रकम चैरिटी के लिए दान कर दी। दरअसल, मिस्टर बीस्ट ने अपने एक वीडियो के लिए अलग-अलग क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों को शामिल किया था। इसमें क्रिकेट जगत से हार्दिक पांड्या को मौका दिया गया। इस चैलेंज में प्रतिभागियों को बेसबॉल बैट से गेंद को मैदान के बाहर पहुंचाना था। मुकाबले में ज्यादा होम रन लगाने वाले खिलाड़ी को विजेता बनना था।

हायलो ओपन

सिंधू और लक्ष्य सेन फाइनल में पहुंचे

लगातार दूसरे सप्ताह खिताब जीतने का मौका



नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने हायलो ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया। जर्मनी के सारब्रूकेन में शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने सीधे गेम में जीत दर्ज की। इसके साथ ही भारत के पास महिला और पुरुष एकल दोनों वर्गों में खिताब जीतने का मौका है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने हमवतन अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से हराया। वहीं, लक्ष्य सेन ने फ्रांस के विश्व नंबर-13 टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से शिकस्त दी।

लक्ष्य सेन ने पोपोव को दी शिकस्त

पुरुष एकल के सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से हराया। इस साल ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के बाद से लक्ष्य खराब दौर से गुजर रहे थे। चोट और फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ था। हालांकि, जर्मनी में उन्होंने शानदार वापसी की। पहले गेम में पोपोव ने लक्ष्य को चुनौती दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपनी रक्षात्मक क्षमता और सटीक स्मैश के दम पर 21-17 से गेम जीत लिया। दूसरे गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। उन्होंने ब्रेक तक चार अंकों की बढ़त बना ली और बाद में इसे सात अंकों तक पहुंचा दिया। अंत में शानदार स्मैश के साथ उन्होंने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

दूसरे सप्ताह फाइनल में पहुंचीं सिंधू

पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं सिंधू ने अपनी शानदार लय जारी रखी। उन्होंने महिला एकल के सेमीफाइनल में 19 वर्षीय अनमोल खरब को कोई मौका नहीं दिया। पहले गेम में अनमोल ने शुरुआती बढ़त जरूर बनाई, लेकिन सिंधू ने अपने अनुभव और आक्रामक खेल के दम पर वापसी की। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीता।दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच शुरुआत में कड़ी टक्कर देखने को मिली। एक समय अनमोल 15-13 से आगे थीं, लेकिन सिंधू ने लगातार अंक हासिल करते हुए स्कोर 15-15 कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी बढ़त बनाई और 21-16 से गेम जीतकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। जीत के बाद सिंधू ने कहा, 'मैं काफी लंबे समय बाद उनके खिलाफ खेल रही थी। यह देखकर अच्छा लगा कि सेमीफाइनल में दो भारतीय खिलाड़ी पहुंची थीं। हालांकि, मेरे लिए प्रतिद्वंद्वी कौन है या उसकी रैंकिंग क्या है, इससे फर्क नहीं पड़ता। मैं सिर्फ अपना खेल खेल रही थी और अपना शत-प्रतिशत दे रही थी। मुझे खुशी है कि मैंने फाइनल में जगह बनाई।' फाइनल में सिंधू का सामना डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट से होगा।

लड़ने का जज्बा नहीं दिखा... हार बर्दाश्त नहीं कर पाए वॉर्नर

केपटाउन / नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-1 से मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आलोचनाओं के घेरे में है। टीम के निराशाजनक प्रदर्शन से नाराज पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने खिलाड़ियों पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने केपटाउन टेस्ट में मिली हार को शर्मनाक बताते हुए कहा कि टीम में संघर्ष करने का जज्बा नजर नहीं आया। वॉर्नर ने इस प्रदर्शन को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के मूल्यों के भी खिलाफ बताया।

केपटाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर खेले गए सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 288 रनों का लक्ष्य मिला था। हालांकि, पांचवें दिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पहले ही ओवर में दो विकेट गंवाने के बाद टीम दबाव से उबर नहीं सकी। महज 18 ओवर में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 42 रन पर छह विकेट हो गया। इसके बाद पूरी टीम 111 रनों पर सिमट गई। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।वॉर्नर ने 'फॉक्स स्पोर्ट्स' से बातचीत में टीम के प्रदर्शन पर निराशा जताते हुए कहा, 'मैं बहुत निराश हूं। यह बहुत बुरा है। यह ऑस्ट्रेलियाई मूल्यों के खिलाफ है। टीम में लड़ने का कोई जज्बा ही नहीं दिखा। यह शर्मनाक है। 288 रन का लक्ष्य था। आप टेस्ट मैच जीत सकते थे और सीरीज भी अपने नाम कर सकते थे। सब कुछ दांव पर लगा था। क्या वह इसी तरह खेलते हैं?' उन्होंने आगे कहा कि पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने गेंदबाजों को निराश किया। पहले टेस्ट में मैट रेनशॉ को



छोड़कर बाकी बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। वॉर्नर ने कहा कि बल्लेबाजों को कगिसो रबाडा जैसे तेज गेंदबाज की चुनौती का अंदाजा होना चाहिए था, लेकिन वे उसका सामना करने में नाकाम रहे।

तीनों टेस्ट में देखने को मिली शानदार वापसी

इस टेस्ट सीरीज की खास बात यह रही कि तीनों मुकाबलों में मुश्किल परिस्थितियों में पिछड़ने वाली टीम ने शानदार वापसी की। डरबन में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने एक समय 124 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद टीम ने वापसी करते हुए पहली पारी में 390 रन बनाए। इस प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबला 214 रनों से जीत लिया।दूसरे टेस्ट में गेबेरहा में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली पारी में 110 रन पर छह विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। इसके बावजूद मेजबान टीम ने 425 रन पर नौ विकेट के स्कोर पर पारी घोषित कर दी और ऑस्ट्रेलिया को एक पारी और 31 रनों से शिकस्त दी।

साइफर्ट का 'तूफान' नहीं झेल पाई टीम इंडिया पांचवां टी-20 गंवाया... मगर सीरीज जीती



हैमिल्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने रविवार को भारत के खिलाफ पांचवां टी20 मैच सात विकेट से अपने नाम किया। भारत ने हैमिल्टन में 192 का टारगेट दिया, जिसे न्यूजीलैंड ने 18 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर चेज किया। न्यूजीलैंड ने भले ही हैमिल्टन में जीत दर्ज की लेकिन भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज पर 3-2 से कब्जा जमाया। टीम इंडिया पांचवें टी20 में टिम साइफर्ट का 'तूफान' नहीं झेल पाई। उन्होंने 50 गेंदों में 93 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसमें 11 चौके और पांच सिक्स हैं। ग्लेन फिलिप्स ने 38 गेंदों में नाबाद 65 रनों की पारी खेली। उनके बल्ले से आठ चौके और तीन छक्के निकले। बेवोन जैक्बस एक रन बनाकर नाबाद रहे।

साइफर्ट ने दो दमदार साझेदारियां की

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने खराब आगाज किया। पेसर अर्शदीप सिंह ने दूसरे ओवर में फिन एलन (2) को पवेलियन भेजा। डेरिल मिचेल और टिम सीफर्ट ने दूसरे विकेट के लिए 73 रनों की पार्टनरशिप की। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने नौवें ओवर में मिचेल को आउट कर भारत को राहत दिलाई। मिचेल ने 16 गेंदों में 29 रन बटोरे, जिसमें चार सिक्स हैं। सीफर्ट ने तीसरे विकेट के लिए ग्लेन फिलिप्स के संग 86 रनों की साझेदारी की। लग रहा था कि सीफर्ट आसानी से पहला टी20 शतक कंप्लीट कर लेंगे लेकिन नीतीश कुमार रेड्डी ने 16लें ओवर में उन्हें बोल्ड कर दिया। इसके बाद, फिलिप्स ने न्यूजीलैंड को जीत की दहलीज पार कराई।

ईशान और अय्यर ने ठोकी फिफ्टी

इससे पहले, भारत ने टॉस गंवाने के बाद निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 191 रन जुटाए। न्यूजीलैंड के लिए एडम मिल्ने ने चार, नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर ने दो-दो विकेट लिए। भारत की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (2 गेंदों में 1) और संजू सैमसन (10 गेंदों में 4) फ्लॉप रहे। एडम मिल्ने ने दूसरे ओवर में अभिषेक और चौथे ओवर में सैमसन को आउट किया। इसके बाद, ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने गदर काटते हुए अर्धशतक जमाया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 93 रनों की पार्टनरशिप की। ईशान ने 32 गेंदों में 61 रन जुटाए, जिसमें पांच चौके और पांच छक्के हैं। उन्हें ब्लेयर टिकनर ने 11वें और नाथन स्मिथ ने अय्यर को 12वें ओवर में आउट किया। अय्यर ने 23 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की बदौलत 50 रन बटोरे।

भारत ने 133 रन तक गंवाए पांच विकेट

भारत की आधी टीम 133 रनों तक पवेलियन लौट गई। उपकप्तान तिलक वर्मा (8 गेंदों में 6) का बल्ला नहीं चला। उन्हें स्मिथ ने 14वें ओवर में कॉट एंड बोल्ड किया। टिकनर ने 19वें ओवर में नमन धीर (23 गेंदों में 33, चार चौके, एक छक्का) को अपने जाल में फंसाया। उन्होंने और नीतीश कुमार रेड्डी ने छठे विकेट के लिए 46 रन जोड़े। नीतीश ने 17 गेंदों में 22 रन बटोरे। जिसमें दो चौके और एक सिक्स है। मिल्ने ने वह 20वें ओवर नीतीश के अलावा भुवनेश्वर (6) को अपने जाल में फंसाया। भारत ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना रखी है और अब मेहमान टीम जीत के साथ इस सीरीज का अंत करने की फिराक में है।

ईशान-श्रेयस की तूफानी पारियां, फिर लड़खड़ाई भारतीय बल्लेबाजी



पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन एक-एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला। दोनों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की। ईशान किशन ने 32 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के की मदद से 61 रन बनाए। वहीं, श्रेयस अय्यर ने सिर्फ 23 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए 50 रन की पारी खेली। श्रेयस ने अपना अर्धशतक पूरा किया और ईशान के साथ मिलकर भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। एक समय भारत का स्कोर दो विकेट पर 112 रन था और टीम के 200 के पार पहुंचने की उम्मीद थी। लेकिन ईशान के आउट होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी बिखर गई। भारत ने 112 से 133 रन के बीच तीन और विकेट गंवा दिए। नमन धीर ने 23 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। नीतीश रेड्डी ने 17 गेंदों में 22 रन का योगदान दिया। वहीं, तिलक वर्मा छह और भुवनेश्वर कुमार भी छह रन बनाकर आउट हुए। इस तरह भारतीय टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 191 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड की ओर से एडम मिल्ने सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार विकेट झटके। नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर को दो-दो विकेट मिले।

भारत ने एक कैलेंडर वर्ष में न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाए सबसे ज्यादा छक्के

इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों ने छक्कों की जमकर बरसात की। भारत ने साल 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कुल 142 छक्के लगाए। यह किसी टीम की ओर से एक कैलेंडर वर्ष में किसी एक विपक्षी टीम के खिलाफ लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं। इस रिकॉर्ड सूची में भारत शीर्ष पर पहुंच गया है। वहीं, न्यूजीलैंड ने भी इसी साल भारत के खिलाफ 117 छक्के लगाए हैं। खास बात यह है कि साल 2026 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में कुल 259 छक्के लगे। यानी हर मुकाबले में औसतन 23.5 छक्के लगाए गए। यह आंकड़ा दोनों टीमों की आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा देता है।

हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस

तीन हार के बाद जीती टीम इंडिया, बांग्लादेश को हराया, शशांक ने बनाए तूफानी 50 रन



मोंग कोक, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस में लगातार तीन हार झेलने के बाद भारतीय टीम को आखिरकार पहली जीत मिल गई है। मिशन रोड ग्राउंड में रविवार को खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया ने बांग्लादेश को आखिरी गेंद पर पांच विकेट से हराया। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम ने छह ओवर में पांच विकेट पर 116 रन बनाए थे। 117 रन का लक्ष्य भारतीय टीम ने पारी की आखिरी गेंद पर हासिल किया।

क्रुणाल ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए

बांग्लादेश की ओर से कप्तान अबू हिदर रोनी ने मात्र 18 गेंदों पर आठ छक्कों और तीन चौकों की मदद से नाबाद 62 रन की पारी खेली। इसके अलावा हबीबुर रहमान सोहन ने छह गेंद पर 18, सब्बीर रहमान ने चार गेंद पर 13 और चौधरी मोहम्मद रिजवान ने पांच गेंदों पर 12 रन बनाए। भारत की तरफ से कप्तान क्रुणाल पांड्या सफल गेंदबाज रहे। क्रुणाल ने दो ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए। राहुल त्रिपाठी को एक विकेट मिला।

117 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को आखिरी गेंद जीत मिली। शशांक सिंह ने 15 गेंदों पर सात छक्कों और एक चौके की मदद से 50 रन की पारी खेली। वह रिटायर्ड हर्ट हुए। राहुल त्रिपाठी ने 12 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 32, नीतीश राणा ने चार गेंदों पर नाबाद 10 और राहुल तेवतिया ने पांच गेंदों पर नाबाद 16 रन बनाए। भारत ने पांच विकेट से यह मुकाबला जीता। क्रुणाल पांड्या प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

ग्रुप सी में मौजूद भारतीय टीम को अपने पहले मैच में पाकिस्तान से चार विकेट से, दूसरे मैच में यूएई से छह विकेट से और तीसरे मैच में इंग्लैंड से तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट में 12 टीमों ने हिस्सा लिया था। बांग्लादेश पर जीत के बाद भारतीय टीम 11वें स्थान पर रही।



बेमतलब की फिल्में नहीं करनी, तो ऐक्टिंग छोड़ दी

'फुकरे' फिल्म की एक्ट्रेस विशाखा सिंह ने हाल ही में अपनी वेब सीरीज 'रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब' को लेकर बात की है। उन्होंने कहा, 'माइनस 6 डिग्री में श्रीनगर में लड़के कांप रहे थे, पर पूरा स्टेडियम भरा हुआ था। लोग रियल कश्मीर के लिए गाने गा रहे हैं।'

पर्दे पर कश्मीर के अक्सर दो ही पहलू देखने को मिलते हैं। एक धरती के जन्नत की खूबसूरती तो दूसरा आतंकवाद, मगर वेब सीरीज 'रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब' इससे इतर वादी के युवाओं की अपनी नई पहचान और सम्मान तलाशने की एक प्रेरक दास्तान है। यही वजह है कि कश्मीर के पहले प्रफेशनल 'फुटबॉल क्लब' बनने की असल कहानी पर आधारित इस सीरीज को अंतरराष्ट्रीय एमी अवॉर्ड्स 2027 में बेस्ट ड्रामा कैटेगरी में नामित किया गया है। हालांकि, 'फुकरे' फेम चर्चित अदाकारा और इस शो की निर्माता विशाखा सिंह के लिए इसे बनाना आसान नहीं था। हर कदम पर चुनौतियां थीं, लेकिन वह कहती हैं कि उन्हें कश्मीर का उम्मीद भरा नया चेहरा दिखाती यह कहानी हर हाल में दर्शकों तक पहुंचानी' थी। फिर, जब ठान लिया तो कारवां बनता गया।

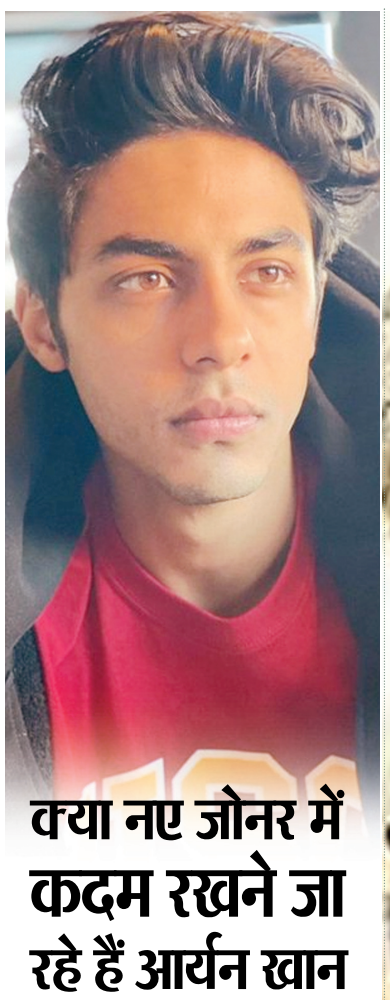
कश्मीर का ये चेहरा नया था

बकौल विशाखा, 'ये कहानी मेरे दोस्त और शो के राइटर उमंग व्यास और सिमाब हाशमी ने 2019 में सुनाई थी कि कश्मीर का सिर्फ 3 साल पहले बना ये फुटबॉल क्लब बड़े-बड़े क्लब को हरा रहा है। मुझे लगा कि ये कहानी तो सुनानी चाहिए। तब फरवरी के माइनस 6 डिग्री में ये लोग वहां रिसर्च के लिए गए। वहां से मैच का विडियो भेजा, जहां माइनस 6 डिग्री में श्रीनगर में लड़के कांप रहे थे, पर पूरा स्टेडियम भरा हुआ था। लोग रियल कश्मीर के लिए गाने गा रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह माहौल मेरे लिए इतना नया था कि लोग पेड़ पर चढ़कर मैच देख रहे हैं, क्योंकि कश्मीर सुनकर हमारे दिमाग में वही तनाव, जंग आता है। मेरे मन में ये था कि इसके राइट्स तो चाहिए और हमने क्लब के फाउंडर, जिसमें पत्रकार शमीर मेराज और व्यवसायी स्वर्गीय संदीप चट्टू से राइट्स लिए। फिर, मेरे दोस्त किलियन केरविन, जिन्होंने देल्ही क्राइम बनाई है, वे जुड़े। डायरेक्टर महेश मथाई जुड़े तो मुझे लगा कि हम सही राह पर हैं।'

बॉलिवुड में आशुतोष गोवारिकर की खेले हम जी जान से और फरहान अख्तर की फुकरे समेत साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री रहीं विशाखा सिंह इन दिनों पर्दे पर कम नजर आ रही हैं। इसकी वजह पूछने पर वह कहती हैं, 'मैंने करीब दस साल पहले ऐक्टिंग करना बंद कर दिया। असल में, 2012 से 2014 के दौर में मैंने नॉर्थ और साउथ मिलाकर 13-14 फिल्में कीं। मुझे तब समझ आया कि हां, मैं ऐक्टिंग कर सकती हूं, लेकिन उसके बाद मुझे जो स्क्रिप्ट मिल रही थीं, उससे मैं खुश नहीं थी और मैं बुरी फिल्मों के लिए याद की जाना नहीं चाहूंगी। मैं बेमतलब की, बिना सिर पैर की फिल्में नहीं कर सकती तो 2015 में मैंने खुद ऐक्टिंग करना बंद कर दिया।'

क्यों की 'फुकरे 2'

'फुकरे 2 इसलिए की, क्योंकि उसमें ज्यादा वक्त नहीं देना पड़ा। वरना मैं भूल चुकी हूं कि मैं ऐक्टर भी थी। सच कहूं तो ऐक्टिंग छोड़ने के बाद मैंने बहुत कुछ एक्सप्लोर किया। फिल्म बना ली, सीरीज बना ली, स्टार्ट अप शुरू किया तो मेरे लिए और बड़ी दुनिया खुल गई मेरे लिए।' बतौर निर्माता, पेडलर्स, हरामखोर, अटकन चटकन और रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब जैसा मीनिंगफुल कॉन्टेंट ही बनाने वाली विशाखा का कहना है, 'हर कलाकार, हर इंसान का एक झुकाव होता है कि उसे कैसा काम करना है। मेरा बचपन से रुझान रहा है कि अच्छा करो। खासकर जब आपके पास वो अच्छा करने की पावर हो। मुझे नहीं लगता कि मैं बिना मीनिंग के कोई फिल्म बना सकती हूं। ऐसा नहीं है कि मैं हमेशा सोशल मुद्दे वाली फिल्म ही बनाऊंगी, मगर वो ऐसी हो जो मैं, मेरा परिवार, मेरे माता-पिता सब देख सके, वो हमेशा रहेगा।'



क्या नए जोनर में कदम रखने जा रहे हैं आर्यन खान

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान का शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' काफी चर्चा में रहा। अब आर्यन अपनी अगली सीरीज के लिए उभरते लेखकों की एक टीम तैयार कर रहे हैं। कैमरे के पीछे अपना सफर शुरू करने के बाद, अब वह कहानी कहने की नई प्रतिभाओं की तलाश कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आर्यन खान सिर्फ निर्देशन और इसके क्रिएटिव विजन पर ध्यान देने के बजाय, अपकमिंग प्रोजेक्ट की लेखन प्रक्रिया में भी शामिल होना चाहते हैं।

आर्यन ने बनाई लेखकों की टीम

वैरायटी के मुताबिक आर्यन खान नए लेखकों को तलाश कर रहे हैं। इस पहल का मकसद ऐसे लेखकों को एक साथ लाना है, जिनके विचारों को भविष्य के स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स में बदला जा सके। कहा जा रहा है कि वह ऐसी कहानियों में दिलचस्पी रखते हैं जो आज के दौर का नजरिया पेश करें और युवा दर्शकों से जुड़ सकें।

प्रोजेक्ट पर हो रहा काम

यह कदम उनके पहले बड़े प्रोजेक्ट के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने शो-रनर, लेखक और निर्देशक के तौर पर काम किया था। हालांकि नई सीरीज के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, मगर नए लेखकों की तलाश से पता चलता है कि अभी इस प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। कास्ट, कहानी या प्रोडक्शन शेड्यूल के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

आर्यन खान का सफर

निर्देशन में कदम रखने से पहले आर्यन खान ने 2019 में 'द लायन किंग' के हिंदी वर्जन में सिम्बा को अपनी आवाज दी थी। इसी वर्जन में शाहरुख खान ने मुफासा के लिए अपनी आवाज दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख खान को कुछ डायलॉग्स फिर से रिकॉर्ड करने पड़े थे, क्योंकि विशेषज्ञों ने गौर किया कि उनकी आवाज उनके बेटे की आवाज से बहुत ज्यादा मिलती-जुलती लग रही थी। 2024 में 'मुफासा: द लायन किंग' में आर्यन खान ने सिम्बा के रूप में वापसी की। शाहरुख खान ने एक बार फिर मुफासा को अपनी आवाज दी, जबकि अबराम खान भी हिंदी वॉयस कास्ट का हिस्सा बने। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से उन्होंने निर्देशन की दुनिया में कदम रखा।



फिल्म 'ओम' में साई पल्लवी के किरदार का खुलासा

निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म 'ओम' सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में तमिल स्टार धनुष और मलयालम सुपरस्टार ममूटी लीड रोल में नजर आएंगे। इसी बीच मेकर्स ने फैंस का इंतजार खत्म करते हुए अभिनेत्री साई पल्लवी के किरदार का खुलासा कर दिया है। हालांकि एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक सोमवार शाम को रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने पहले ही बता दिया है कि वह फिल्म में एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगी। बॉलीवुड स्टार नसीरुद्दीन शाह भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टाइटल के साथ 'चैप्टर 1' की टैगलाइन है, जिससे संकेत मिलता है कि इसका सीक्वल भी आ सकता है। कुछ समय पहले मेकर्स द्वारा रिलीज किए गए टाइटल टीजर से पता चला था कि कहानी लाल चंदन काटकर जीवन यापन करने वालों के इर्द-गिर्द घूमती है। धनुष खुद फिल्म में एक लकड़हारे की भूमिका में हैं। टीजर में दिखाया गया था कि पुलिसकर्मी अवैध रूप से लाल चंदन काट रहे लकड़हारों को पकड़ रहे हैं। जैसे ही वे बंदूक की नोक पर मजदूरों को बंधक बनाते हैं, धनुष उन्हें बचाने के लिए आता हुआ दिखाई देता है। फिल्म इस साल 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बता दें कि मेकर्स ने पहले फिल्म को 16 अक्टूबर को रिलीज करने का प्लान बनाया था। हालांकि, एक्टर धनुष ने एक बयान में फिल्म की रिलीज टालने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि



उन्होंने सुपरस्टार रजनीकांत के सम्मान में फिल्म की रिलीज को टालने का फैसला किया है, रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' 15 अक्टूबर को रिलीज हुई है।धनुष ने यह भी साफ किया है कि उनकी फिल्म दिवाली पर भी रिलीज नहीं होगी क्योंकि उसी डेट पर सूर्या की फिल्म पहले से अनाउंस हो चुकी है। इसके बाद एक्टर और प्रोड्यूसर ने फिल्म की नई रिलीज डेट 20 नवंबर घोषित की। फिल्म को लेकर फैंस और सिनेमा लवर्स में जबरदस्त उत्साह है क्योंकि यह पहली बार है जब धनुष और ममूटी किसी प्रोजेक्ट में साथ काम कर रहे हैं।

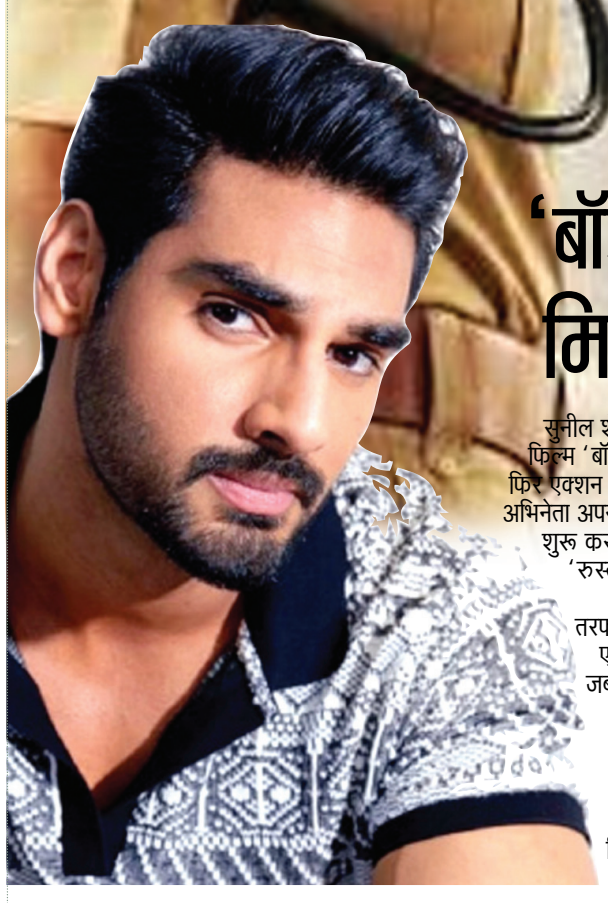


तीन हफ्ते बाद काम पर लौटेंगे टाइगर श्रॉफ

अगली फिल्म की शूटिंग अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर जब से हमला हुआ है, तब से वह चर्चा में हैं। अब उनके काम से जुड़ी एक अपडेट आई है। उम्मीद जताई जा रही है कि अभिनेता अगले महीने, दिवाली के बाद अपकमिंग फिल्म 'लग जा गले' के सेट पर लौट सकते हैं। मुंबई के जुहू में हुई गोलीबारी की घटना के बाद, उनकी टीम ने कड़ी सुरक्षा का इंतजाम किया है।

क्या हैं सुरक्षा के इंतजाम

टाइगर श्रॉफ की सुरक्षा टीम और प्रोडक्शन टीम ने मिलकर एक योजना बनाई है, ताकि उनका शूटिंग शेड्यूल गुप्त रहे। उनके आने-जाने की जानकारी केवल कुछ चुनिंदा लोगों के साथ ही साझा की जाएगी। इसके अलावा, सेट पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रोडक्शन टीम ज्यादा सावधानी बरत रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 18 अक्तूबर की घटना के बाद से टाइगर ने शूटिंग शुरू नहीं की है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि वह करण जौहर की फिल्म 'लग जा गले' के सेट पर लौट आए हैं, हालांकि ऐसा नहीं है। फिलहाल, अभिनेता अपने परिवार के साथ घर पर हैं और उम्मीद है कि त्योहारों के बाद अगले महीने वह फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू करेंगे। उनके पास कुछ और काम भी हैं, जो अपनी तय समय सीमा के हिसाब से आगे बढ़ रहे हैं।



'बॉर्डर 2' के बाद अहान शेट्टी को मिली रोमांटिक-एक्शन फिल्म

सुनील शेट्टी के बेटे और अभिनेता अहान शेट्टी फिल्म 'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद एक बार फिर एक्शन के मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। अभिनेता अपनी अगली फिल्म 'सनकी' की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'रुस्तम' फेम मशहूर निर्देशक टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं। ज्ञानेंद्र वासुदेव की तरफ से लिखी गई 'सनकी' मूल रूप से एक प्रेम कहानी है। इसमें दमदार और जबरदस्त एक्शन भी देखने को मिलेगा। फिल्म की शूटिंग 30 अक्तूबर से भोपाल में शुरू होगी।

सोच समझकर चुनी फिल्म

'बॉर्डर 2' में अपने अभिनय और फिल्म को मिली शानदार सफलता के बाद अहान ने अपने अगले प्रोजेक्ट्स का चयन काफी सोच-समझकर किया है। अब वह 'सनकी' में एक नया किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। इसके बाद वह विक्रम भट्ट की फिल्म '1920 कोल्ड विंटर' में नजर आएंगे। इसके अलावा उनकी कुछ अन्य फिल्मों की शूटिंग भी 2027 में शुरू होने वाली है। निर्देशक टीनू सुरेश देसाई अपनी विशाल टीम के साथ पहले ही भोपाल पहुंच चुके हैं। वह 30 अक्तूबर से शुरू होने वाली शूटिंग से पहले तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। फिलहाल फिल्म की कहानी और इसके विषय को गोपनीय रखा गया है।

आलिया-दीपिका को लेकर बोलीं राधिका





राधिका आप्टे इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'अक्का' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने बॉलीवुड में महिलाओं की स्थिति के बारे में बात की है। अभिनेत्री का कहना है कि हिंदी सिनेमा में महिला कलाकारों को अक्सर ऐसी फिल्मों में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिनमें पुरुष मुख्य भूमिका में होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि महिला-प्रधान फिल्मों के लिए एक अच्छी थिएट्रिकल रिलीज पाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि कोई महिला-प्रधान फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तभी अच्छी शुरुआत कर सकती है, जब उसमें आलिया भट्ट या दीपिका पादुकोण जैसी बड़ी स्टार्स मुख्य भूमिका में हों।

राधिका किस आधार पर चुनती हैं फिल्में?

राधिका आप्टे की हालिया फिल्में 'लस्ट स्टोरीज 3', 'साली मोहब्बत', 'मिसेज अंडरकवर' और 'मोनिका-ओ माय डार्लिंग' सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई थीं। हालांकि राधिका का कहना है कि उन्होंने फिल्मों का चुनाव इस आधार पर नहीं किया कि वह सिनेमाघरों में रिलीज होंगी या ओटीटी पर। बातचीत में उन्होंने कहा, 'मैं इस आधार पर कोई प्रोजेक्ट नहीं चुनती कि वह सिनेमाघरों में रिलीज होगा या ओटीटी पर। मुझे इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। मैं बस यही चाहती हूं कि फिल्म किसी न किसी तरह दर्शकों तक पहुंच जाए।'



मोदी का दावा- 12 साल में 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए, 6 साल में बने 13.4 करोड़ रोजगार के अवसर

विश्व बैंक की रिपोर्ट का दिया हवाला, अत्यधिक गरीबी और आर्थिक असमानता में कमी का किया उल्लेख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया है कि वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। उनके अनुसार, इस अवधि में देश में अत्यधिक गरीबी की दर में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। प्रधानमंत्री ने विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि गरीबी उन्मूलन सरकार के लिए केवल नारा नहीं, बल्कि एक संकल्प है। उन्होंने पिछले छह वर्षों में 13.4 करोड़ नए रोजगार के अवसर बनने की बात भी कही। मोदी के मुताबिक, यह संख्या इसी अवधि में कामकाजी उम्र की आबादी में हुई बढ़ोतरी से लगभग दोगुनी है। प्रधानमंत्री ने ये आंकड़े सामाजिक माध्यम इंस्टाग्राम पर साझा की गई एक पोस्ट में रखे और देश में आर्थिक असमानता कम होने का भी दावा किया। विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 में जारी 'भारत गरीबी एवं समानता संक्षिप्त रिपोर्ट' के अनुसार, वर्ष 2011 में देश की अत्यधिक गरीबी दर 27.1 प्रतिशत थी, जो 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। रिपोर्ट में प्रतिदिन 4.20 डॉलर से कम खर्च करने वाले लोगों की आबादी में भी कमी दर्ज की गई है। यह अनुपात 2011 में 57.7 प्रतिशत था, जो 2023 में घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया। इस आधार पर करीब 49.6 करोड़ लोग निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए निर्धारित गरीबी रेखा से ऊपर आए। प्रधानमंत्री ने आर्थिक असमानता में कमी का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि असमानता मापने वाला गिनी सूचकांक 20 प्रतिशत से अधिक घटकर 23.0 पर पहुंच गया है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2011-12 में यह सूचकांक 28.8 था, जो 2023 में घटकर 23.0 रह गया। हालांकि, रिपोर्ट ने



यह भी स्पष्ट किया है कि घरेलू खर्च के सर्वेक्षण में अधिक संपन्न परिवारों की वास्तविक खपत पूरी तरह दर्ज नहीं हो पाने की आशंका है। ऐसे में असमानता के आंकड़ों को समझते समय इस सीमा का ध्यान रखना जरूरी है। गरीबी में कमी के पीछे कई कारण बताए गए हैं। इनमें आम लोगों की खपत और खर्च करने की क्षमता में बढ़ोतरी, रोजगार के अवसरों का विस्तार तथा सरकारी सहायता योजनाओं की भूमिका शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में 13.4 करोड़ की वृद्धि हुई। इस बढ़ोतरी में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण रही और बड़ी संख्या में महिलाएं पहली बार आय अर्जित करने वाले कामों से जुड़ीं। मुफ्त राशन और बैंक खातों में सीधे आर्थिक सहायता पहुंचाने जैसी योजनाओं ने भी जरूरतमंद परिवारों को सहारा दिया। गरीबी में सुधार केवल आमदनी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोगों के रहन-सहन और बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच में भी बदलाव आया है। पहले की तुलना में अधिक परिवारों तक पक्के मकान, बिजली, स्वच्छ पेयजल, शौचालय और रसोई गैस जैसी सुविधाएं पहुंची हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2005-06 में देश की 53.8 प्रतिशत आबादी बुनियादी सुविधाओं से वंचित थी

सरगुजा संभाग में 819 पटवारियों को काम पर लौटने का अल्टीमेटम, सभी को कारण बताओ नोटिस जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में पटवारियों की हड़ताल को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा ने हड़ताल पर गए सभी 819 पटवारियों को तत्काल काम पर लौटने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सभी संबंधित पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर उसी दिन व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर लिखित स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय पर मुख्यालय में उपस्थित नहीं होने और जवाब प्रस्तुत नहीं करने वाले पटवारियों के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की जाएगी।संभागायुक्त ने सरगुजा संभाग के सभी छह जिलों के अनुविभागीय दंडाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि हड़ताल पर गए पटवारियों को नोटिस जारी कर तत्काल कार्यभार ग्रहण कराया जाए। संबंधित पटवारियों को अपने तहसीलदार के माध्यम से उसी दिन लिखित जवाब भी देना होगा।जिलेवार आंकड़ों के अनुसार, सरगुजा में 216, सूरजपुर में 192, जशपुर में 150, बलरामपुर में 150, कोरिया में 60 और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 51 पटवारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। इस तरह पूरे संभाग में कुल 819 पटवारियों को प्रशासन ने काम पर लौटने का निर्देश दिया है।इधर, बलरामपुर जिले में मुख्यालय पर निवास नहीं करने के मामले में पांच पटवारियों को निलंबित भी किया गया है। प्रशासन ने सभी हड़ताली पटवारियों को तत्काल अपने कार्यस्थल पर उपस्थित होकर शासकीय कामकाज शुरू करने के निर्देश दिए हैं।



राहुल गांधी बोले- मेरी बात सच होगी, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार जेल जाएंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी दलों ने बड़ी रैली आयोजित की। इसमें कांग्रेस सहित विपक्षी गठबंधन के कई प्रमुख नेता शामिल हुए। रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी बात सच साबित होगी और ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से हटेंगे तथा जेल जाएंगे। विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सवाल उठाए।



उनकी प्रमुख मांग ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की रही।रैली में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राजद नेता तेजस्वी यादव सहित कई विपक्षी नेता पहुंचे। फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और सुप्रिया सुले भी कार्यक्रम में मौजूद रहीं। करीब चार घंटे तक चले इस आयोजन में विपक्ष के आठ नेताओं ने संबोधन दिया और चुनाव आयोग के खिलाफ अपनी बात रखी।रैली से पहले शनिवार को विपक्षी नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर बैठक की थी। इस बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जनमहाभियोग प्रस्ताव पारित किया गया। इसके बाद रविवार को विपक्षी दलों के नेता रामलीला मैदान पहुंचे और सार्वजनिक सभा के माध्यम से अपनी मांगों को दोहराया। विपक्ष का कहना है कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता और उसकी कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल हैं।

हैदराबाद में बुर्का पहनकर चोरी करती थी महिला, ऑनलाइन वीडियो से सीखे थे तरीके

25 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने करीब 70 लाख रुपये के गहने, नकदी और आईफोन सहित सामान किया बरामद; पति से छिपाकर बनाती थी चोरी की योजनाएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में बंद मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने के आरोप में पुलिस ने 25 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पगा जया के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, वह बुर्का पहनकर अपनी पहचान छिपाती थी और ऐसे मकानों में चोरी करती थी, जिनके मालिक परिवार सहित बाहर गए होते थे। पुलिस ने उसके कब्जे से सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और आईफोन 17 सहित करीब 70 लाख रुपये का सामान बरामद किया है। प्रारंभिक जांच में आरोपी के पांच चोरी के मामलों में शामिल होने की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार, जया ने घरों के ताले तोड़ने और चोरी करने के तरीके इंटरनेट पर उपलब्ध वीडियो देखकर सीखे थे। वह अपने पति को बिना बताए चोरी की योजना बनाती थी। वारदात के दौरान पहचान छिपाने के लिए बुर्का पहनती थी। इसके बाद बंद मकानों की निगरानी कर मौका मिलने पर वहां चोरी करती थी। पुलिस का कहना है कि आरोपी मकानों के दरवाजों और अलमारियों के ताले तोड़ने के लिए औजारों का इस्तेमाल करती थी। घरों से सोने-चांदी के गहने और नकदी चुराने के बाद वह कुछ आभूषण बेच देती थी, जबकि कुछ को गिरवी रखकर पैसे हासिल करती थी। इन



पैसों का इस्तेमाल वह अपने निजी खर्चों और आलीशान जीवनशैली के लिए करना चाहती थी। पुलिस जांच में सामने आया कि पगा जया मूल रूप से तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले के पलवंचा की रहने वाली है। उसने कोठागुडेम के अनुबोस कॉलेज में बीटेक में दाखिला लिया था, लेकिन आर्थिक परेशानियों के कारण पढ़ाई पूरी नहीं कर सकी। वर्ष 2023 में वह हैदराबाद आई थी और 2024 में गोगुलोथु शिवकुमार से उसकी शादी हुई थी। पुलिस के मुताबिक, आर्थिक तंगी और जल्दी पैसा कमाने की चाह में उसने चोरी की वारदातों को अंजाम देना शुरू किया। इससे पहले भी वह उप्पल थाना क्षेत्र में चोरी के एक मामले में शामिल रही थी।मामले का खुलासा 27 अक्टूबर को गंगम भास्कर रेड्डी की शिकायत के बाद शुरू हुई जांच में हुआ। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 26 अक्टूबर को वह परिवार के साथ मंदिर गए थे। अगले दिन घर लौटने पर मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो दो अलमारियों के ताले भी टूटे हुए थे। घर से करीब 48 तोला सोने के आभूषण, डेढ़ किलो चांदी के सामान और 2 लाख रुपये नकद गायब थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305(ए) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य जानकारियों के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंची। पुलिस के मुताबिक, बंद मकान में घुसने की कोशिश के दौरान जया सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई थी। उप्पल पुलिस और केंद्रीय अपराध शाखा की टीम ने सूचना के आधार पर 31 अक्टूबर को सुबह करीब 8 बजे उप्पल एक्स रोड्स के पास एलबी नगर मार्ग के बस स्टॉप से जया को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान पुलिस को उप्पल, मेडिपल्ली, भद्राद्री कोठागुडेम और जगतगिरिगुट्टा थाना क्षेत्रों में दर्ज पांच चोरी की घटनाओं से जुड़े होने की जानकारी मिली। फिलहाल पुलिस बरामद सामान के संबंध में जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी ने अन्य किन वारदातों को अंजाम दिया है।

पत्नी का महंगी कारों का शौक पूरा करने के लिए कर्मचारी ने शोरूम से चुराई 23 लाख की लग्जरी कार, गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक शोरूम कर्मचारी द्वारा लग्जरी कार चोरी करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कर्मचारी ने अपनी पत्नी का महंगी गाड़ियों का शौक पूरा करने के लिए उसी शोरूम से करीब 23 लाख रुपये कीमत की कार चुरा ली, जहां वह पिछले एक साल से काम कर रहा था। अशोका गार्डन थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की गई फॉक्सवैगन वर्टस जीटी कार बरामद कर ली है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गजेंद्र उर्फ ऋषि आनंद के रूप में हुई है, जो मूल रूप से होशंगाबाद का निवासी है और भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में किराए पर रहता है। थाना प्रभारी अनुराग लाल के मुताबिक, आरोपी पिछले करीब एक साल से कार शोरूम में नौकरी कर रहा था। इससे पहले वह स्कोडा के शोरूम में भी काम कर चुका था। 28 सितंबर की रात वह शोरूम से ग्राहक के नाम पर बुक की गई कार लेकर चला गया। शुरुआत में शोरूम प्रबंधन को इसकी जानकारी नहीं हुई, लेकिन बाद में कंपनी ने वाहनों के भंडार का मिलान किया तो एक कार गायब मिली। इसके बाद मामले की जांच शुरू की गई और कार में लगे स्थान पहचान प्रणाली के जरिए उसकी तलाश की गई। शुरुआती जांच में शोरूम के सीसीटीवी कैमरों में आरोपी का चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं देने के कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी। इसी बीच शुक्रवार रात कार की स्थिति नर्मदापुरम मार्ग स्थित आशिमा मॉल के पास मिली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो कार आरोपी की पत्नी चला रही थी। इसके बाद पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई और कर्मचारी की भूमिका सामने आ गई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कार चोरी करने की बात स्वीकार की।



महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में मास्टरमाइंड सौरभ चंद्राकर ओमान से भारत लाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चर्चित महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी नेटवर्क मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को बड़ी सफलता मिली है। नेटवर्क के प्रमुख आरोपी और कथित सूत्रधार सौरभ चंद्राकर को ओमान से भारत प्रत्यर्पित कर लिया गया है। अन्य केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से पूरी हुई इस कार्रवाई के बाद सीबीआई की विशेष टीम उसे लेकर भारत पहुंची। अब आरोपी का चिकित्सकीय परीक्षण कराया जाएगा। इसके बाद सीबीआई उसे ट्रांजिट रिमांड पर लेकर रायपुर जाएगी, जहां सोमवार को विशेष सीबीआई अदालत में पेश किए जाने की तैयारी है।सौरभ चंद्राकर महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी नेटवर्क से जुड़े सीबीआई के दो मामलों में वांछित था। इन दोनों मामलों में जांच एजेंसी पहले ही आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है। इसके अलावा प्रवर्तन निदेशालय के एक मामले में भी उसके खिलाफ अभियोजन शिकायत दायर की जा चुकी है। लंबे समय से उसकी तलाश की जा रही थी। ओमान से प्रत्यर्पण के बाद अब जांच एजेंसियों को उससे पूछताछ के जरिए नेटवर्क के संचालन और उससे जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाने का अवसर मिलेगा।



हैदराबाद में एमबीए के छात्र ने चुराए कारों के पहिए, महिंद्रा थार को बनाता था निशाना

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर 15 पहिए किए बरामद, 10 थानों में दर्ज चोरी के 11 मामलों में शामिल होने की बात कबूली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में कारों के टायर और रिम चोरी करने के आरोप में पुलिस ने एक एमबीए के छात्र को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान शोबान अली खान के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से चोरी के 15 पहिए बरामद किए हैं, जिनमें महिंद्रा थार के 12 पहिए शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी मुख्य रूप से महिंद्रा थार को निशाना बनाता था और मौका देखकर खड़ी गाड़ियों के पहिए और पीछे लगे अतिरिक्त टायर चोरी कर लेता था। पूछताछ में उसने शहर के 10 पुलिस थानों में दर्ज चोरी के 11 मामलों में शामिल होने की बात कबूल की है। मामले की जांच 20 अक्टूबर को मिली एक शिकायत के बाद शुरू हुई थी। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया था कि रेथीबोवली स्थित गैलेक्सी एन्क्लेव अपार्टमेंट के बाहर खड़ी महिंद्रा थार का पिछला अतिरिक्त टायर चोरी हो गया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में एक युवक स्कूटर से मौके पर आता दिखाई दिया। जांच के दौरान उसकी



पहचान शोबान अली खान के रूप में हुई। पुलिस ने शनिवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी पहले स्कूटर पर बैठकर मोबाइल चलाता दिखाई देता है। इसके बाद वह उतरकर थार के पास जाता है और पीछे लगा अतिरिक्त टायर निकालने का प्रयास करता है। इसी दौरान सामने से एक स्कूटर आता दिखाई देता है तो वह वापस अपने वाहन के पास लौट जाता है। रास्ते से लोगों के गुजरने के कारण वह कुछ देर तक इंतजार करता रहा। जब उसे मौका मिला तो वह दोबारा थार के पास पहुंचा और कुछ ही समय में टायर निकालकर अपने स्कूटर पर रखकर वहां से चला गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी चोरी के लिए जरूरी औजार जुटाने के लिए पंचर की दुकानों का सहारा लेता था। वह दुकानदारों से टायर खोलने के औजार मांगता और सुरक्षा राशि के रूप में 200 से 300 रुपये जमा कर देता था। गाड़ी से टायर और रिम निकालने के बाद वह औजार वापस कर अपनी जमा राशि ले लेता था। पुलिस के मुताबिक, वह स्पैनर की मदद से गाड़ियों के अतिरिक्त टायर निकाल लेता था।पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी के पिता पहियों के संतुलन और दिशा निर्धारण से जुड़ी दुकान पर काम करते हैं। इस वजह से शोबान को गाड़ियों के पहियों और उनसे जुड़े उपकरणों की जानकारी थी। पुलिस ने उसके पास से महिंद्रा थार के 12 पहियों के अलावा फोर्ड एंडेवर के दो और फोर्ड इकोस्पोर्ट का एक पहिया भी बरामद किया है। पुलिस अब आरोपी को हिरासत में लेकर आगे पूछताछ करने की तैयारी कर रही है। जांच के दौरान यह पता लगाया जाएगा कि उसने चोरी की वारदातें कब शुरू की थीं, चोरी किए गए पहिए कहां बेचे गए और क्या इस गिरोह या अन्य मामलों में कोई और व्यक्ति भी शामिल है। पुलिस बरामद पहियों के आधार पर अन्य शिकायतों से भी उनका मिलान कर रही है।

साबरमती से वाराणसी के बीच शुरू होगी नई दैनिक सुपरफास्ट रेलगाड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के यात्रियों के लिए रेलवे ने नई सुविधा की घोषणा की है। पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल की ओर से साबरमती और वाराणसी के बीच नई दैनिक सुपरफास्ट रेलगाड़ी शुरू की जा रही है। रेलगाड़ी संख्या 12205/12206 साबरमती-वाराणसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस दोनों शहरों के बीच नियमित रूप से संचालित होगी। इसके शुरू होने से तीन राज्यों के यात्रियों को सीधा रेल संपर्क मिलेगा और लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लोगों को सुविधा होगी। रेलवे की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, वाराणसी से साबरमती जाने वाली रेलगाड़ी संख्या 12206 का नियमित संचालन 2 नवंबर 2026 से शुरू होगा। वहीं, साबरमती से वाराणसी जाने वाली रेलगाड़ी संख्या 12205 का नियमित संचालन 4 नवंबर से किया जाएगा। साबरमती से वाराणसी जाने वाली रेलगाड़ी सुबह 5:20 बजे साबरमती स्टेशन से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 6:30 बजे वाराणसी पहुंचेगी। दूसरी ओर, वाराणसी से साबरमती आने वाली रेलगाड़ी शाम 5:30 बजे वाराणसी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात 8:15 बजे साबरमती पहुंचेगी। इस रेलगाड़ी का ठहराव गुजरात, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कई प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर निर्धारित किया गया है। इनमें मेहसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़ जंक्शन, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, मंडावर महवा रोड, खेड़ली, नदबई, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, गोविंदपुरी, सुबेदारगंज और मिर्जापुर शामिल हैं। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलगाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, शयनयान और सामान्य श्रेणी के डिब्बे लगाए जाएंगे। दैनिक संचालन होने से यात्रियों को सप्ताह के सभी दिनों में यात्रा का विकल्प मिलेगा। खासतौर पर गुजरात और राजस्थान से उत्तर प्रदेश जाने वाले यात्रियों को इस रेलगाड़ी से सीधा संपर्क उपलब्ध होगा।



दिल्ली में विपक्ष की रैली पर संबित पात्रा का हमला, बोले- रामलीला मैदान का 40 प्रतिशत हिस्सा रहा खाली

कांग्रेस ने रैली में 10 लाख लोगों के पहुंचने का किया था दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को आयोजित विपक्ष की रैली को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर निशाना साधा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रैली को फ्लॉप शो बताते हुए दावा किया कि मैदान का बड़ा हिस्सा खाली पड़ा रहा। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने रैली में 10 लाख से अधिक लोगों के शामिल होने का दावा किया था, लेकिन मौके की तस्वीरें इससे अलग स्थिति दिखा रही थीं। पात्रा ने इसे भीड़तंत्र पर लोकतंत्र की जीत बताते हुए विपक्ष के प्रदर्शन पर सवाल उठाए। संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस नेताओं के.सी. वेणुगोपाल और पवन खेड़ा की ओर से रैली में 10 लाख से अधिक लोगों के पहुंचने की बात कही गई थी। इसके विपरीत रामलीला मैदान का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा खाली था। उन्होंने बताया कि मैदान करीब 10 से 12 एकड़ में फैला हुआ है। इसमें लगभग 15 प्रतिशत हिस्से में मंच और उसके सामने डी आकार का क्षेत्र बनाया गया था। पात्रा के अनुसार, शेष हिस्से में भी बड़ी संख्या में लोग मौजूद नहीं थे और मैदान का काफी भाग खाली दिखाई दे रहा था। भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके भाषण में बार-बार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग दोहराई जा रही है। पात्रा ने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लगता है जैसे राहुल गांधी का टेप रिकॉर्डर अटक गया है। उन्होंने विपक्ष को सलाह दी कि चुनाव आयोग पर आरोप लगाने से पहले उसे पूरे मामले की जानकारी और तथ्यों को समझना चाहिए। पात्रा ने इंडिया गठबंधन पर राजधानी का माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के नाम पर आगजनी और सड़कों पर संघर्ष जैसी स्थिति पैदा करने की कोशिश की गई। साथ ही उन्होंने विपक्ष के 'वोट चोरी' के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि लगातार बिना ठोस सबूत के ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं।



उन्नाव में विरोध करने वालों पर बरसे पंडित प्रदीप मिश्रा, बोले- शिवलिंग पर चढ़ाया जल पीने और बेलपत्र खाने से दूर होती हैं परेशानियां

एक लोटा जल चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं भोलेनाथ, मोबाइल पर रील देखने वालों को भी दी नसीहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में आयोजित सात दिवसीय शिव महापुराण कथा के तीसरे दिन कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने शिवभक्ति, पूजा-पद्धति और जीवनशैली को लेकर श्रद्धालुओं को संबोधित किया। बीघापुर तहसील क्षेत्र के गौरी गांव में चल रही कथा में उन्होंने शिवलिंग पर जल चढ़ाने, बेलपत्र अर्पित करने और भगवान के दर्शन करने के महत्व पर विस्तार से अपनी बात रखी। शिवलिंग पर चढ़ाए गए जल को पीने और बेलपत्र खाने से रोग तथा जीवन की परेशानियां दूर होने संबंधी अपनी पूर्व की बातों का विरोध करने वालों को भी उन्होंने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनकी बातों से कुछ लोगों को उसी तरह परेशानी हुई, जैसे इंजेक्शन लगने पर दर्द होता है, लेकिन आज अनेक श्रद्धालु उनके बताए उपायों को अपना रहे हैं।पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए किसी बड़े आयोजन या महंगे सामान की आवश्यकता नहीं है। सच्ची श्रद्धा से चढ़ाया गया एक लोटा जल भी भोलेनाथ को स्वीकार है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव को महामृत्युंजय कहा जाता है और भक्तों को पूरी आस्था के साथ उनकी आराधना करनी चाहिए। शिवलिंग पर जल चढ़ाने और बेलपत्र अर्पित करने की परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि श्रद्धा और विश्वास के साथ की गई पूजा का अपना महत्व है। कथा के दौरान उन्होंने अयोध्या, मथुरा, वृंदावन और अन्य धार्मिक स्थलों पर दर्शन करने जाने वाले श्रद्धालुओं को भी विशेष संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कई लोग मंदिरों में भगवान के दर्शन करते समय अपनी आंखें बंद कर लेते हैं, जबकि



दर्शन करते समय आंखें खुली रखनी चाहिए। भक्त को भगवान के स्वरूप को निहारना चाहिए और पूरी एकाग्रता के साथ दर्शन करने चाहिए। उन्होंने इस प्रसंग को बेल वाटिका में भगवान शिव और माता पार्वती के बीच हुए संवाद से जोड़ते हुए कहा कि प्रभु के दर्शन आंखों से करने चाहिए। पंडित मिश्रा ने बेल वाटिका के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान शिव को सोने-चांदी के पात्रों से चढ़ाए गए जल की अपेक्षा नहीं है। भक्त यदि अपनी हथेली से भी जल अर्पित करता है तो भगवान उसे स्वीकार करते हैं। पूजा में दिखावे से अधिक महत्व श्रद्धा और भावना का होता है। उन्होंने कहा कि भोलेनाथ भक्त की भावना देखते हैं, न कि उसके द्वारा चढ़ाई गई वस्तुओं की कीमत। मोबाइल पर लगातार रील देखने की आदत को लेकर भी पंडित प्रदीप मिश्रा ने युवाओं और आम लोगों को नसीहत दी। उन्होंने कहा कि आज का युवा अक्सर समय नहीं होने की बात करता है, लेकिन मोबाइल पर रील देखने में कई घंटे बिता देता है। दुकानदार भी कई बार मोबाइल में व्यस्त रहने के कारण ग्राहकों पर ध्यान नहीं देते।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.